वर्ष 72 अंक 265 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 23 जून, 2025
आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

भविष्य उनका होता है जो अपने सपनों की सुंदरता में विश्वास करते हैं।
–एलेनॉर रूजवेल्ट

**ईरान-इजराइल संघर्ष:** यूएस के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप की पूरी दुनिया में आलोचना, दोनों पक्षों से कूटनीतिक पहल की अपील

# अमेरिका ने किया ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमला, ईरान ने छोड़ी खैबर-शैकेन मिसाइल

**तेल अवीव, तेहरान, नई दिल्ली, वॉशिंगटन, जेएनएन।** पश्चिम एशिया एक बार फिर एक गंभीर युद्ध के मुहाने पर खड़ा है। रविवार को अमेरिका ने ईरान के 3 प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया। इसके बाद ईरान ने इजराइल के कई शहरों पर मिसाइलों और ड्रोन से जवाबी कार्रवाई की। ईरान-इजराइल संघर्ष में अमेरिका की प्रत्यक्ष कार्रवाई के बाद यह टकराव अब केवल दो देशों की लड़ाई नहीं रह गया है, बल्कि इससे पूरी दुनिया पर खतरे के बादल मंडराने लगे हैं।

22 जून की सुबह, अमेरिका ने ईरान के फोर्दो, नतांज और इस्फहान स्थित तीन परमाणु संयंत्रों पर हवाई हमले किए। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ। ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। अमेरिका के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्रॉफ्ट शामिल थे। ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने ईरान के परमाणु ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बस्टर बम गिराए। अमेरिका ने सात बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स से 12 गहराई-भेदी बम फोर्दो संयंत्र पर गिराए। वहीं, अमेरिकी नौसेना की पनडुब्बियों ने नतांज और इस्फहान पर 30 क्रूज मिसाइलें दागीं। सेटेलाइट तस्वीरों में फोर्दो की पहाड़ी में दरारें और प्रवेश द्वार तबाह दिखे। विशेषज्ञों के अनुसार, इन ठिकानों को फिर से चालू करने में महीनों लग सकते हैं। हालांकि चीन के विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के हमले शायद इन परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट न कर पाए हों, क्योंकि ये भूमिगत और पहाड़ों के भीतर हैं।

**ईरान का दावा**
*अमेरिकी हमलों में कोई मौत नहीं हुई न ही परमाणु कार्यक्रम को क्षति पहुंची*

**नेतन्याहू बोले**
*अब इजरायल पहले से ज्यादा सुरक्षित है, इस जंग का हल निकलेगा*

## ईरान के परमाणु कार्यक्रम के अहम स्तंभ

● **फोर्दो** यूरेनियम संवर्धन केंद्र ईरान के कोम शहर के पास एक पर्वतीय सुरंग में स्थित है। यह अत्यधिक संरक्षित और भूमिगत सुविधा 2009 में सार्वजनिक हुई। यहां ईरान ने उच्च स्तर पर यूरेनियम संवर्धन शुरू किया, जो 20 फीसदी या उससे अधिक तक पहुंच सकता है, जो परमाणु हथियारों की दिशा में एक गंभीर कदम माना जाता है।

● **नतांज** ईरान का सबसे बड़ा और प्रमुख यूरेनियम संवर्धन संयंत्र है, जो इस्फहान प्रांत में स्थित है। यह ऊपर और नीचे दोनों संरचनाओं में फैला है, जहां हजारों सेंट्रीफ्यूज यूरेनियम को संवर्धित करते हैं। इस ठिकाने को 2002 में अंतरराष्ट्रीय ध्यान मिला, जब इसकी सैटेलाइट तस्वीरें लीक हुईं।

● **इस्फहान** परमाणु अनुसंधान और रूपांतरण केंद्र में यूरेनियम को गैसीय रूप में बदला जाता है, जिसे आगे नतांज या फोर्दो जैसे संयंत्रों में संवर्धन के लिए भेजा जाता है। इस केंद्र में भारी जल रिएक्टर से संबंधित अनुसंधान, रेडियो आइसोटोप उत्पादन और परमाणु ईंधन निर्माण से जुड़े कार्य होते हैं।

**07** बी-2 स्टील्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया इस हमले में | **12** बम फोर्दो पर गिराए। 30 क्रूज मिसाइलें दागीं नतांज और इस्फहान पर | **125** एयरक्रॉफ्ट ने गिराए 13,608 किलो वजनी बस्टर बम ईरान के परमाणु ठिकानों पर

**इजराइल में हालात** रविवार को 86 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। ईरानी हमलों में अब तक कुल 2,835 इजराइली अस्पताल पहुंचे हैं, जिनमें 23 गंभीर, 107 मध्यम, 2,555 मामूली रूप से घायल और 119 मानसिक तनाव के शिकार हैं।

**ईरान में हताहत:** ईरान में अब तक 865 मौत हुई हैं और 3396 घायल हैं। हालांकि ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 430 मौत और 3,056 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है।

## ट्रंप ने हमलों को सफल बताया, ईरान बोला- अनंतकाल तक भुगतने होंगे परिणाम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों को 'बेहद सफल' बताया और चेतावनी दी कि 'टारगेट्स अभी बाकी हैं'। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि अमेरिका का उद्देश्य शासन परिवर्तन नहीं है, लेकिन उन्होंने ईरान को 'असाधारण चेतावनी' दी।

उधर, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्रंप के सीधे हस्तक्षेप के निर्णय की प्रशंसा की और इसे 'साहसिक कदम' बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने पूरे समन्वय के साथ ईरान पर हमले की कार्यवाही को अंजाम दिया है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका और इजराइल को 'डिप्लोमेसी की हत्या' करार दिया। उन्होंने कहा, 'यह हमला ईरान की संप्रभुता पर सीधा हमला है, और इसके परिणाम अनंतकाल तक भुगतने होंगे।'

## ईरान का जवाबी हमला: तेल अवीव, हैफा पर दागीं मिसाइलें

अमेरिका के हमले के चंद घंटों बाद, ईरान ने पहली बार शक्तिशाली खैबर-शैकेन बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया है। इस हमले में दर्जनों घायल हुए हैं, इमारतें ध्वस्त हो गईं और सड़कों पर मलबा बिखर गया। राहत दल मलबे में जीवित लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसके बाद इजराइल ने पश्चिमी ईरान के कई शहरों पर बमबारी की।

**इजरायली सेना की चेतावनी: हमारे लक्ष्य स्पष्ट:** इजरायली रक्षा बलों ने स्पष्ट किया है कि ईरान में उनके कई निशाने तय हैं और जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं होते, हमले जारी रहेंगे। इजरायल ने अपने एयरस्पेस को सभी फ्लाइट्स के लिए बंद कर दिया है, जिससे देश में आपातकाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है।

### 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' 9/11 के बाद सबसे लंबा ऑपरेशन

यह बी-2 मिशन 9/11 के बाद सबसे लंबा ऑपरेशन माना जा रहा है। जनरल केन ने बताया कि मध्यरात्रि को अमेरिका से ७ स्टेल्थ बी-2 बॉम्बर्स रवाना हुए। इन बमवर्षकों में से कुछ प्रशांत महासागर की ओर डिकॉय मिशन के तहत भेजे गए, जिससे ईरान को भ्रम में रखा जा सके। मुख्य बमवर्षक चुपचाप पूर्व की ओर रवाना हुए और 18 घंटे तक न्यूनतम संचार रखा गया। एक पनडुब्बी से इस्फहान पर दो दर्जन टॉमहॉक मिसाइलें दागीं। उसी दौरान बी-2 बमवर्षकों ने फोर्दो और नतांज की ओर उड़ान भरी। सुरक्षा के लिए हाई-स्पीड फाइटर जेट्स और डिकॉय तकनीकों का इस्तेमाल किया गया।

**अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया**

## वैश्विक चिंता और शांति की अपील

### मोदी ने की बातचीत की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बात की और 'तत्काल संघर्ष विराम' की अपील की। उन्होंने वर्तमान हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि बातचीत और कूटनीति ही रास्ता है। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बहाली जरूरी है।

### चीन ने की आलोचना

चीन ने हमले की तीव्र निंदा करते हुए कहा कि 'यह हमला पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा सकता है।' चीनी विदेश मंत्रालय ने सभी पक्षों से युद्धविराम की अपील की।

### रूस की सक्रियता

ईरान के विदेश मंत्री रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत के लिए मॉस्को रवाना हो चुके हैं। रूस ने अभी तक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी, लेकिन संकेत हैं कि वह इस टकराव में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने अमेरिका के हमलों की खिल्ली उड़ाते हुए कहा कि 'हम ईरान को आवश्यकतानुसार वॉरहेड मुहैया कराएंगे।'

**तुर्की** ने अमेरिका के हमले को 'क्षेत्रीय संकट को वैश्विक युद्ध में बदल सकने वाला कदम' बताया।

**सऊदी अरब** ने ईरान पर अमेरिकी हमलों के बाद देश में हाई सिक्योरिटी अलर्ट घोषित कर दिया है।

**ओमान** ने हमलों की कड़ी निंदा की है और कहा है कि 'तनाव को तुरंत कम करना चाहिए।'

**ब्रिटेन** ने ईरान से संयम बरतने और कूटनीतिक हल की अपील की।

**फ्रांस** ने कहा, 'समाधान केवल कूटनीतिक प्रक्रिया से ही संभव है।'

**जर्मनी** में चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने अमेरिकी हमले के बाद कैबिनेट की आपात बैठक बुलाई है।

## साहित्य सृजन

### सफर अवशेष है

आग का गोला कहूं या हिंडोला
गमों का पहाड़, आंसू ,या शोला
कितने ही सपने धू-धू कर जले होंगे
असमय ही कितनों के चिराग़ बुझे होंगे
किस्मत की बदी कहूं
या कलियुग की त्रासमय सदी कहूं
बस कहना ही तो शेष है
नि:शब्द, निष्प्राण, सफर अवशेष है;
कृपया सभी यात्रीगण सीट बेल्ट बांध लें
इंतजार मे हैं जो अपने...सबकी दुआएं साथ लें
अंत में स्मृतियां ही तो साथ चलती हैं
आत्मा अजर है अमर हैं बस चिताएं ही जलती हैं;
सुकून भरे होते हैं प्रवचन और कहानी
हकीकत तो कुछ और है,
जल जाती है हस्ती,उतर जाता है पानी;
'जातस्य हि ध्रुवों मृत्यु ध्रुवं जन्म
मृतस्य च'
भगवत गीता का यही सार है;
विमान एआई-117 टेकऑफ कर चुका है,
लैण्ड भी करेगा इस जनम में
सोचना बेकार है।।

विजय शर्मा 'स्वामी', शिक्षा महाविद्यालय रीवा

### ख्वाहिशें

दिल की ख्वाहिश
बहुत कुछ करने को बचा ही जीवन में,
जो अभी मैने नहीं किए
अभी तक मैंने नहीं कार चलाई,
जिसके पहली सीट में तुम बैठी हो,
मैं अभी नहीं गया वह मंदिर,
यहां जाने के बाद सारी मन्नत पूरी हो जाती हैं,
अभी तक मैं नहीं बनवा पाया ऐसा घर,
जो ये सारी दुनिया से दूर हो,
और जहां सिर्फ मोहब्बत ही मोहब्बत हो,
मैं नहीं देखा वह अजूबा जो
तुमसे ज्यादा खूबसूरत है ।।
मैं नहीं देखी वह तितली
जिसका तुमने रंग चुराया है,
मैंने सिर्फ देखा है उन फूलों को
जो तुम्हारे सुगंध से महकते हैं।।
और मैंने ना ही बताया तुमको
मैं आज भी तुम्हारे इंतजार में हूं।
खैर...तुम्हें बताने के बाद कुछ
बचेगा ही नहीं
जिसे मैं रोज लिख सकूंगा।।

प्रद्युम्न नामदेव 'गुस्ताख़',रीवा

### मोहब्बत है तो बताते क्यों नहीं

मेरी बाहों में आते क्यों नहीं हो
मोहब्बत है बताते क्यों नहीं हो
अंधेरे में भटक जाऊँ न मैं भी,
मुझे रास्ता दिखाते क्यों नहीं हो
खुशी ज़ाहिर अगर करनी है तुमको,
तो खिल के मुस्कराते क्यों नहीं हो
फ़क़त वादे किया करते
हो तुम तो,
कोई वादा निभाते क्यों नहीं हो
मोहब्बत मुझको गर आती नहीं है,
तुम्हीं आकर सिखाते क्यों नहीं हो
अगर तुम रूठने से हो परेशाँ,
तो फिर मुझको मनाते क्यों
नहीं हो

स्नेहा त्रिपाठी 'खनक', मनिकवार रीवा

### मैं नारी हूं

मैं शक्ति का अवतार हूं क्योंकि मैं नारी हूं
मैं इस दुनिया की शान हुं क्योंकि मैं नारी हूं
मैं अपने घर की मान हूं क्योंकि मैं नारी हूं ।
बहुत सह लिया मैने क्योंकि तब असहाय रही हूं
अबला नही अब सबला हुं क्योंकि मैं नारी हूं।
मैं नारी हूं
बच्चों कि बनती सरश्वती हूं क्योंकि मैं नारी हूं
मैं शान्त स्वरूपा हूं क्योंकि मैं नारी हूं
भूले में न रहना मैं बनती काली भी हूं , क्योकि मैं नारी हूं
मैं एक अबूझ पहेली हूं क्योंकि मैं नारी हूं
घर घर नहीं होता हम बिन क्योंकि मैं नारी हूं
मैं हर समस्या का समाधान हूं क्योंकि मैं नारी हूं
मैं अब बोझ नही हूं किसी पर क्योंकि मैं नारी हूं
मैं एक रूप में कई किरदार में हूं क्योंकि मैं नारी हूं
मां, ममता, जीवन संगिनी, सखी वक्त पड़े पर
काली हूं
क्यों कि मैं नारी हूं, मैं नारी हूं, मैं नारी हूं
मैं अब तिरस्कार नही सहती
क्योंकि मैं नारी हूं
सुई पकड़ती हूं तो तलवार भी
पकड़ना जानती हूं
क्योंकि मैं नारी हूं,
अबला नही अब सबला हूं मैं
क्योंकि मैं नारी हूं।

इंदिरा अग्निहोत्री 'इंदू', रीवा

# एकेएस के प्रो कमलेश चौरे ने यूनाइटेड किंगडम में प्रस्तुत किया शोध व्याख्यान

**जागरण, सतना ।** एकेएस विश्वविद्यालय सतना के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख प्रो डॉ कमलेश चौरे को यूनाइटेड किंगडम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक शोध व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। यह व्याख्यान 18 जून 2025 को प्रस्तुत किया गया जिसमें यूनिवर्सिटी ऑफएडिनबर्ग के प्रो टिम जॉर्ज सत्र अध्यक्ष रहे।प्रो चौरे का व्याख्यान एंडोफाइटिक बैक्टीरिया की भूमिका द्वारा बायोटिक स्ट्रेस नियंत्रण और केले की फसल उत्पादन में वृद्धि विषय पर आधारित था। यह शोध विशेष रूप से मूसा अक्यूमिनाटा जी9 किस्म में फ्यूजेरियम विल्ट रोग के जैविक नियंत्रण तथा फंक्शनल जीनोमिक्स पर केंद्रित है। इस कार्य में सहलेखकों के रूप में माही चौरे शिल्पी सिंह और पियूष कांत राय ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। सम्मेलन में प्रस्तुत इस शोध को वैज्ञानिक समुदाय द्वारा विशेष सराहना प्राप्त हुई जो कि टिकाऊ और जैविक कृषि की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम माना जा रहा है। यूनिवर्सिटी ऑफएडिनबरा की डीन ऑफरिसर्च प्रो लिज बैग्स द्वारा भेजे गए औपचारिक निमंत्रण में प्रो चौरे पांच

दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन योगदान दिया। साथ ही सम्मेलन में आए हुए विश्व के नामी बायोटेक वैज्ञानिकों एवं शिक्षाविदों के साथ डॉ चौरे एडवांस्ड रिसर्च एंड इनोवेशन को लेकर सकारात्मक सहयोग हेतु डिस्कशन हुआ। जल्दी ही विश्वविद्यालय में इस संदर्भ में एक इंटरनेशनल वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

## जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में कक्षा 6वीं के लिये आवेदन 29 जुलाई तक

**सतना।** नवोदय विद्यालय समिति, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशनुसार जवाहर नवोदय विद्यालय रहिकवारा में सतना एवं मैहर जिले के जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6वीं में प्रवेश के लिए होने वाली चयन परीक्षा सत्र 2026-27 के ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ हो चुके हैं, आवेदन की अंतिम तारीख 29 जुलाई 2025 है। इच्छुक अभ्यर्थी आनलाइन सेंटर में जाकर/मोबाइल से लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते है। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि अभ्यर्थी को सत्र 2025-26 में सतना एवं मैहर जिले के किसी शासकीय/मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत होना चाहिए एवं जिले का निवासी होना चाहिए। छात्र ने लगातार कक्षा 3 एवं कक्षा 4 की निरंतर पढाई किसी शासकीय मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालय से पूर्ण शिक्षण सत्र में उत्तीर्ण की हो तथा वर्तमान में कक्षा 5 अध्ययरत हो। नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026 हेतु 31 दिसम्बर 2025 को सतना एवं मैहर जिले के समस्त विकासखण्डों में आयोजित की जायेगी।

## बिरसिंहपुर में नि:शुल्क नेत्र शिविर संपन्न

**जागरण, सतना।** बिरसिंहपुर मध्य प्रदेश अग्रवाल महासभा की अगुवाई में भगवान भोले शंकर की नगरी बिरसिंहपुर स्थित गैनीनाथ धर्मशाला में 20 जून शुक्रवार को नि:शुल्क नेत्र शिविर सफ्लतापूर्वक संपन्न हुआ। श्री सद्गुरु सेवा संघ नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के सहयोग एवं म प्र अग्रवाल महासभा के प्रांतीय उपाध्यक्ष समाजसेवी पुरुषोत्तम अग्रवाल भटनवारा वालों के मार्गदर्शन में आयोजित नेत्र शिविर का शुभारंभ प्रात: 9 बजे मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद बिरसिंहपुर के पूर्व अध्यक्ष पंडित रूद्र दत्त पांडे एवं चित्रकूट से पधारे पंडित भीषम शुक्ला ने भगवान भोले शंकर स्वामी राणछोड दास महाराज एवं महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन माल्यार्पण एवं पूजन कर किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से विश्व भाजपा के मंडल अध्यक्ष डॉ प्रमोद द्विवेदी पार्षद मुकेश गौतम डॉक्टर रावेंद्र तिवारी अंबिका भुंजवा प्रबंधक जगदीश गुप्ता सुखेंद्र सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। नेत्र शिविर में 135 मरीजों की जांच कर 42 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन एवं लैंस प्रत्यारोपण हेतु भर्ती कर श्री सद्गुरु ने चिकित्सालय चित्रकूट संस्था वाहन से भेजें गये भर्ती के दौरान मरीजों को भोजन बिस्तर एवं दवा की सुविधा भी प्राप्त होगी।

# कोठी में कांग्रेसियों ने मनाया राहुल गांधी का जन्म दिन

**जागरण, सतना।** कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर कोठी में कांग्रेसजनो केक काटकर जन्मदिवस मनायाए कोठी के अमृत बेला पैलेस में कांग्रेसी कार्यकर्ता एकत्रित होकर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा चले गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और कहा कि जिस प्रकार से आज वह कठिन परिश्रम करते हुए अपने कर्तव्य पथ पर चलते हुए पूरे देश में प्रेम स्थापित कर रहे हैं वह दुर्लभ है इस दौरान उपभोक्ता संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता बृजेश करके सोनू उमेश सिंह पप्पू विजय राज सिंह पंडित जगन्नाथ शर्मा मनिंदर सिंह जीतू सुखेंद्र सिंह अनुराग सिंह कृष्णभान सिंह राजेंद्र त्रिपाठी नीतिश सिंह प्रेमलाल प्रजापति सहित अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## संगठन सृजन अभियान के पर्यवेक्षक आज सतना आयेंगे

**सतना।** जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के पर्यवेक्षक अनिल चौधरी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक विनय सक्सेना एवं बबिता साकेत 23 जून को सतना सतना आयेगें। श्री मिश्रा ने बताया कि पर्यवेक्षगण 24 जून को 11 बजे से उचेहरा एवं परस्मनिया ब्लाक की बैठक में भाग लेंगे एवं वरिष्ठ लोगों से भेंट मुलाकात करेंगे।

## जिले में अब तक 82.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**सतना।** जिले में इस वर्ष 1 जून से 22 जून तक 82.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 135 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 53.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 48.7 मि.मी, बिरसिंहपुर में 66.7 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 31 मि.मी., नागौद में 183.8 मि.मी., जसो (नागौद) में 30.3 मि.मी. एवं उचेहरा में 108.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 21.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

# पूजा चतुर्वेदी ने किया चौथी बार रक्तदान

**जागरण, सतना।** सिन्धु विकास समिति द्वारा लगातार चलाए जा रहे रक्तदान अभियान में सहयोग कररही समाजसेवी का पूजा चतुर्वेदी आयुष्मान में अस्पताल में भर्ती जरूरत मंद को अपने रक्त की सेवा देकर मानव धर्म निभाया। उल्लेखनीय है समिति संस्थाध्यक्ष विनोद गेलानी ने के कुशल मार्गदर्शन में पिछले कई वर्षों से रक्तदान जीवनदान की अलख ज्योति जलाकर इंसानियत का धर्म निभाते हुए मानवता की सेवा कर रही है एवं अभी तक 6630 यूनिट रक्तदान करवाने का एक रिकॉर्ड भी कायम किया है। रक्तदान करवाने मे डॉक्टर मनीषा सोई,मोना चोपड़ा,राखी होतचंदानी का उल्लेखनीय योगदान रहा। इस अवसर पर डॉरूनेहा यादव विनोद गेलानी विनोद जयसवाल मनीष सदानी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। पूजा के रक्तदान करने पर संस्था के संरक्षक गोपी गेलानी श्रीचंद मनवानी मनोहर डिगवानी अध्यक्ष विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी इंद्रलाल आडवाणी श्रीचंद शीतलानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी महेश रावलानी गंगाराम सचदेव दिलीप सोनी अमित कामरानी रंजीत सेनानी जितेंद्र गावरी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी अशोक चांदवानी बसंत खत्री दीपक वाधवानी केशव मखीजा राजेश कोटवानी राजकुमार साधवानी मनीष टेकवानी पंकज ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

## पिता की फटकार से भागी नाबालिग लड़की पुणे में मिली

**जागरण, रीवा।** पिता की फटकार से नाराज नाबालिग लड़की परिजनों को बिना बताए घर से चली गई। परिजनों ने आसपास सहित रिश्तेदारी में उसकी तलाश की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली, जिसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत बैकुंठपुर थाना में दर्ज करवाई। जिसके बाद पुलिस ने 16 वर्षीय नाबालिग लड़की को पुणे से दस्तयाब किया है । थाना प्रभारी निरी. जे.पी. पटेल नें बताया कि एक सप्ताह पूर्व पढ़ाई के लिये अपने पिताजी की डांट से नाराज होकर नाबालिग घर छोड़कर चली गई उस दौरान घर में माता-पिता नहीं थे। बताया गया कि वह अपनी बहन से सब्जी लेने बाजार जाने की बात कहकर निकली और वहां से बस में बैठकर रीवा चली गई। रीवा से सतना होते हुये सीधे इटारसी स्टेशन पहुंची जहां वह 02 दिन तक बैठी रही । बाद में वहां से पुणे की ट्रेन में बैठकर पुणे स्टेशन जा पहुंची और स्टेशन में ही रुककर होटल वालों से खाना मांग कर खा लेती थी और वहीं सो जाती थी । बैकुण्ठपुर पुलिस लगातार किशोरी की सायबर सेल की मदद से तलाश कर रही थी।

# विज्ञान मंथन यात्रा में वैष्णवी द्विवेदी ने प्राप्त किया मध्यप्रदेश में पहला स्थान

**जागरण, सतना।** सांदीपनि विद्यालय के शिक्षक विनय कनौजिया ने बताया की 17वीं विज्ञान मंथन यात्रा 2025 में सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगहा, सतना से तीन विद्यार्थियों, कक्षा दसवीं से माया गुप्ता कक्षा ग्यारहवीं से उत्कर्ष वर्मा एवं वैष्णवी द्विवेदी का चयन हुआ था। यह यात्रा दिनांक 22 अप्रैल 2025 को मध्यप्रदेश से प्रारंभ होकर 27 अप्रैल 2025 को समाप्त होती है जिसमें विद्यालय के तीन विद्यार्थी एवं पूरे मध्य प्रदेश से लगभग डेढ़ सौ विद्यार्थियों का चयन हुआ था। यात्रा में एक टीम चंडीगढ़ और एक टीम दिल्ली के लिए प्रस्थान की जहां पर बच्चों को अनेक वैज्ञानिक संस्थानो का भ्रमण कराया गया साथ ही एक स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सांदीपनि विद्यालय बगहा की छात्रा वैष्णवी द्विवेदी ने कक्षा ग्यारहवीं समूह से मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया । इस स्कॉलरशिप प्रतियोगिता का लाभ यह है कि सफल विद्यार्थियों को अगले 5 वर्ष तक पढ़ाई के लिए

प्रत्येक माह 1000 की राशि छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाएगी। छात्रा वैष्णवी द्विवेदी ने यह सफलता प्राप्त कर अपने विद्यालय गुरुजनो माता.पिता एवं जिले का नाम रोशन किया है । छात्रा की इस सफलता के लिए विद्यालय प्राचार्य अश्विनी कुमार पाठक उपप्राचार्य रघुवंश प्रसाद मिश्रा इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये प्रेरित करने वाले शिक्षक राजेन्द्र सिंह एवं समस्त विद्यालय परिवार ने बधाइयां दी।

## मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आज

**सतना।** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा बूथ लेवल आफीसरों के लिए कार्यक्रम अंतर्गत विधानसभा स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण 21 जून को प्रात: 10 बजे से सायं 6 बजे तक आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी शाहपुरा झील, अरेरा कॉलोनी भोपाल में आयोजित किया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सतना एवं मैहर जिले की सभी विधानसभा के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया है कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी राज्य स्तर पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के साथ 23 जून को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अन्य छूटे हुए विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स, जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स एवं विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को राज्य स्तर पर एक दिवसीय प्रशिक्षण देंगे। विधानसभा क्षेत्र में होने वाले प्रशिक्षण का सम्पूर्ण दायित्व निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का होगा। इस प्रशिक्षण के फोटोग्राफ्स एवं वीडियोग्राफी की क्लिप कार्यालय को 24 जून तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

### महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण आज तक

**सतना।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 की परीक्षा में चयनित एवं उच्च न्यायालय में याचिका दायर से संबंधित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी 23 जून तक प्रात: 11 बजे से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में उपस्थित होकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं।

## सभागंज स्कूल में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

**जागरण, अमदरा।** ग्यारहवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंडल अमदरा अंतर्गत हायर सेकेंडरी विद्यालय सभागंज में सामूहिक योगाभ्यास हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे रिटायर्ड शिक्षक नेतीराम विश्वकर्मा मंडल अध्यक्ष सुजीत शिवहरे योगाभ्यास शिक्षक प्रमोद श्रीवास , जेपी सिंह , मिथिलेश तिवारी , चेतन परौहा ,श्रीमती नीतू सिंह ,वीरेंद्र सोनी , पुष्पेंद्र शिवहरे , मंडल महामंत्री विवेक तिवारी सत्यम शुक्ला के साथ.साथ अनेक गणमान्यजन, मातृशक्ति, उपस्थित रहे। एवं सभी से यह आह्वान किया की प्रतिदिन करें योग और रहे निरोग रहे।

## कोठी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का मुख्य द्वार स्वयं बीमार, गेट पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा

**सतना।** इन दिनों नगर परिषद कोठी के हाल इतने बेहाल है कि अब कहने लायक कुछ बचा ही नहीं है जिम्मेदारों की मनमानी रवैए की वजह से नगर की जनता दुष्परिणाम भोग रही है हाल यहां तक है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी तक के हाल बेहाल है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोठी का मुख्य द्वार स्वयं ही बीमार चल रहा है मुख्य द्वार पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा तो है ही साथ में चलने लायक रास्ता तक नहीं बचा है इसकी मुख्य वजह है कि जिम्मेदारों की निष्क्रियता यदि जिम्मेदार इस और ध्यान दें तो ऐसा आलम नहीं बने परंतु किसी को क्या लेना देना सभी अपनी.अपनी में मस्त हैं और नगर की जनता त्रस्त हैए विश्वस्थ सूत्रों ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों और निष्क्रिय अधिकारियों की मिली भगत से अतिक्रमण का बोल वाला है जिसका परिणाम जनता भुगत रही है ।

# शासन के न्यायालयीन प्रकरणों की ई फाईलिंग अनिवार्य

### जीपी ने सुविधाओं के लिए पत्र लिखा

**जागरण, सतना।** ई.कोर्ट समिति की बैठक 24 फरवरी 2024 के कार्यवाही विवरण के पालन एवं मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के पत्र क्रण् 1371 दिनांक 19 सितम्बर 2024 के अनुक्रम में मण् प्रण् शासन से संबंधित समस्त न्यायालयीन प्रकरणों की ई.फाइलिंग हेतु 3.0 साफ्टवेयर का उपयोग अनिवार्य किया गया है उक्त निर्देशों के अनुसार मे लोक अभियोजकध्शासकीय अभिभाषक रमेश मिश्रा ने जिला दंडाधिकारी एवं कलेक्टर मैहर एवं सतना को पत्र लेख कर जीपीध्एजीपी के उपयोग हेतु कार्यालय मे कम्प्यूटर सह आपरेटर,प्रिंटर, स्केनर, नेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने का पुनः अनुरोध करतें हुए है कि लेख किया है की अन्यथा स्थित मे प्रकरण एवं उनके जवाव प्रस्तुत किया जाना संभव नहीं हो सकेगा। रमेश मिश्रा जीपी ने प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय सतना को इस हेतु सतना ध्मैहर के एजीपीगण का प्रशिक्षण कराए जाने का भी अनुरोध किया था जिसके अनुक्रम मे इसी सप्ताह जीपीध्एजीपी का प्रशिक्षण ई दक्ष केंद्र कलेक्ट्रेट सतना मे कराया जाना निश्चित किया गया है।

# पिछले 72 घंटे में रेलवे मुसाफिरों से चोरी-लूट की तीन घटनाएं

## आनंद विहार ट्रेन के एसी कोच में महिला चिकित्सक का लाखों का सामान पार

**जागरण, रीवा। पिछले 36 घंटे में रीवा से चलने वाली तीन रेलगाड़ियों के यात्री लूट व चोरी के शिकार हुए। आनंद बिहार में चिकित्सक के साथ लूट जबकि रेवाचल में फर्जी टीटीई व बिलासपुर एक्सप्रेस के यात्री कटनी आउटर में लूट का शिकार हुए।**

आनंद विहार ट्रेन से रीवा लौट रही महिला चिकित्सक के साथ दो परिवारों का बैग सहित कीमती समान प्रयागराज स्टेशन के पास बदामशों ने एसी कोच से पार कर दिये। ट्रेन की बोगी में सोते समय अज्ञात बदमाश ने वारदात को अंजाम दिया। प्रयागराज स्टेशन के पहले तक सभी सामान सुरक्षित ट्रेन में था, लेकिन जब ट्रेन प्रयागराज स्टेशन के आगे आई और लोगों की आंख खुली तो बैग, मोबाइल सहित कीमती सामान गायब मिला। मामले की शिकायत महिला चिकित्सक रेखा सिंघल सहित दो परिवार के लोगों ने जीआरपी थाना रीवा में दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस ने मामला प्रयागराज स्थानांतरित किया है। बताया गया कि पर्स में एटीएम कार्ड भी रखा हुआ था, जिससे भी बदमाश कैश निकाल लिए हैं। अज्ञात बदमाशों ने करीब साढ़े 6 लाख से अधिक की सामग्री सहित कीमती सामान पार कर दिया है। जानकारी के मुताबिक डॉ. रेखा सिंघल शुक्रवार को दिल्ली से रीवा अपने दो परिचित परिवारों के साथ रीवा आ रहीं थीं। प्रयागराज स्टेशन के पहले उनकी नींद खुली तो सभी सामान सुरक्षित थे, जिसके बाद उन्हें नींद आ गई और जब ट्रेन प्रयागराज स्टेशन के आगे पहुंची और उनकी नींद खुली तो बैग, मोबाइल सहित कीमती सामान गायब मिला। पुलिस ने मोबाइल ट्रेस किया तो उसकी लोकेशन भी प्रयागराज के आसपास मिली है। शिकायत के बाद अब पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

### कटनी स्टेशन के आउटर में महिला रेल यात्री से लूट का प्रयास

रीवा से बिलासपुर ट्रेन में बीती रात यात्रा कर रही एक युवती के साथ कटनी स्टेशन के आउटर में लूट का प्रयास किया गया। ट्रेन की खिड़की से आरोपी युवती का मोबाइल व पर्स लेकर भागने का प्रयास किया, लेकिन युवती ने साहस दिखाते हुए उसका हाथ पकड़ लिया, जिसके बाद आरोपी ने उसके मुंह में मुक्का मारा और मौके से भागने सफल हो गया। दुर्ग छत्तीसगढ़ निवासी ज्योत्सना ने बताया कि वह रीवा जरूरी काम से आई थी जहां से वापस रात को रीवा बिलासपुर ट्रेन से बिलासपुर के लिए रवाना हुईं। ट्रेन के एस1 बोगी से एस 5 बोगी तक आरोपियों के गिरोह ने इस तरह की वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया। पीड़िता ने बताया कि घटना के बाद उसने रेलवे के हेल्पलाइन नंबर 139 में कॉल किया लेकिन उसके पास कोई नहीं आया। बिलासपुर पहुंचने पर उसने जब जीआरपी से शिकायत की तो वहां उसे कहा गया कि वह शिकायत दर्ज कर कटनी भेज देंगे, जिसके लिए उसे कटनी जाना पड़ेगा। युवती ने कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर रेलवे के अधिकारी गंभीर नहीं हैं, लुटेरों का गिरोह आउटर में खड़ी ट्रेनों के मुसाफिरों को शिकार बना रहा है। कटनी के आउटर में लूट गिरोह में कई लोग शामिल थे जो अलग-अलग बोगी में वारदात को अंजाम देने के लिए सक्रिय रहे। पीड़िता ने बताया कि आरोपी बदमाश के हमले से उसकी आंख बच गई लेकिन उसके चेहरे पर आंख के नीचे गंभीर चोट आई है। पीड़िता का कहना था कि रेल मुसाफिर पैसा देकर सफर करें और शिकायत के लिए उन्हें चक्कर काटना पड़े, साथ ही जिम्मेदार शिकायत के बाद एक्शन भी नहीं लें, यह सही नहीं है। पीड़िता ने रेलवे प्रशासन से मामले में कार्रवाई करते हुए रेल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सख्त कदम उठाने की मांग की है।

## भारतीय हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष बने संजीव

**रीवा।** भारतीय हिंदू महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष एल.एल.सोनी ने संगठन का विस्तार करते हुए संजीव कुमार सोनी को रीवा जिले का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। संजीव कुमार सोनी ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेशाध्यक्ष एल.एल.सोनी, प्रदेश महासचिव पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष रामसहाय पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि जिले में संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास करूंगा। संजीव कुमार सोनी के जिलाध्यक्ष बनने पर वेदनारायण पटेल, रोहित सोनी, अतुल पांडे, अंकित सोनी, ब्रजेश सोनी, सतीश सोनी, जीतू गुप्ता, सुधाकर पाण्डेय, अतिशय जैन, अनुपम सोनी, सुमित पटेल आदि ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई प्रेषित की है।

वर्ष 72 अंक 265 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 23 जून, 2025
आषाढ़ कृष्ण पक्ष 13, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
# दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

सपना जादू से हकीकत नहीं बनता; इसके लिए पसीना, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत लगती है।
–कॉलिन पॉवेल

## अभिनेता विजय के खिलाफ मामला दर्ज

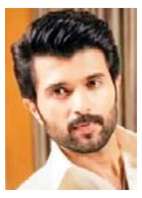

**नई दिल्ली, जेएनएन।** फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा पर आदिवासी समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में एससी-एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला अभी दर्ज किया गया है, हालांकि संबंधित टिप्पणी अभिनेता ने अप्रैल में की थी। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई एक लिखित शिकायत के आधार पर की गई है, जिसे आदिवासी समुदाय की संयुक्त कार्रवाई समिति के राज्य अध्यक्ष नेनावथ अशोक कुमार नायक उर्फ अशोक राठौड़ ने दर्ज कराया। शिकायत में कहा गया है कि विजय देवरकोंडा ने फिल्म 'रेट्रो' के प्री-रिलीज इवेंट में ऐसी टिप्पणी की थी, जो आदिवासी समुदाय के लिए अपमानजनक, नस्लभेदी और भावनात्मक रूप से आहत करने वाली थी। हालांकि, विवाद बढ़ने के बाद विजय देवरकोंडा ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा, 'यदि मेरे शब्दों का कोई हिस्सा किसी को गलत लगा या किसी को दुख पहुंचा, तो मैं दिल से खेद प्रकट करता हूं।

## कोरोना: 24 घंटे में चार और अब तक 113 मौत

**नई दिल्ली, जेएनएन।** देशभर में कोरोना के नए वैरिएंट के कारण चिंता बढ़ गई है। पिछले 24 घंटों में चार मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार 2025 की शुरुआत से अब तक 113 लोगों की मौत हो चुकी हैं। बीते 24 घंटों में महाराष्ट्र में 2 और दिल्ली और केरल में 1-1 मरीज की मौत कोरोना से हुई है। अब तक मरने वालों की संख्या में सबसे ज्यादा केरल 36 और फिर महाराष्ट्र 31 है। दिल्ली में भी 13 मौतें हुई हैं। देश के 32 राज्य-केंद्रशासित प्रदेश मिलाकर कोरोना के 6483 एक्टिव केस हैं। केरल से सबसे ज्यादा 1384 मामले सामने आए हैं। गुजरात में 1105 और पश्चिम बंगाल में 747 एक्टिव केस हैं।

### पश्चिमी-मध्य भारत में तेज बारिश का कहर, सड़कों पर जलजमाव, हादसों में कई मौतें

# टीकमगढ़ में 8, दमोह और निवाड़ी में चार-चार इंच से अधिक बारिश

**कार्यालय संवाददाता, भोपाल/नई दिल्ली।** दक्षिण-पश्चिम मानसून के कारण पश्चिमी और मध्य भारत के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। मध्य प्रदेश में भी मानसून मेहरबान है। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कई जिलों में अतिवर्षा की स्थिति रही है। टीकमगढ़ में 215 मिली मीटर यानी 8 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई है। टीकमगढ़ से सटे दमोह, निवाड़ी में भी अति वर्षा हुई। दमोह के हट्टा में 117 (4.5 इंच) एमएम और निवाड़ी के ओरछा में 115 (4.5 इंच) एमएम बारिश रिकार्ड की गई है। शिवपुरी के करेरा में 110 एमएम (4 इंच) बारिश हुई है। मौसम केंद्र भोपाल के मुताबिक, प्रदेश के 90 फीसदी हिस्से में इस समय अच्छी बारिश हो रही है। जिसके आगे भी बने रहने की संभावना है। हालांकि अधिक बारिश के कारण कई जिलों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क शहरी क्षेत्रों से टूटने की भी खबर है। प्रदेश के 11 क्षेत्रों में 3 इंच से अधिक हुई। बारिश का आंकड़ा ढाई इंच से अधिक होता है तो उसे अतिवर्षा की श्रेणी में रखा जाता है। 11 क्षेत्रों में अति वर्षा हुई, इनमें टीकमगढ़, हट्टा, ओरछा, करेरा, राणापुर, पिछोर, मोहनगढ़, सतना, झाबुआ, बड़ागांव धसान, मेघनगर शामिल है। बरहाई, पलेरा, दमोह, सलीमानाबाद, नागौद, रहली, दतिया, पृथ्वीपुर, खनियाधाना, सीधी, अजयगढ़, पटेरा, पिपलोदा, गुड़ में दो इंच से अधिक बारिश हुई। कई इलाकों में एक इंच से अधिक बारिश हुई।

**आज यहां अलर्ट**
मुरैना, श्योपुरकलां, सागर, टीकमगढ़, निवाड़ी, विदिशा, राजगढ़, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, रीवा, मऊगंज, सतना, छतरपुर, मैहर।

### राजस्थान, गुजरात, ओड़िशा में जनजीवन अस्त-व्यस्त

**नई दिल्ली।** मानसूनी बारिश के कारण राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और ओडिशा समेत कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। देश के कई राज्यों में मानसून की भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित है। इसके कारण प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है और राहत कार्यों के लिए टीमें तैनात की गई हैं। अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए स्कूल बंद किए जा सकते हैं और आवागमन पर भी असर पड़ सकता है।

- **राजस्थान में दिल्ली-गुजरात हाईवे जलमग्न:** राजस्थान के सिरोही में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भर गया। सड़क पर तेज बहाव के कारण कई वाहन फंस गए। जोधपुर में पुलिया पार करते समय एक कार नाले में गिर गई। कार में सवार तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई।
- **गुजरात में पहाड़ से पत्थर गिरे:** गुजरात के बनासकांठा के अंबाघाट इलाके में पहाड़ों से भारी पत्थर गिरने के कारण हाईवे बंद करना पड़ा। यातायात ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं।
- **दिल्ली-एनसीआर में मानसूनी बारिश:** दिल्ली और आसपास के इलाकों में जोरदार बारिश हुई, जिससे तापमान में गिरावट आई। हालांकि, जगह-जगह जलभराव और ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई।

### आज 19 राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट

सोमवार के लिए 19 राज्यों में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इनमें मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, और तमिलनाडु शामिल हैं।

**महाकाल में पीओपी गिरी:** उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में पालकी हॉल से एम्बुलेंस गेट तक निर्मित टनल परिसर की छत का पीओपी रविवार सुबह 8 बजे अचानक गिर गया। दुर्घटना के वक्त दर्शनार्थियों को इसी टनल से बाहर निकाला जा रहा था। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ है। कुछ दिन से छत से पानी का रिसाव हो रहा था, जिससे पीओपी ने छत छोड़ दी।

## पूरी दिल्ली में लगेंगे स्मार्ट सेंसर व कैमरे

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की राजधानी दिल्ली में अपराध पर लगाम के लिए पुलिस हाईटेक इंतजाम करने जा रही है। इसके तहत स्मार्ट कैमरे और स्मार्ट सेंसर लगाए जाएंगे। पुलिस का दावा है कि, ये सिस्टम तुरंत पुलिस को अलर्ट कर देगा। इससे अपराधियों की पहचान करने में मदद मिलेगी। इतना ही नहीं उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए वाहनों की भी तुरंत पहचान हो जाएगी, जिससे उनको ट्रैक करने में पुलिस को आसानी होगी। फिलहाल, पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इसे कुछ इलाकों में शुरू किया जा रहा है। इसे धीरे-धीरे पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लगाया जाएगा। इसका उद्देश्य पूरे शहर में निगरानी तंत्र को मजबूत करना है। ये स्मार्ट सेंसर करीब 500 मीटर से एक किलोमीटर के दायरे में अपराध या गोलीबारी का पता लगाने में सक्षम हैं।

### फीस कमेटी ने निर्धारित की कॉलेजों की फीस

# इंजीनियरिंग और एमबीए की फीस 20% तक बढ़ाई

**एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल।** प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति ने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेजों की फीस निर्धारित कर दी है। पहली बार फीस में 20 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे इंजीनियरिंग की अधिकतम फीस एक लाख 44 हजार और एमबीए की अधिकतम फीस एक लाख 90 हजार रुपए सालाना हो गई है। जबकि फीस कमेटी ने बीई और एमबीए की न्यूनतम सालाना फीस 40 हजार रुपए तय की है। वहीं एमटेक की सालाना फीस 62 हजार रुपए तय की गई है। जबकि अधिकतम 71 हजार रुपए निर्धारित हुई है।

प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति ने राज्य के 260 कालेजों की तीन सत्र 2025-26, 2026-27 और 2027-28 की फीस निर्धारित कर दी है। तकनीकी शिक्षा विभाग की काउंसलिंग के अगले चरण में बीई और एमबीए की अलाटमेंट कर पाता उसके पहले फीस कमेटी ने तकनीकी विभाग के सभी कॉलेजों की फीस निर्धारित कर दी है। फीस बढ़ाने के लिए कॉलेजों ने बीटेक के लिए दो और एमबीए के लिए ढाई लाख तक की फीस निर्धारित करने के प्रस्ताव कमेटी को भेजे थे। कमेटी ने कॉलेजों के प्रस्ताव पर कैंची चलाते हुए नया फी स्ट्रक्चर जारी किया है। हालांकि कमेटी ने कालेजों की फीस में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इससे बीई की अधितम फीस एक लाख 44 हजार रुपए और न्यूनतम फीस 40 हजार रुपए हो गई है। एमबीए की अधिकतम फीस एक लाख 90 हजार और न्यूनतम 40 हजार, एमसीए की अधिकतम 73 हजार और न्यूनतम 40 हजार, एमटेक की अधिकतम 71 हजार और न्यूनतम 60 हजार, बीफार्मा की अधिकतम एक लाख और न्यूनतम चालीस हजार और एमफार्मा की अधिकतम एक लाख 40 हजार और न्यूनतम 62 हजार रुपये सालाना निर्धारित की गई है।

| कोर्स | अधिकतम फीस | गत वर्ष फीस |
|---|---|---|
| बीई | 1,44,000 | 1,20,000 |
| एमबीए | 1,90,000 | 1,52,000 |
| एमसीए | 73,000 | 58,000 |
| एमटेक | 71,000 | 56,000 |
| बीफार्मा | 1,00,000 | 80,000 |
| एमफार्मा | 1,40,000 | 1,12,000 |
| डीफार्मा | 77,000 | 61,600 |

"कॉलेजों द्वारा दिए गए प्रस्ताव और वर्तमान की बैलेंस शीट का परीक्षण करने कमेटी ने फीस निर्धारित की है। उन्हें बीस फीसदी की बढ़ोतरी दी गई है। कालेजों के आदेश वेबसाइट पर अपलोड किए गए हैं।
- **देव आनंद हिंडोलिया**
ओएसडी, फीस कमेटी

## पाकिस्तान से आए लश्कर आतंकियों को पनाह देने वाले दो आरोपी हुए गिरफ्तार

**श्रीनगर, जेएनएन।** 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले में अब तक की सबसे बड़ी सफलता हाथ लगी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दो स्थानीय लोगों परवेज अहमद जोठार (बाटकोट) और बशीर अहमद जोठार (हिल पार्क) को गिरफ्तार किया है। दोनों पर लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को शरण देने का आरोप है। एनआईए के अनुसार, इन दोनों ने पूछताछ में यह स्वीकार किया है कि उन्होंने हमला करने वाले तीनों हथियारबंद आतंकियों को हमले से पहले हिल पार्क के एक ढोक (मौसमी झोपड़ी) में पनाह दी थी। इन आतंकियों की पहचान पाकिस्तान के नागरिकों के रूप में की गई है, जिनके नाम हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान, अली भाई उर्फ तल्हा भाई और आसिफ फौजी हैं।

# जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन का गिराया प्लास्टर

## मंद गति से चल रही मरम्मत, वर्षों पुराना है भवन

**जागरण, रीवा।** गुढ़ चौराहे पर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भवन का प्लाटर कई जगह से गिराया जा चुका है। जानकारों की मानें तो भवन में वर्षाकाल में कई जगहों पर पानी रिसने के चलते इसकी मरम्मत करवाई जा रही है, लेकिन लंबे समय से मरम्मत कार्य चलने के बाद भी वर्षाकाल की शुरुआत होने तक भवन की मरम्मत का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया। भवन की दीवारों का प्लाटर गिर जाने से दीवारों से सीधे बरसात का पानी भवन के अंदर तक पहुंचेगा, जिससे यहां रखा रिकॉर्ड तो गीला होगा साथ ही बैठने वाले अधिकारी, कर्मचारियों की भी फजीहत होगी।

**मरम्मत कार्य अभी भी जारी :** यहां कार्यरत कर्मचारियों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि भवन को बने काफी समय हो गया है। छत से बरसात का पानी रिसता था, जिससे भवन को मरम्मत की दरकार थी। ग्रीष्मकाल में भवन के मरम्मत का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन बरसात की शुरूआत होने तक कार्य अभी भी प्रगतिशील है। बरसात आमद दे चुकी है, ऐसे में जल्द ही भवन की मरम्मत नहीं हुई तो संभवतः जो परेशानी मरम्मत कार्य के पूर्व वर्षाकाल में होती थी, वह और अधिक बढ़ जाएगी।

# पहली बरसात में ही बह गया अमृत सरोवर मगरदाहा बांध

**दुआरी, नि.प्र.।** ग्राम पंचायत इटार पहाड़ जनपद पंचायत रायपुर कर्चुलियान तहसील गुढ़ अंतर्गत अमृत सरोवर मिशन के तहत लाखों करोड़ों की लागत से मगरदाहा बांध का निर्माण चल रहा था लेकिन यह बारिश में बह गया जिस पर स्थानीय लोगों ने यह आरोप लगाए हैं कि जमकर भ्रष्टाचार का खेलहुआ बलुआ मिट्टी का उपयोग किया गया कहीं भी पत्थर से पिचिंग नहीं की गई। हाइट और लंबाई भी अनुमान के मुताबिक सही नहीं थी कहीं से भी नॉट नहीं दिया गया । लोगों ने संवाददाता को बताया है कि विकासखंड के उपयंत्री की तकनीकी

लापरवाही के चलते बांध पहले ही बरसात में बह गया।

# श्री रामचरितमानस पाठ का रसपान कर रहे पैपखरावासी

## मानस मंडल प्रचार सचिव द्वारा पैपखरा में आयोजित हो रहा एक माह का पाठ

**पैपखरा।** श्री श्री 108 श्री स्वामी बालक दास संस्थान पैपखरा में 5 जून गंगा दशहरा से 5 जुलाई दसवीं तक चल रहे श्री रामचरितमानस मास पारायण अनुष्ठान में मानस मंडल अध्यक्ष सुभाष बाबू पांडे, मानस मंडल उपाध्यक्ष पीयूष त्रिवेदी मानस मंडल वरिष्ठ सदस्य, राम सहाय मिश्रा, कीर्ति प्रसाद द्विवेदी संस्थान के अध्यक्ष प्रतीक मिश्रा, सहित संस्थान के संरक्षक पदाधिकारी राम शिरोमणि शुक्ला, रमाकांत शुक्ला ,चंद्रमणि प्रसाद पांडे, प्रेमलाल शुक्ला, अंबिका प्रसाद द्विवेदी, अनिल त्रिवेदी ,हरि प्रकाश शुक्ला रामचरित द्विवेदी गोपीका प्रसाद द्विवेदी धीरेन्द्र द्विवेदी आदि ने शाम 4:30 पहुंच कर श्री रामचरितमानस मास परायण16 में दिन का प्रसंग चित्रकूट में राम - भरत मिलाप का सुंदर अर्थ सहित श्रवण किया गया। मासिक अनुष्ठान का वाचन अर्थ सहित मानस मंडल के प्रचार सचिव शिव शंकर दीक्षित द्वारा प्रतिदिन शाम 5:00 बजे से रात 8:00 बजे तक किया जाता है। इसके बाद आरती कीर्तन के साथ प्रसाद वितरण एवं कार्यक्रम का समापन होता है। समापन दिवस 5 जुलाई को यज्ञ एवं विशाल भंडारा का भी आयोजन किया गया है। रीवा के सभी भक्तजनों से इस कार्यक्रम में पहुंचकर पुण्य लाभ लेने की अपील की गई। चर्चा में यह भी निर्णय लिया गया कि शीघ्र ही यहां किसी सुप्रसिद्ध कथा वाचक को आमंत्रित कर दिव्य पंच दिवसीय राम कथा का एक वृहद आयोजन कराया जाए।

# साइबर ठगों से सावधान रहें किसान, एडवायजरी जारी

**रीवा।** किसानों के कल्याण और कृषि विकास की हितग्राही मूलक योजनाओं के नाम पर सायबर ठगों से सावधान करने के लिये कृषि अभियांत्रिकी द्वारा एडवायजरी जारी की गई है। संचालक अभियांत्रिकी ने बताया कि कस्टम हायरिंग सेंटर योजना का लाभ दिलाने के नाम पर स्वयं को विभागीय अधिकारी के रूप में अपना परिचय देकर सायबर ठगी करते हैं। ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषक हितग्राही योजनाओं के अंतर्गत कस्टम हायरिंग योजना की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी है। इस प्रक्रिया में किसी भी हितग्राही से योजना संबंधी संपर्क नहीं किया जाता है। संचालक कृषि अभियांत्रिकी ने हितग्राहियों से अपेक्षा की है कि वे अनजान नंबरों से आने वाले कॉल, वॉट्सऐप कॉल, वीडियो कॉल, अन्य सोशल मीडिया से प्राप्त होने वाले कॉल नबंर जिनमें मुख्यतः 07056847570, 07088438459, 0756847570, 9520711020 हो तो उन्हें बिल्कुल भी न उठायें। अनजान व्यक्तियों पर विश्वास न करें, उनसे किसी भी प्रकार की सूचना व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। वह आपकी जानकारी अन्य माध्यम से प्राप्त कर आपको परेशान कर सकते हैं। यदि कोई व्यक्ति स्वयं को विभागीय अधिकारी बताकर/विभागीय अधिकारी के नाम से भी आपसे बात करे तो एकदम से उसकी बात पर विश्वास न करें। आपके साथ कोई सायबर अपराध घटित होता है तो उसकी शिकायत अपने नजदीकी पुलिस थाने में या डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट सायबर क्राइम डॉट इन अथवा सायबर हेल्पलाइन के टोल फ्री नम्बर 1930 पर अवश्य करें।

# बाणसागर सोन पुल पर टू-व्हीलर और पैदल यात्रियों को राहत, 22 जून को खुला आवागमन

## जागा प्रशासन, टूटा सन्नाटा दैनिक जागरण की जन आवाज बनी संजीवनी

**बाणसागर देवलौद।** सोन नदी पर बना बाणसागर पुल जब क्षतिग्रस्त हुआ, तो मानो लोगों की ज़िंदगी की रफ्तार ही थम गई थी। पुल के दोनों ओर मिट्टी और गिट्टी के सात-सात फीट ऊँचे ढेर से आवागमन पूरी तरह रोक दिया गया था। यह रोक सिर्फ रास्तों पर नहीं, बल्कि आमजन के दैनिक जीवन पर भी भारी पड़ने लगी थी।ऐसे समय में *दैनिक जागरण* आम लोगों की आवाज़ बनकर सामने आया। जब सड़क निर्माण विभाग और सेतु निर्माण में लगी कंपनी की लापरवाही सामने आई, तो दैनिक जागरण ने उनकी कार्यशैली को उजागर किया। लगातार खबरों और जनहित के मुद्दों को उठाने से प्रशासनिक नींद टूटी और कार्रवाई की शुरुआत हुई।

### धीरे-धीरे मरम्मत, लेकिन रफ्तार गायब

पुल की मरम्मत के नाम पर कुछ छड़ों का जाल बिछाया गया और कांक्रीट का काम शुरू किया गया, लेकिन कार्य की गति इतनी धीमी थी कि एक-दो श्रमिक ही समय काटते नज़र आए। इस दौरान समधिन, बुढ़वा, और कुबरी मार्ग पर भारी जाम लगने लगा। पांच-पांच घंटे की जाम की स्थिति ने आखिरकार प्रशासन को सक्रिय कर दिया।

### 22 जून को यातायात व्यवस्था बेहतर, जाम से राहत

आज, 22 जून को समधिन-बुढ़वा-कुबरी मार्ग पर कहीं भी जाम नहीं देखने को मिला। यह प्रशासन की सजगता और यातायात व्यवस्था के सुधार का नतीजा था, जिसने स्थानीय लोगों को बड़ी राहत दी।

### पुल पर जान जोखिम में डालकर लोग कर रहे थे पार

पुल की मरम्मत के दौरान सुरक्षा के कोई ठोस इंतज़ाम नहीं थे। बावजूद इसके, लोग जान जोखिम में डालकर पुल पार कर रहे थे। जब स्थिति असहनीय होने लगी, तब दैनिक जागरण की खबरों ने फिर असर दिखाया। पहले जहां पुल को दो सप्ताह बाद खोलने की बात कही जा रही थी, वहीं अब पैदल और दोपहिया वाहनों के लिए इसे खोल दिया गया है।

### स्थानीय लोगों की मांग निगरानी और समीक्षा जरूरी

पुल पर दोबारा आवागमन शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। लेकिन स्थानीय नागरिकों की यह भी मांग है कि पुल मरम्मत के कार्य की प्रगति रिपोर्ट ली जाए, निर्माण की गुणवत्ता पर निगरानी रखी जाए और हर चरण की समय-समय पर समीक्षा हो।

### निष्कर्ष

दैनिक जागरण की सक्रिय भूमिका ने यह साबित कर दिया कि मीडिया जब जनहित में आवाज़ उठाता है, तो व्यवस्था को जागना ही पड़ता है। अब ज़रूरत है कि मरम्मत कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा हो, ताकि आमजन को स्थायी समाधान मिल सके।

# समाज सेविका सुमित्रा सिंह का निधन

**रीवा ।** आयुष्मान हॉस्पिटल में ब्रेन स्ट्रोक के कारण भर्ती इंजीनियर दिवाकर सिंह की धर्मपत्नी सुमित्रा सिंह का शनिवार सुबह 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मुंबई के कोकिला बेन एम्स हॉस्पिटल और दिल्ली के विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में लंबी चिकित्सकीय प्रक्रिया के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। सुमित्रा सिंह न सिर्फ एक व्यवहारिक और दयालु महिला थीं, बल्कि उन्होंने जीवनभर संघर्ष करते हुए अपने पति दिवाकर सिंह के साथ राजनैतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। उनका जीवन संघर्षशीलता, समर्पण और सेवा भावना का उदाहरण रहा। उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज के संगम तट पर विधिवत रूप से किया गया, जिसमें दिवाकर सिंह द्वारा सभी कर्मकांड संपन्न किए गए। उनके निधन पर रीवा सहित कई क्षेत्रों में शोक की लहर है। शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में रीवा सांसद जनार्दन मिश्र, नरेश प्रताप सिंह, डॉ. नागेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह बघेल, एल.एम. सिंह, अमरेश प्रताप सिंह (संयुक्त संचालक कृषि), संतोष सिंह, कृष्णा सिंह, विभूति नारायण सिंह, सुरेन्द्र तिवारी, संध्या सिंह, अर्चना सिंह, रामलोचन पाण्डेय, विजय सिंह (सीधी), अमिनेष त्रिपाठी, सुरेश त्रिपाठी, साधना सिंह, प्रभा सिंह बघेल, सूर्यपाल सिंह (सीधी) सहित परिवारजन एवं गणमान्यजन शामिल रहे।

# रीवा बायपास का विस्तार होने के बाद आठ लेन की मिलेगी सड़क : उप मुख्यमंत्री

## बायपास और रिंगरोड का निर्माण तय समय सीमा में पूरा कराएं

**रीवा।** उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस नवीन भवन के सभागार में आयोजित बैठक में रीवा बायपास के विस्तार कार्य तथा रिंगरोड निर्माण की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा बायपास का निर्माण पूरा होने के बाद फोरलेन की मुख्य सड़क के साथ दोनों ओर दो-दो लेन की सर्विस रोड की सुविधा मिलेगी। इस बायपास से आठ लेन की सड़क से आवागमन होगा। वर्तमान सड़क को चौड़ा करने के लिए तेजी से कार्य पूरा करें। बिजली, पोल तथा पेयजल की पाइपलाइन की शिफ्टिंग तत्काल कराएं। नवम्बर माह तक बीहर नदी में ब्रिज और नहर में ब्रिज का कार्य पूरा कराएं। रेलवे ओवर ब्रिज का भी काम तेजी से पूरा कराएं। सभी निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करें। आयुक्त नगर निगम पेयजल की पाइपलाइन की शिफ्टिंग तथा अवैध कब्जे को हटाने की कार्यवाही करें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बेला से सिलपरा रिंग रोड बहुत महत्वपूर्ण सड़क है। इसके अधिकांश भाग का कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्यों को दिसम्बर माह तक पूरा कराएं। इसके अधूरे अण्डरपास तथा पुलों का निर्माण तेजी से पूरा करें। रीवा-सीधी हाइवे के शेष भाग को फोरलेन बनाने का कार्य तत्काल शुरू कराएं। बैठक में एनएचआई के प्रतिनिधि ने बताया कि रीवा से मोहनिया टनल तक फोरलेन निर्माण के लिए टेण्डर की प्रक्रिया जारी है। इसी तरह सोन नदी पर मेजर ब्रिज के साथ सर्रा से सीधी तक फोरलेन निर्माण के लिए 430 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। इसमें वन विभाग की अनुमति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। बैठक में अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संभागीय प्रबंधक एमपीआरडीसी तथा निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

## लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट ( एजेंट आमंत्रित ) संपर्क - 8962086944

### रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन में टिकट चेकिंग के नाम पर वसूली कर रहा था फर्जी टीटी

**रीवा।** रीवा स्टेशन से भोपाल के लिए चलने वाली रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन में बीती रात एक फर्जी टीटी को यात्रियों की टिकट चेकिंग के बाद वसूली करते पकड़ा गया। ट्रेन की जनरल बोगी में टीटी नशे की हालत में वसूली कर रहा था। यात्रियों को शंका हुई तो उन्होंने जीआरपी को सूचना दी, जिसके बाद युवक को कटनी जीआरपी के हवाले कर दिया गया। इस पूरे मामले को लेकर ट्रेन में यात्रा कर रहे रीवा के हरिहरपुर निवासी अभिषेक तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि वह बीती रात रेवांचल एक्सप्रेस की जनरल बोगी में बैठकर भोपाल जा रहे थे। इसी दौरान कटनी से एक युवक बोगी में आया जिसने फर्जी आईडी कार्ड दिखाते हुए अपने को टीटी बताया और यात्रियों की टिकट चेक करने लगा। अभिषेक ने बताया कि पकड़ा गया युवक नशे की हालत में था और लोगों से टिकट न होने की एवज में पैसे वसूल रहा था, जिसे संदेह होने पर पकड़ लिया गया और युवक से पूछताछ शुरू की गई तो वह घबरा गया। इसी दौरान ट्रेन में मौजूद जीआरपी को बुलाकर युवक को सुपुर्द कर दिया गया। अभिषेक तिवारी ने बताया कि पकड़ा गया युवक अपने को टीटी बता रहा था और फर्जी आईडी कार्ड भी लिए हुए था। युवक के पास से कई यात्रियों से लिए गए रुपए भी जब्त किए गए, जिन्हें यात्रियों को लौट दिए गए हैं।

## आम सूचना

सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मौजा गुढ़वा तह. गुढ़ जिला रीवा म.प्र. की आ.न. 12/3/1 रकवा 0.4050 का जुज बिक्रीत रकवा 0.1210 हे. यानी 0.30 डिसमिल का विक्रय पत्र क्र. 3456 दिनांक 28.10.2005 को भूमि स्वामी सुखरजुआ त्रिपाठी पति धनेश्वर प्रसादल त्रिपाठी निवासी गुढ़वा तह. गुढ़ जिला रीवा म.प्र. द्वारा संजय कुमार त्रिपाठी पिता शिवबहोर त्रिपाठी सा. गुढ़ तह. गुढ़ जिला रीवा म.प्र. के पक्ष में निष्पादन विक्रेता द्वारा करा दिया गया किन्तु क्रेता द्वारा उक्त विक्रीत आराजी की स्तलाबी (दाखिल खारिज) अर्थात नामान्तरण समय पर न करा पाने के कारण उक्त आराजी विक्रेता के मृत्यु के पश्चात विक्रेता के वैध वारसानों भैयालाल त्रिपाठी, रामनरेश त्रिपाठी, राजेन्द्र त्रिपाठी पिता स्व. श्री धनेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, अनूप त्रिपाठी वगै. पिता भोला प्रसाद त्रिपाठी सा. गुढ़वा तह. गुढ़ जिला रीवा म.प्र. के नाम वारसाना नामान्तरण हो गया था तथा वारसानों द्वारा उक्त आराजी का आपस में हिस्सा बटवारा कर लिया तथा उक्त विक्रीत आराजी क्र. 12/3 में बटांकन नं. 12/3/1/1, 12/3/1/2, 12/3/1/3, व 12/3/1/4 खसरा में दर्ज हो गया। अब भूमि स्वामियों द्वारा मौजा गुढ़वा की आ.न. 12/3/1/1, 12/3/1/2, 12/3/1/3, 12/3/1/4 को चोरी छिपे विक्रय के फिराक में है उक्त बटांकित आराजी पूर्व में संजय कुमार त्रिपाठी को विक्रित हो चुकी है। उक्त आराजी को कोई भी व्यक्ति ना खरीदे उक्त आराजी के नामान्तरण की कार्यवाही न्यायालय में विचाराधीन है अगर उक्त वर्णित आराजी किसी के द्वारा क्रय की जाती है तो उसकी जिम्मेदारी क्रेता व विक्रेता की होगी जिसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

भवदीय
संजय त्रिपाठी
निवासी-ग्राम गुढ़, तह. गुढ़
जिला-रीवा (म.प्र.)
मो.: 9755144243

RN-82262

## कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज (म0प्र0)

निविदा सूचना क्रं0 05 /ब0ले0लि0/का0यं0/लो0स्वा0यॉ0/2025-26 मऊगंज, दिनांक 18.06.2025

### ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना

(1) निम्नलिखित कार्यों हेतु **ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑन लाइन निविदायें** एपेन्डिक्स 2.10 में प्रतिशत दर पर प्रमुख अभियन्ता, लोक स्वास्थ्य यॉत्रिकी विभाग, भोपाल की नलकूपों के खनन एवं अन्य कार्य से संबंधित दिनांक 03.07.2018 से प्रभावशील एकीकृत दर सूची एवं निविदा सूचना जारी होने के दिनांक तक किए गए समस्त संशोधनों के आधार पर केन्द्रीयकृत नवीन पंजीयन के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा ऑन लाइन टेण्डर प्रक्रिया के तहत आमंत्रित की जाती है।

ऑन लाइन निविदा पब्लिशिंग का दिनांक 20.06.2025 डाक्यूमेन्ट डाउन लोड/टेण्डर फार्म क्रय प्रारम्भ तिथि 20.06.2025 टेण्डर फार्म क्रय की अंतिम तिथि 07.07.2025 बिड सबमिशन प्रारम्भ का दिनांक 20.06.2025 एवं बिड सबमिशन का अंतिम तिथि 07.07.2025 को सायं 5.30 बजे तक निर्धारित हैं। Manadatory 'A' & Financial bid Open का दिनांक 09.07.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे निर्धारित है।

(2) उक्त निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय बेवसाइट **(http//www.mptenders.gov.in)** पर प्रदर्शित है।

(3) निविदाएँ, निर्धारित तिथि दिनांक 09.07.2025 को खोली जावेंगी।

(4) कार्य का विवरण :-
**लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड मऊगंज अन्तर्गत विभिन्न विकासखण्डों के विभिन्न ग्रामों में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ट्यूबवेल पर आधारित रेट्रोफिटेड पाइप जलापूर्ति का निर्माण, निष्पादन, आर.सी.सी. टंकी (OHT) का निर्माण, सम्पवेल, सबमर्सिवल मोटर पंप की स्थापना, 90 दिवस के ट्रायल रन एवं कमिशनिंग आदि समस्त कार्य सामग्री एवं लेबर सहित।**

| ई- टेण्डर नं0 | योजना का नाम | विकास खण्ड | कार्य की अनु0 लागत (रू0 लाख में) | प्रतिभूति राशि रू0 में | निविदा प्रपत्र का मूल्य | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 2025_PHED_431629_1 | रमनगरी, गढ़रा, पहाड़ी, बिरहा प्रयागदत्त, चौहना नं0-1 एवं भुअरी | हनुमना | 300.18 | 300180.00 | 15000.00 | 09 माह (वर्षा ऋतु सहित) |
| 2025_PHED_431631_1 | सरई सेंगर, सरई कृष्णकुमार, पलिया त्रिवेणी सिंह, पलिया दुवान, नौढ़िया पहलाद, घघरी, शिवपुर नेबूहा, पटपरा, पनिंगवा, सूजी एवं रामपुर | मऊगंज | 393.55 | 393550.00 | 15000.00 | 09 माह (वर्षा ऋतु सहित) |

निविदा सूचना से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी विभागीय वेवसाइट (http//www.mptenders.gov.in) पर प्रदर्शित है।

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड,
मऊगंज जिला मऊगंज (म.प्र.)

जी-14677/25

## कार्यालय कलेक्टर जिला-रीवा एवं पदेन अपर सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग जिला रीवा (म0प्र0)

"धारा-25"

रीवा, दिनांक :- 06.06.2025

प्रकरण क्रमांक 0002/अ-82/24-25 भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग रीवा अंतर्गत बरेती खुर्द से उसकी मार्ग में सुकाढ़ नदी (केरहाघाट) पर जलमग्नीय पुल एवं पहुँचमार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्राम-उसकी, तहसील-जवा स्थित भूमि के अर्जन अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख 20.10.2023 से एक वर्ष की अवधि में विधानसभा निर्वाचन एवं लोकसभा निर्वाचन के कारण भू-अर्जन की कार्यवाही पूर्ण नहीं की जा सकी। अतः अधिनियम की धारा 25 (2) के तहत घोशित किया जाता है कि निम्न अनुसूची के कंडिका क्रमांक, (4) में वर्णित भूमि कंडिका क्रमांक, (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये अपेक्षित है, जिनकी भू-अर्जन की कार्यवाही पूर्ण कर अधिनिर्णय करने हेतु 12 मास की अवधि बढ़ाई जाती है :-

### अनुसूची

| भूमि का वर्णन | | | | | धारा 12 अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी | सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जिला | तहसील | ग्राम | कुल अर्जित निजी भूमि क्षेत्रफल हेक्टेयर में: खसरा नं. | रकवा | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 7 | 8 |
| रीवा | जवा | उसकी | 167 | 0.064 | कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा (म.प्र.) | रीवा जिले के बरेती खुर्द से उसकी मार्ग में सुकाढ़ नदी (केरहाघाट) पर जलमग्नीय पुल एवं पहुँचमार्ग निर्माण कार्य। |
| | | | 169 | 0.030 | | |
| | | | 162/1 | 0.064 | | |
| | | | 162/2 | 0.064 | | |
| | | | कुल | 0.222 | | |

1. भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, जवा में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
सेतु संभाग रीवा (म.प्र.)

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
तहसील जवा, जिला रीवा (म0प्र0)

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर एवं पदेन अपर सचिव
जिला रीवा (म.प्र.)

जी-14691/25

## कार्यालय कलेक्टर जिला-रीवा एवं पदेन अपर सचिव म.प्र. शासन राजस्व विभाग जिला रीवा (म0प्र0)

"धारा-25"

रीवा, दिनांक :- 06-06-2025

प्रकरण क्रमांक 0003/अ-82/24-25 भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण उपसंभाग रीवा अंतर्गत बरेती खुर्द से उसकी मार्ग में सुकाढ़ नदी (केरहाघाट) पर जलमग्नीय पुल एवं पहुँचमार्ग निर्माण कार्य हेतु ग्राम-बरेती खुर्द, तहसील-जवा स्थित भूमि के अर्जन अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख 27.10.2023 से एक वर्ष की अवधि में विधानसभा निर्वाचन एवं लोकसभा निर्वाचन के कारण भू-अर्जन की कार्यवाही पूर्ण नहीं की जा सकी। अतः अधिनियम की धारा 25 (2) के तहत घोषित किया जाता है कि निम्न अनुसूची के कंडिका क्रमांक (4) में वर्णित भूमि कंडिका क्रमांक (6) में वर्णित लोक प्रयोजन के लिये अपेक्षित है, जिनकी भू-अर्जन की कार्यवाही पूर्ण कर अधिनिर्णय करने हेतु 12 मास की अवधि बढ़ाई जाती है :-

### अनुसूची

| भूमि का वर्णन | | | | | धारा 12 अंतर्गत प्राधिकृत अधिकारी | सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन |
|---|---|---|---|---|---|---|
| जिला | तहसील | ग्राम | कुल अर्जित निजी भूमि क्षेत्रफल हेक्टेयर में: खसरा नं. | रकवा | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 7 | 8 |
| रीवा | जवा | बरेती खुर्द | 739/1 | 0.044 | कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग रीवा (म.प्र.) | रीवा जिले के बरेती खुर्द से उसकी मार्ग में सुकाढ़ नदी (केरहाघाट) पर जलमग्नीय पुल एवं पहुँचमार्ग निर्माण कार्य। |
| | | | 737(S) | 0.019 | | |
| | | | 736/1 | 0.072 | | |
| | | | 734 (S) | 0.010 | | |
| | | | कुल | 0.145 | | |

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी, जवा में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग
सेतु संभाग रीवा (म.प्र.)

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
एवं भू-अर्जन अधिकारी
तहसील जवा, जिला रीवा (म0प्र0)

(प्रतिभा पाल)
कलेक्टर एवं पदेन अपर सचिव
जिला रीवा (म.प्र.)

जी-14646/25

# सर्दी-जुखाम, खांसी, वायरल का तेजी से फैला प्रकोप

जागरण स्वास्थ्य

## बारिश से हल्की ठंडक आने से मौसम में हुआ बदलाव

## जिला अस्पताल के ओपीडी में 5 सौ के ऊपर पहुंचे मरीज

जागरण, सीधी

बदलते हुए मौसम में पहले उमस वाली गर्मी के बाद हो रही बारिश से हल्की ठंडक आने के बाद मौसम के बदलाव के चलते सर्दी-जुखाम, खांसी और वायरल फीवर का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। जिसके चलते सैकड़ों की संख्या में मरीज डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं। खासतौर पर जिला अस्पताल के ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या 300 के ऊपर तक पहुंच गई है। जिसमें सर्दी-जुखाम, खांसी, बुखार और वायरल के साथ-साथ पेट में इन्फेक्शन वाले मरीज ज्यादातर इलाज कराने के लिए पहुंच रहे हैं। जानकारी के अनुसार पहले जहां आधा सैकड़ा मरीज मेडिसिन की ओपीडी में पहुंचा करते थे अब उनकी संख्या भी बढकर पांच सैकड़ा के करीब पहुंच चुकी है। जिसके चलते लोगों में वायरल फीवर तेजी से फैल रहा है। चर्चा के दौरान कुछ चिकित्सकों का कहना था कि बदलते मौसम को देखते हुए बाहर के खान-पान के कारण ही लोगों में वायरल फीवर के साथ-साथ पेट में इन्फेक्शन जैसी बीमारी सामने आ रही है। ऐसे में कुछ दिनों तक लोगों को बाहर के खान-पान से परहेज करना चाहिए। जिससे बीमारी का खतरा न रहे। अब हालात सीधी जिले में ऐसे बन रहे हैं कि बारिश के बाद डेगू का खतरा भी बढ़ रहा है। बरसात का दौर चल रहा है ऐसे में अपने घरों के आसपास पानी का जमाव न होने दें। घर के बाहर मौजूद ऐसी सामग्री जिसमें बरसात के पानी का जमाव होता है उसको नष्ट कर दें अन्यथा इसी जमे पानी में डेगू मच्छर के लार्वा तेजी से पनपेंगे और बुखार के मरीजों को डेगू का खतरा भी बढ़ जाएगा। जिले में बदलते मौसम के चलते वायरल फीवर का प्रकोप लगातार बरप रहा है। स्थिति यह है कि हर दूसरा व्यक्ति सर्दी, जुखाम से पीड़ित है। जिन व्यक्तियों की रोग प्रतिरोधात्मक शक्ति मजबूत है वह तो बदलते मौसम को झेल लेते हैं। वहीं जो व्यक्ति शारीरिक रूप से इतना मजबूत नहीं होता वह वायरल फीवर की प्रकोप में आसानी से आ जाता है। घर में एक व्यक्ति के वायरल फीवर से पीड़ित होने के बाद अन्य सदस्य भी इसकी चपेट में आसानी से आ जाते हैं। स्थिति यह है कि शासकीय अस्पतालों में आम व्यक्ति के बीमार होने के बाद सही उपचार सुविधा नहीं मिल पाती। लिहाजा उन्हे प्रायवेट चिकित्सा का सहारा लेना पड़ता है।

### शासकीय डॉक्टर बंगले में मरीजों को देखने में व्यस्त

जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पदस्थ डॉक्टरों की स्थिति यह है कि वह ओपीडी में काफी कम समय देते हैं। ओपीडी में औपचारिकता निभाने के बाद ऐसे डॉक्टर मरीजों को देखने के लिए अपने बंगले में पहुंच जाते हैं। डॉक्टर अपने बंगले में ही मरीज का सही उपचार सुनिश्चित करते हैं। अब यह प्रचलन बढ़ गया है कि शासकीय डॉक्टर भी अपने खास पैथालॉजी सेंटर से जांच कराने के लिए भेजते हैं। यदि उनसे संबंधित सेंटर से पैथालॉजी जांच न कराई जाए तो उसे मान्य भी नहीं किया जाता। इसी तरह डॉक्टरों द्वारा अपने संबंधित मेडिकल स्टोरों से दवाओं को लिए भी भेजा जाता है। जितने डॉक्टर हैं उनकी पसंद भी दवाओं को लेकर अलग-अलग होने से पर्चों में लिखी दवाएं अन्य मेडिकल स्टोरों से मिलने में भी दिक्कतें बनी है। उधर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों की हालत यह है कि यहां पदस्थ स्वास्थ्य कर्मी ही नदारत रहते हैं। कई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डॉक्टर नहीं हैं और जहां पदस्थ भी हैं वह मनमौजी ड्यूटी कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की हालत यह है कि यह केवल कर्मचारियों की मनमौजी ड्यूटी करने का साधन मात्र है। यहां से मरीजों को समुचित उपचार सुविधा मिल जाए यह संभव नहीं है। इसी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उप स्वास्थ्य केन्द्रों से मरीजों का मोह पूरी तरह से भंग हो चुका है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तो झोलाछाप डाक्टरों से इलाज कराने के लिए मरीज मजबूर हो चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य केन्द्रों के खुलने के बाद भी उनमें प्राथमिक चिकित्सा तक की सुविधा नहीं मिल पाती। कई स्वास्थ्य केन्द्रों में डाक्टर नहीं हैं तो कुछ में कम्पाउंडर एवं एएनएम के सहारे ही उपचार की व्यवस्था बनाई गई है। यहां के स्वास्थ्य केन्द्रों में जाने पर सभी मर्जों के लिए एक ही दवा देने की व्यवस्था लागू है। उक्त दवा से मरीजों को कोई राहत न मिलने पर वह झोलाछाप डाक्टरों से ही प्राथमिक उपचार कराते हैं। यदि राहत नहीं मिली तो उन्हे शहर की ओर उपचार कराने के लिए आना पड़ता है। शहरी क्षेत्र की स्थिति यह है कि किसी भी मर्ज से पीड़ित व्यक्ति के प्रायवेट चिकित्सको के पास जाने पर उन्हे एक से दो हजार रूपये की पैथालॉजी जांच कराना अनिवार्य है। इसके बाद ही प्रायवेट चिकित्सको द्वारा मरीज को दवाई लिखी जाती है। चर्चा के दौरान कई मरीजों ने बताया कि उन्हे सामान्य बुखार एवं सर्दी, जुखाम होने के बाद भी प्रायवेट उपचार कराने पर दो हजार रूपये तक का पैथालॉजी जांच एवं डॉक्टर की फीस एवं दवा मिलाकर करीब पांच हजार रूपये का खर्च बैठ रहा है। इसी वजह से आर्थिक रूप से कमजोर लोग यह प्रयास करते हैं कि शासकीय अस्पताल में उपचार की सुविधा मिल जाए।

# शहर में दुकान बंदी का दिखा असर, अधिकांश दुकानें रहीं बंद

## रविवार को अवकाश मनाने के पक्ष में दिखे व्यवसायी

जागरण, सीधी

व्यापारी संघ सीधी की रविवार को दुकान बंदी का असर आज देखा गया। व्यापारी संघ द्वारा दुकान बंदी को लेकर दूसरी बार व्यवसायियों की बैठक आहूत की गई थी। जिसमें व्यापारियों ने रविवार दुकान बंदी का समर्थन किया था। आज दूसरी मर्तबा रविवार को शहर की 90 फीसदी से ज्यादा दुकानें बंद रहीं। कुछ छोटे एवं सीजनल व्यवसायियों द्वारा दुकानें खोली गई थी। बाजार में पूरी तरह से सन्नाटा सुबह से पसरा रहा। बाजार में ग्राहकों की उपस्थिति न के बराबर थी। इसी वजह से जो दुकानें खुली भी थीं उनका व्यवसाय मंदा रहा। दरअसल व्यापारी संघ अध्यक्ष लालचंद गुप्ता द्वारा दुकान बंदी की अपील पर अधिकांश व्यापारियों ने इसके महत्व को समझा और समर्थन करते हुए रविवार को अपनी दुकानों को बंद रखा। व्यापारी संघ द्वारा दुकान बंदी को पूरी तरह से स्वेच्छिक किया गया था। साथ ही दूसरी बार आयोजित बैठक में स्पष्ट कर दिया गया था कि दुकान बंदी अपनी स्वेच्छा से व्ययवसायी करें। व्यापारी अपनी स्वेच्छा से रविवार अवकाश लेकर अपना समय अपने घर-परिवार और समाज के अन्य कार्यों के लिए निकालें। व्यापारियों को एक दिन का समय सप्ताह में अपने और परिवार के लिए रखना चाहिए। जिससे वह स्वास्थ्य लाभ के साथ ही अन्य आवश्यक कार्यों को आशानी के साथ कर सकें। व्यापारी संघ अध्यक्ष की मंशा को अधिकांश व्यापारियों ने समझा और इसका पूरा समर्थन किया था। आज दूसरे रविवार को इसी वजह से अधिकांश व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानों को बंद रखा। रविवार को दुकान बंदी रहने की जानकारी पूर्व से ही लोगों को होने के कारण बाजार में ग्राहकों की उपस्थिति नगण्य रही। यह जरूर है कि अपने रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की खरीदी के लिए लोग अपने घरों के आसपास छोटी दुकानों से खरीदी किए। बाजार में दुकानों के बंद रहने के कारण सड़कों में भी सन्नाटा पसरा रहा। जो सड़कें अन्य दिनों भीड़ से खचाखच भरी रहती थी आज सूनसान नजर आई।

# मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग का जिले में भ्रमण

## आयोग की सदस्य श्रीमती पवार ने किया अरूणोदय सेवा संस्था बाल गृह पड़रा का निरीक्षण

जागरण, सीधी

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग भोपाल की सदस्य श्रीमती मेघा पवार का दिनांक 21 जून से 24 जून 2025 तक जिला-सीधी एव सिंगरौली का पूर्व से नियत भ्रमण कार्यक्रम अंतर्गत जिला सीधी में आगमन हुआ है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी प्रवेश मिश्रा द्वारा बताया गया कि बाल आयोग की सदस्य श्रीमती मेघा पवार का जिले में विभिन्न शासकीय/अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों, छात्रावासों एवं बच्चों से संबंधित संस्थाओं के निरीक्षण सहित बच्चों के हित में कार्य करने वाले विभिन्न विभागों यथा महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, श्रम विभाग, सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस आदि के साथ बाल संरक्षण के मुद्दे पर जिला स्तरीय समन्वयक बैठक 24 जून 2025 को नियत है। सदस्य श्रीमती मेघा पवार द्वारा 22 जून 2025 को अरूणोदय सेवा संस्था बाल गृह पड़रा जिला-सीधी का औचक निरीक्षण किया गया। संस्था में देख रेख व आवश्यकता बाले बच्चों हेतु उपलब्ध आवासीय सुविधा का अवलोकन किया गया। निवासरत बच्चों से बात कर संस्था में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई। श्रीमती पवार द्वारा संस्था में उपलब्ध सुविधाओं का संतोष व्यक्त करते हुए संस्था में निवासरत बच्चों के व्यक्तिगत देख रेख योजना अनुसार पुनर्वास किये जाने एवं विद्यालय में प्रवेश दिलाये जाने का निर्देश दिया गया। बाल गृह के निरीक्षण के दौरान अनुराग पाण्डेय परिवीक्षा अधिकारी महिला एवं बाल विकास सीधी, बालगृह की अधीक्षक निर्मला सिंह एवं अन्य कर्मचारी उपस्थिति रहे।

# श्री विधि से धान की रोपाई किसानों के लिये वरदान

**जागरण, सीधी।** जिले में काफी बड़े क्षेत्र में धान की खेती की जाती है। अधिकतर किसान रोपा विधि से धान लगाते हैं। इसकी तुलना में मेडागास्कर विधि जिसे एसआरआई श्री विधि कहा जाता है, से धान लगाना अधिक लाभकारी है। इसमें कम पानी, कम बीज और बिना खरपतवार के धान का अच्छा उत्पादन होता है। परम्परागत विधि से किसान को प्रति हेक्टेयर 20 से 25 क्विंटल धान की उपज मिलती है। इसकी तुलना में श्री विधि से धान लगाने पर प्रति हेक्टेयर 35 से 50 क्विंटल धान का उत्पादन होता है। उप संचालक कृषि ने किसानों से धान रोपण के लिये श्री विधि अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों के लिये वरदान है। उप संचालक ने बताया कि श्री विधि से प्रति हेक्टेयर केवल 6 से 8 किलो बीज की जरूरत होती है। इसे विशेष तरह की प्लेट अथवा पॉलीथीन में नर्सरी लगाकर तैयार किया जाता है। इसमें भुरभुरी मिट्टी तथा राख का होना आवश्यक है। इसके लिये 10 मीटर लम्बी तथा 5 से.मी. ऊंची क्यारी बनायें। इसमें 50 किलो नाडेप अथवा गोबर की खाद मिलाकर बीजों की बोनी करें। बोनी से पहले बीजों को थाईरम दवा से उपचारित करें। प्रत्येक क्यारी में 120 ग्राम बीज की बोनी करें। इन्हें ढंककर हल्की सिंचाई करें। धान रोपित करने के लिये खेत को गहरी जुताई करके उसके खरपतवार नष्ट करें। खेत में पर्याप्त पानी देकर रोपाई के लिये खेत तैयार करें।

# नि:शुल्क राशन हेतु ई-केवाईसी की अंतिम तिथि 30 जून

**जागरण, सीधी।** जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि समस्त पात्र हितग्राहियों के ई-केवाइसी किए जाकर दोहरे, अपात्र, साईलेन्ट राशनकार्डों का पोर्टल से विलोपन करने निर्देशित किया गया है। इसके अतिरिक्त समय-सीमा में समस्त पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी न होने पर ई-केवाईसी शेष रहने वाले हितग्राहियों को वितरित खाद्यान्न पर भारत सरकार द्वारा अनुदान भुगतान पर रोक लगाया जाना संभावित है तथा ऐसे हितग्राहियों को राशन प्रदाय करने में राज्य शासन को अतिरिक्त वित्तीय व्यय भार आना संभावित है। एनएफएसए 2013 अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की ई-केवाईसी कराना राज्य शासन की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विभागीय समीक्षा में भी हितग्राहियों की ई-केवाईसी प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये गये हैं।

# मोहनिया पुलिस चौकी प्रभारी को दी गई विदाई

**जागरण, मोहनिया।** पुलिस चौकी मोहनिया प्रभारी सुनील पाण्डेय के स्थानांतरण पर आज ग्रामीणों द्वारा लिटिल वर्ल्ड पब्लिक स्कूल रीवा-सीधी बाईपास मोहनिया के प्रांगण में भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में मण्डल अध्यक्ष पडखुरी विश्वनाथ पटेल एवं मण्डल अध्यक्ष रजनीश शुक्ला, उपाध्यक्ष चेतमणि सोनी, उमेश मिश्र स्टेनो बाबू सीधी, रामायण प्रसाद पटेल के द्वारा शाल, श्रीफल एवं उपहार देकर भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में उपस्थित वर्तमान पुलिस चौकी प्रभारी चक्रधर प्रजापति को भी शाल, श्रीफल भेंटकर स्वागत किया गया। समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में नवीन द्विवेदी, केमलभान सिंह, सत्येन्द्र पटेल, सुभाष पाण्डेय, संजू सिंह चंदेल, सनत तिवारी, सरपंच मोहनिया, जयकरण रावत, सहायक सचिव नारेन्द्र पटेल, पत्रकार प्रेमलाल साहू, द्वारिका तिवारी, महीप पटेल, छविलाल पाण्डेय, महेश गुप्ता, सुनील पटेल, रामसुमिरन कारपेंटर, जीवनलाल मिश्र, कमलभान पटेल, केशव पटेल, संजीव पटेल पचोखर, अरविंद पटेल, रामनरेश द्विवेदी, संतोष पटेल, वैद्यनाथ पटेल, शेषमणि पटेल, रामाश्रय पटेल, मनोरथ रावत, पुनीत मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

# उचित मूल्य दुकान से 103 क्विंटल खाद्यान्न चोरी

**जागरण, सीधी।** जमोड़ी थाना अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान धनखोरी से बीती रात 103 खाद्यान्न चोरी हो गया। तत्संबंध में सेल्समैन लालबहादुर सिंह ने जमोड़ी थाना में की गई लिखित रिपोर्ट में कहा कि 20 जून को दुकान खोलकर खाद्यान्न का वितरण किया गया। खाद्यान्न वितरण के उपरांत नया खाद्यान्न 103 बोरी चावल रात 8 बजे रखवाया और पुराना स्टाक सहित गिनती कर दुकान बंद करने के पश्चात गृहग्राम खिरखोरी चला गया। अगले दिन 21 जून को जब उचित मूल्य दुकान पहुंचा तो देखा कि दुकान का ताला टूटा है और चावल 84.27 क्विंटल एवं गेंहू 18.73 क्विंटल गायब है। जिसके बाद गांव वालों को बुलाकर जानकारी दी तथा अपने उच्च अधिकारियों को सूचना दी। उधर उचित मूल्य दुकान धनखोरी में फिर से खाद्यान्न चोरी होने को लेकर तरह.तरह की चर्चाएं चल रही हैं। पूर्व में भी उक्त दुकान से खाद्यान्न चोरी हो चुका है।

# रोहित सिंह चौहान को मिली पीएचडी उपाधि

**जागरण, सीधी।** जिले के ग्राम पंचायत बघवारी के मदरहिया निवासी रोहित सिंह चौहान ने पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में पीएचडी की उपाधि हासिल कर ली है। उपभोक्ताओं के व्यवहार परिवर्तन में संचार विधियों के प्रभाव का अध्ययन नेटवर्क मार्केटिंग के संदर्भ में टॉपिक पर इन्होंने अपना ये शोध कार्य, महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश से पूर्ण किया है। इनके अनुसार नेटवर्क मार्केटिंग की संचार विधियों पर ये भारत का पहला रिसर्च है इसीलिए इस शोध कार्य को पूर्ण करने में इन्हें कई कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ा है। इनका मानना है कि बिना मार्गदर्शन और सहयोग के किसी भी कार्य को सफल नहीं बनाया जा सकता है। इस शोध कार्य को सफल करने के लिए इन्होंने ईश्वर को धन्यवाद दिया है। साथ ही साथ अपने माता-पिता रामायण सिंह चौहान, श्रीमती उर्मिला सिंह चौहान, अपने पत्रकारिता के पहले गुरु आरबी सिंह, अपने पूरे परिवार, मार्गदर्शक प्रो. वीरेंद्र कुमार व्यास, डॉ. संजीव गुप्ता, कार्य क्षेत्र से लगातार सहयोग प्रदान कर रहे प्रमुख डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. हेमंत सर, डॉ. रजनीश झा, डॉ. नरेंद्र अरजरिया, डॉ. मनीषकांत जैन समेत कार्य क्षेत्र, पत्रकारिता जगत, शैक्षणिक संस्थान, बड़े, छोटों और मित्रों समेत उन सबका आभार व्यक्त किया है जिन्होंने प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया है।

# प्रदीप सोनी सेंट्रल नोटरी के लिए चयनित

**जागरण, सीधी।** गोपाल दास महाराज आश्रम आध्यात्मिक रामायण मंदिर परिसर में दक्षिण मुखी हनुमान स्वामी के समक्ष 21 जून दिन शनिवार को सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ हुआ। गुरु बजरंग संघ नगर अध्यक्ष रमेश कुमार गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष राजेश सिंह गहरवार, समाजसेवी महेंद्र सराफ, डॉ. रामाश्रय पाल, दीपेंद्र तिवारी, प्रदीप प्रसाद पाठक, ओपी नामदेव, अतुल पाण्डेय, एडवोकेट प्रदीप सोनी, जयदीप सोनी, कीर्तन प्रभारी संत श्याम दास महाराज, राधा कृष्ण मंदिर पुजारी तीरथ दास महाराज, संत उर्मिला बाई सत्य प्रसाद नामदेव आदि की उपस्थिति में एक साथ एक समय एक दिन सामूहिक हनुमान चालीसा अभियान कार्यक्रम संपन्न हुआ। तत्पश्चात एडवोकेट प्रदीप सोनी को भारत सरकार द्वारा सेंट्रल नोटरी पद में चयनित किया गया है जिसकी जानकारी श्री गुरु बजरंग संघ, हनुमान चालीसा ग्रुप को हुई। जहां सभी श्रद्धालु भक्तगण प्रदीप सोनी एडवोकेट का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा करा कर बधाइयां दी एवं खुशी का इजहार किया। प्रदीप सोनी ने बताया कि दक्षिण मुखी हनुमान स्वामी के यहां हमने अर्जी लगाई थी जिसकी सुनवाई हुई और आज हमें उक्त पद में चयनित किया गया है।

# सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य का हुआ स्थानांतरण

**जागरण, सीधी।** सांदीपनि शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सीधी के प्राचार्य सुभाषचंद पटेल का स्थानांतरण सांदीपनि विद्यालय ढेरा के लिए हुआ है। तीन साल के कार्यकाल में विद्यालय की दिशा और दशा पलटने वाले सुभाषचन्द पटेल के पिता का गतवर्ष स्वर्गवास होने के कारण एवं पारिवारिक समस्या के कारण उन्होंने स्वैच्छिक स्थानांतरण ले लिया। श्री पटेल के स्थानांतरण से पूरा विद्यालय परिवार दुखी हैं उनकी कार्यशैली विद्यालय के लिए किए गये उत्कृष्ट कार्य से सभी प्रभावित है उनके अथक प्रयास से विद्यालय का रिजल्ट महज तीन वर्ष में 35 प्रतिशत से 99 प्रतिशत हुआ। प्रदेश स्तरीय प्रेरक प्रयास में विद्यालय का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा एवं जिलास्तरीय कार्यक्रम में विद्यालय का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। उनके द्वारा विद्यालय प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए जिलास्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह 2025 में मंत्री के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया था।

# शासकीय महाविद्यालय खड्डी में मनाया गया योग दिवस

**जागरण, सीधी।** शासकीय महाविद्यालय में प्राचार्य के निर्देशानुसार 11 वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का उद्बोधन लाइव छात्र-छात्राओं एवं अतिथियो को सुनाया गया। तत्पश्चात 45 मिनट तक समस्त स्टाफ एवं छात्राओं द्वारा तथा अतिथियों द्वारा योग किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रदीप शुक्ला सभापति सहकारिता एवं उद्योग जिला पंचायत सीधी व जिला पंचायत सदस्य खड्डी रहे। अध्यक्षता डॉ. राम सुरेश भारती प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय खड्डी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उमेश जायसवाल जनपद सदस्य खड्डी, हीरा सिंह जनपद सदस्य व मंडल अध्यक्ष खड्डी, उर्मिला साकेत जनपद सदस्य, दीप नारायण सिंह वरिष्ठ समाजसेवी, अनिरुद्ध सिंह समाजसेवी रहे। कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक डॉ. अजय सिंह गहरवार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन कीड़ा अधिकारी डॉ. राजकुमार गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. श्रीकांत द्विवेदी, डॉ. पवन वर्मा, प्रिंस मिश्रा, श्रीमती पुष्पा कुमारी व महाविद्यालयीन समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

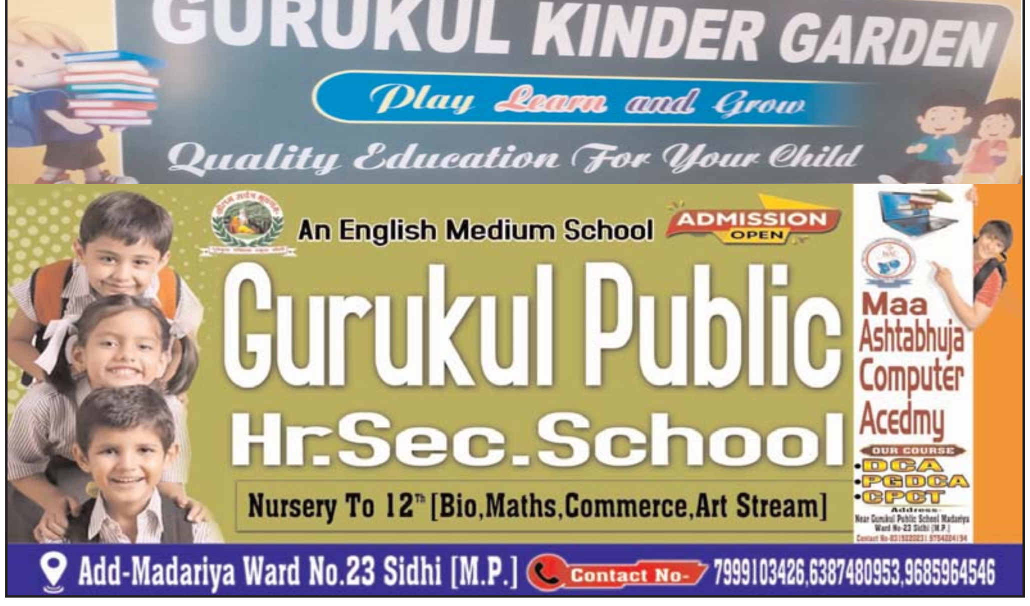

## होटल के बजाए ज्यादा पॉपुलर नया ट्रेंड

# हेरिटेज होमस्टे

संस्कृति की तलाश करने वाले यात्री किस तरह एक नए चलन को आकार दे रहे हैं... हाल के वर्षों में, अधिक से अधिक यात्री सामान्य होटलों के बजाय हेरिटेज होमस्टे में रहना पसंद कर रहे हैं। तो, इस बदलाव का कारण क्या है?

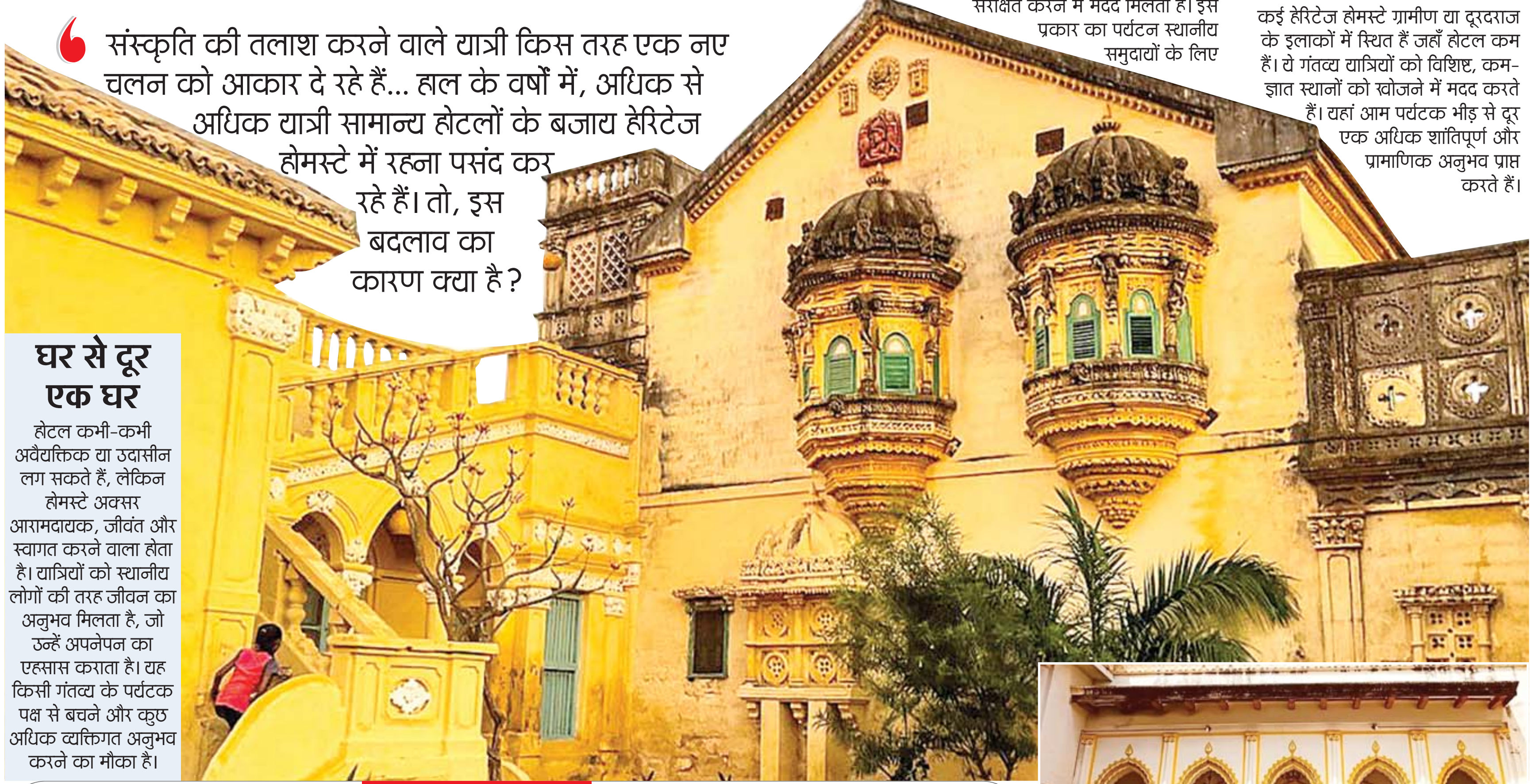

### घर से दूर एक घर

होटल कभी-कभी अवैयक्तिक या उदासीन लग सकते हैं, लेकिन होमस्टे अक्सर आरामदायक, जीवंत और स्वागत करने वाला होता है। यात्रियों को स्थानीय लोगों की तरह जीवन का अनुभव मिलता है, जो उन्हें अपनेपन का एहसास कराता है। यह किसी गंतव्य के पर्यटक पक्ष से बचने और कुछ अधिक व्यक्तिगत अनुभव करने का मौका है।

### बढ़ती लोकप्रियता

आजकल अधिक लोग सार्थक यात्रा अनुभव की तलाश में हैं। यात्री सिर्फ़ सोने के लिए जगह नहीं ढूँढ रहे हैं - वे उन लोगों और जगहों से जुड़ना चाहते हैं जहाँ वे जाते हैं। यह प्रवृत्ति ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के उदय से भी प्रेरित है जो यात्रियों के लिए इस प्रकार के आवास ढूँढना और बुक करना आसान बनाते हैं। रूम-शेयरिंग ऐप जैसी वेबसाइट ने अनूठे घरों वाले मेज़बानों के लिए अपनी सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के साथ साझा करना संभव बना दिया है। विरासत होमस्टे चुनने से, आगंतुकों को सिर्फ़ ठहरने की जगह से ज़्यादा यादें, कहानियाँ और उनके द्वारा खोजे जाने वाले गंतव्यों से सच्चा जुड़ाव मिलता है। यह बढ़ता हुआ रुझान अधिक टिकाऊ और इमर्सिव यात्रा की ओर बदलाव को दर्शाता है, जो पर्यटन के भविष्य को आकार देता है।

### स्थानीय समुदायों के लिए समर्थन

हेरिटेज होमस्टे चुनने का मतलब है छोटे स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करना। खर्च किया गया पैसा सीधे घर के मालिकों को जाता है, जिससे उन्हें अपनी विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने में मदद मिलती है। इस प्रकार का पर्यटन स्थानीय समुदायों के लिए स्थायी आय बनाने में मदद करता है, जबकि बड़े होटल चेन बाहरी लोगों को लाभ पहुँचाते हैं।

### छिपे हुए खजाने

कई हेरिटेज होमस्टे ग्रामीण या दूरदराज के इलाकों में स्थित हैं जहाँ होटल कम हैं। ये गंतव्य यात्रियों को विशिष्ट, कम-ज्ञात स्थानों को खोजने में मदद करते हैं। यहां आम पर्यटक भीड़ से दूर एक अधिक शांतिपूर्ण और प्रामाणिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

● अरशद जमाल ●
ईडन होमस्टे के संस्थापक

यात्री पारंपरिक होटलों की तुलना में हेरिटेज होमस्टे को अधिक पसंद कर रहे हैं, जो स्थानीय समुदायों के साथ प्रामाणिक सांस्कृतिक जुड़ाव की इच्छा से प्रेरित है। ये परिवार द्वारा संचालित आवास अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं, जिससे मेहमान मेजबान की स्थानीय परंपराओं से जुड़ सकते हैं, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं का समर्थन कर सकते हैं, जिससे टिकाऊ और सार्थक पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। हेरिटेज होमस्टे प्रामाणिक सांस्कृतिक अनुभवों की बढ़ती इच्छा का परिणाम है, जो आगंतुकों को स्थानीय परंपराओं, इतिहास और समुदायों से वास्तव में जुड़ने देती है। आइए जानें कि हेरिटेज होमस्टे इतने लोकप्रिय विकल्प क्यों बन रहे हैं। पर्यटन महत्व के स्थानों पर स्थानीय परिवार द्वारा संचालित आवासों को हेरिटेज होमस्टे में बदला जा रहा है, जो लोगों को ऐतिहासिक या सांस्कृतिक महत्व वाले घर में रहने का अवसर और अनुभव देते हैं। वे आम तौर पर पुराने, पारंपरिक घरों में स्थित होते हैं जिन्हें स्थानीय जीवन शैली को दर्शाने के लिए संरक्षित किया गया है। ये वो घर होते हैं जो कई पीढ़ियों से चले आ रहे हैं, ये मेहमानों को स्थानीय संस्कृति की एक झलक देते हैं जो बड़े होटलों में नहीं मिल सकती।

### लोग हेरिटेज होमस्टे क्यों चुन रहे हैं?

हेरिटेज होमस्टे में रहने से यात्रियों को स्थानीय संस्कृति में डूबने का मौका मिलता है। चाहे वह पारंपरिक व्यंजन बनाना सीखना हो, स्थानीय कहानियाँ सुनना हो या स्थानीय संगीत का आनंद लेना हो, ये अनुभव यात्रा को और अधिक सार्थक बनाते हैं। मेहमान सीधे मेजबानों से बातचीत कर सकते हैं, जिससे एक व्यक्तिगत, वास्तविक संबंध बनता है।

### प्रामाणिक अनुभव

हेरिटेज होमस्टे वास्तव में बड़े होटलों के विपरीत अनुभव है। आम तौर पर बड़े होटलों में आप जहाँ भी जाएँ, सभी जगह कुछ हद तक एक जैसा ही महसूस हो सकता है। इसके विपरीत हेरिटेज होमस्टे अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं जो उस स्थान के वास्तविक चरित्र को दर्शाते हैं। वास्तुकला से लेकर सजावट तक, सब कुछ क्षेत्र की संस्कृति और इतिहास के बारे में एक कहानी बताता है।

---

# स्वस्थ या हेल्दी भोजन का मतलब कैलोरीज को लेकर सख्त नियम नहीं...

● कविता भटनागर ●

हम सभी स्वस्थ खाने की ख्वाहिश रखते हैं, लेकिन वास्तव में 'स्वस्थ' का क्या मतलब है? कुछ लोगों के लिए, यह सब्जियों और फलों से भरपूर आहार है। कुछ के लिए, यह संतुलन, संयम या यहाँ तक कि सुलभता के बारे में है। हालाँकि, स्वस्थ भोजन केवल भोजन के बारे में नहीं है। कई स्वास्थ्य स्थितियां कम खाने की मांग करती हैं। एक प्रतिस्पर्धी एथलीट की आहार संबंधी जरूरतें डेस्क जॉब करने वाले व्यक्ति से काफी अलग होती हैं। यही कारण है कि हमारे अनूठे शरीर और परिस्थितियों को समझना स्वस्थ भोजन की ओर पहला कदम है।

### केवल व्यक्तिगत भोजन नहीं

स्वस्थ भोजन केवल व्यक्तिगत भोजन नहीं है। यह एक बड़ी तस्वीर है- हमारा समग्र आहार, हमारी आदतें और भोजन हमारे जीवन में कैसे फिट बैठता है। स्वास्थ्य अपने आप में बहुआयामी है। शारीरिक सेहत के अलावा इसमें मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य भी शामिल है। भोजन इन सभी क्षेत्रों को प्रभावित करता है। इसलिए, जब हम 'स्वस्थ भोजन' करने का प्रयास करते हैं, तो हमें भोजन के बारे में अपनी मानसिकता और भावनाओं को शामिल करने के लिए पोषक तत्वों और कैलोरी से आगे अपनी समझ का विस्तार करने की आवश्यकता है।

हमें स्वस्थ खाने के अपने पूरे दृष्टिकोण को पुनर्परिभाषित करने की आवश्यकता है। स्वस्थ भोजन यानी भोजन के लेकर बनाए गए सख्त नियम कतई नहीं हैं, बल्कि संतुलन और जागरूकता के साथ तैयार किया गया भोजन स्वस्थ भोजन की परिभाषा पूर्ण करता है।

### नियंत्रित ना करें

भोजन हमें केवल ऊर्जा नहीं देता; यह हमें संस्कृति, समुदाय और आराम से जोड़ता है। फिर भी, भोजन महत्वपूर्ण है, इसे हमें नियंत्रित नहीं करना चाहिए। भोजन के साथ एक स्वस्थ संबंध आवश्यक है। जहां हम इसका आनंद लें, इसका सम्मान करें, लेकिन इससे डरें नहीं। किसी भी अच्छे रिश्ते की तरह, हमें सीमाओं की आवश्यकता होती है। भोजन को हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना चाहिए, इसे कम नहीं करना चाहिए। स्वस्थ, समग्र और स्वस्थ खाने के लिए यहां पांच कार्रवाई योग्य कदम दिए गए हैं।

- अपनी भूख और तृप्ति के संकेतों पर ध्यान दें। हमारा शरीर हमें संकेत भेजता है। आपने कितनी बार खाया है जब आप भूखे नहीं थे या तब भी खाते रहे जब आपका पेट भर गया अलग-अलग खाद्य पदार्थों से आपको कैसा महसूस होता है, यह देखकर शुरुआत करें। क्या आपका नाश्ता आपको दोपहर के भोजन तक ऊर्जावान रखता है या सुबह-सुबह आपको थका देता है? क्या कोई खास भोजन संतोषजनक लगता है या फिर आपको और खाने की लालसा होती है? अपने शरीर की बात सुनकर, आप पैटर्न की पहचान करना शुरू कर सकते हैं और समायोजन कर सकते हैं।
- स्वस्थ भोजन का मतलब अच्छा या बुरा भोजन नहीं है। कोई भी एक भोजन आपके स्वास्थ्य को बना या बिगाड़ नहीं सकता। कुछ खास चीजों को कम करने के बजाय, विविधता और संतुलन जोड़ने पर ध्यान दें। एक स्वस्थ आहार में आम तौर पर साबुत अनाज, पर्याप्त प्रोटीन, स्वस्थ वसा और बहुत सारे फल और सब्जियाँ शामिल होती हैं। लेकिन इसमें कभी-कभार खाने की भी अनुमति होती है। कमी अक्सर खाने की आदत को जन्म देती है, इसलिए अपने पसंदीदा व्यंजनों का संयम से आनंद लें। अपने आहार को एक कपड़े की तरह समझें, जहाँ हर भोजन एक धागा है। साथ में, ये धागे आपके स्वास्थ्य और कल्याण की बड़ी टेपेस्ट्री बुनते हैं। यदि आपका सप्ताह संतुलित है, तो चीनी या वसा में उच्च एक भोजन जरूरी नहीं कि अस्वस्थ हो।
- भोजन सिर्फ़ ईंधन से कहीं ज़्यादा है, यह उत्सव, परंपरा और यादों से जुड़ा हुआ है। गाजर का हलवा आपको अपनी दादी की याद दिला सकता है; पिज़्ज़ा का एक टुकड़ा खुशी की भावनाएँ जगा सकता है। स्वस्थ खाने का मतलब भोजन से उसके भावनात्मक महत्व को खत्म करना नहीं है। अपनी भावनाओं को संबोधित करने के अन्य तरीकों की खोज करें। किसी मित्र से बात करना, या टहलना भोजन पर अत्यधिक निर्भरता के बगैर राहत प्रदान कर सकता है। खाने का भावनात्मक आनंद लेने के लिए प्रियजनों के साथ भोजन साझा करें, नई रेसिपी आज़माएँ।

**स्पष्ट सीमाएँ बनाएँ-** भोजन के साथ आपका रिश्ता भी सीमाएं मांगता है। सीमाएँ ऐसे विकल्प के बारे में हैं जो आपकी तत्काल ज़रूरतों और लक्ष्यों दोनों का समर्थन करते हैं। इस प्रश्न पर विचार करें- क्या यह भोजन अभी मेरे लिए उपयुक्त है? सीमाओं का मतलब यह भी हो सकता है कि ना कहना सीखें, अनावश्यक खाने के सामाजिक दबाव के लिए। अपनी प्रवृत्ति का सम्मान करें।

**खुद के प्रति दयालु रहें-** शायद स्वस्थ खाने का सबसे अनदेखा पहलू आत्म-करुणा है। हम अक्सर अपने लिए अवास्तविक अपेक्षाएँ रखते हैं, पूर्णता का लक्ष्य रखते हैं और जब हम फेल हो जाते हैं तो खुद को कोसते हैं। कुछ दिन आप पौष्टिक घर का बना खाना पकाएंगे। अन्य दिनों में आप फास्ट फूड खा लेंगे क्योंकि आप थके हुए हैं।

**(लेखिका डॉ. कविता भटनागर एक खाद्य वैज्ञानिक, योग्य आहार विशेषज्ञ और भारत की पहली खाने के व्यवहार मनोवैज्ञानिक हैं। वह द पॉवर ऑफ इम्परफेक्ट ईटिंग की लेखिका हैं और हार्वर्ड की पूर्व छात्रा हैं।)**

---

### 10,000 साल पहले अंतिम हिमयुग के दौरान बनी

# नॉर्वे स्थित ट्रोलतुंगा

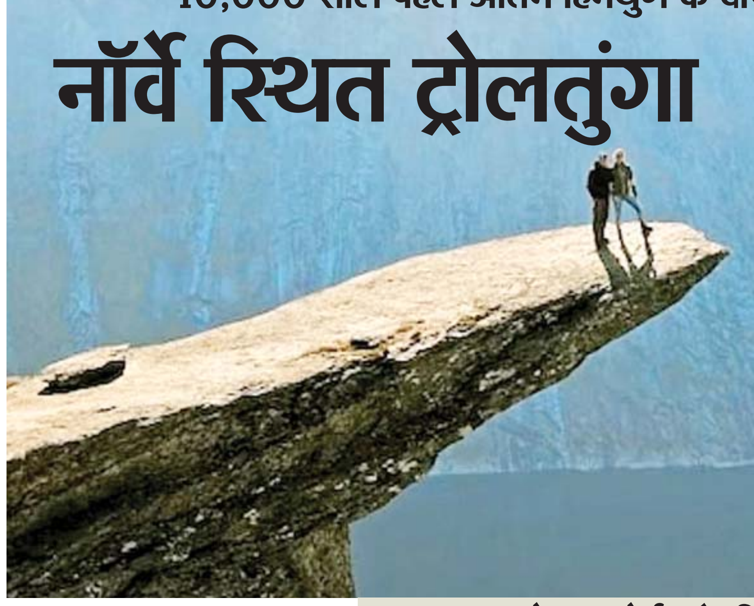

दुनिया में कई ऐसी शानदार पहाड़ियां हैं, जो अपनी बनावट और आस-पास के सुंदर नजारों को लेकर लोगों को खूब आकर्षित करती हैं। ऐसी ही एक पहाड़ी नॉर्वे की ट्रोलतुंगा या ट्रॉल्स टंग है, जो दुनिया का सबसे खूबसूरत क्लिफ (चट्टान) में से एक है। एक विशाल झील के ऊपर यह पत्थर का एक बड़ा टुकड़ा 700 मीटर की ऊंचाई पर अधर में लटका हुआ है, जो लोगों को खूब भाता है।

● अनूठी दुनिया ●

नॉर्वे में स्थित ट्रोलतुंगा जिसका अर्थ है- 'ट्रोल की जीभ'। यह एक विशाल चट्टान है, जो एक बड़ी झील के ऊपर क्षैतिज रूप से निकली हुई है। यह चट्टान लगभग 10,000 साल पहले अंतिम हिमयुग के दौरान बर्फ के दबाव और क्षरण से बनी थी। इसका साहसिक दृश्य आज भी प्रकृति की अद्भुत रचनाशीलता का प्रमाण है। ट्रोलटुंगा नॉर्वे के वेस्टलैंड काउंटी में उल्लेन्सवांग नगर काउंसिल में समुद्र तल से लगभग 1,100 मीटर (3,600 फीट) ऊपर स्थित एक चट्टान संरचना है। यह चट्टान पहाड़ से क्षैतिज रूप से बाहर निकलती है, जो रिंगेडल्सवाटनेट झील के उत्तरी किनारे से लगभग 700 मीटर (2,300 फीट) ऊपर है। यह नॉर्वे में सबसे प्रसिद्ध पैदल यात्राओं में से एक है, जो अपने अद्भुत दृश्य के लिए जानी जाती है।

### एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए प्रसिद्ध

जून मध्य से सितंबर मध्य के बीच पूरी दुनिया से हाइकर यहां हाइकिंग और एडवेंचर स्पोर्ट्स के लिए आते हैं। यह जगह नॉर्वे की होर्डालैंड काउंटी से सिर्फ 17 किमी दूर है। ट्रॉल्स टंग के इर्द-गिर्द कोई रेलिंग नहीं लगाई गई है, ताकि यहां की नेचरल ब्यूटी को महफूज रखा जा सके। यहां जाने के लिए स्कजेगेडल गांव से पैदल यात्रा के लिए कुछ पूर्व-बुकिंग और योजना की आवश्यकता होती है। आप इस पैदल यात्रा के शानदार नॉर्वेजियन परिदृश्यों का आनंद लेने के लिए अपने लिए सबसे अच्छा तरीका चुन सकते हैं।

### ट्रोलटुंगा को ट्रोल की जीभ क्यों कहा जाता है?

नॉर्स पौराणिक कथाओं में ट्रॉल्स का विशेष स्थान है। नॉर्डिक लोककथाओं में ट्रॉल्स का पहला लिखित रिकॉर्ड 13वीं शताब्दी की एक पुस्तक प्रोज एडा में था। नॉर्वे के इतिहास में ट्रॉल्स को एक रहस्यमय और अलौकिक प्राणी के रूप में दर्शाया गया है जो चट्टानों और गुफाओं में पाया जाता है। साहित्य में उन्हें विशाल, कुरूप, बड़ी आंखों और उभरी हुई नाक वाला बताया गया है। आपको डिज्नी की फ्रोजन में जंगल में पत्थरों के रूप में छिपे हुए ट्रोल याद होंगे।

---

## फोकस

# पश्चिम एशिया में संघर्ष के पीछे दो ताकतवर चेहरे

**पश्चिम एशिया में संघर्ष के पीछे खड़े दो देशों का नेतृत्व कर रहे ये नेता हैं कौन? इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई का शुरुआती जीवन कैसा रहा है? दोनों की राजनीतिक विचारधारा और सफर कैसा रहा है? इजराइल-ईरान का संघर्ष के दोनों नेताओं के लिए क्या मायने हैं?**

● कीर्तिवर्धन मिश्र ●

इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष अब छठे दिन में पहुंच चुका है। जहां इजराइल की तरफ से ईरान परमाणु ठिकानों के साथ कई सैन्य अफसरों और वैज्ञानिकों को निशाना बनाया जा चुका है, तो वहीं ईरान ने इजराइल के प्रमुख शहरों- तेल अवीव और यरुशलम पर बैलिस्टिक मिसाइलों से जबरदस्त हमले किए हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बीच अब अमेरिका के भी पश्चिम एशिया में जारी इस संकट में कूदने के आसार लगाए जा रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के पूरी तरह युद्ध में बदलने का खतरा पैदा हो जाएगा। दोनों देशों के बीच हो रहे संघर्ष के रुकने के आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। जहां इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस संघर्ष के जरिए ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और ईरान के सुप्रीम लीडर को ही जान से मारने की वकालत करते दिख रहे हैं तो वहीं अयातुल्ला खामनेई ने कहा है कि ईरान किसी भी हालत में सरेंडर नहीं करेगा और जवाबी कार्रवाई जारी रखेगा। ऐसे में यह जानना अहम है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के पीछे खड़े दो देशों का नेतृत्व कर रहे ये नेता हैं कौन? इजराइल-ईरान का संघर्ष के दोनों नेताओं के लिए क्या मायने होंगे?

## बेंजामिन नेतन्याहू और अयातुल्ला खामनेई

### खामनेई का शुरुआती जीवन

**1939** 17 जुलाई को मशहद के ईरान में खामनेई का जन्म हुआ।

उन्होंने इराक के नजफ और ईरान के कौम में इस्लामी मदरसों में धार्मिक शिक्षा हासिल की।

बाद में अयातुल्ला रूहोल्ला खोमैनी जैसे शिया विद्वानों के मार्गदर्शन में आगे बढ़े। खोमैनी ने ही ईरान में क्रांति की शुरुआत की थी।

**1960** के दशक में ही खामनेई ईरान के शाह के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय रहे। उन्हें कई बार जेल भी भेजा गया।

**1979** की ईरान क्रांति के बाद जब खोमैनी ईरान के सुप्रीम लीडर बने थे, तब खामनेई पहली बार वे ईरान की क्रांति परिषद का हिस्सा बने।

### नेतन्याहू का शुरुआती जीवन

**1949** के 21 अक्तूबर को नेतन्याहू का जन्म को इस्राइल के तेल अवीव में हुआ था। नेतन्याहू ने अमेरिका में यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स से बिजनेस मैनेजमेंट में डिग्री हासिल की।

**1980** में नेतन्याहू वॉशिंगटन में इजराइल दूतावास में उप-प्रमुख और बाद में संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत नियुक्त हुए।

**1996** में नेतन्याहू ने इजराइली रक्षा बल की विशेष इकाई सायरत मटकल में सेवाएं दीं।

### राजनीति में एंट्री सीधे राष्ट्रपति पद पर

1981 में तेहरान की एक मस्जिद पर जबरदस्त हमला हुआ था। बम विस्फोट की चपेट में खामनेई भी आए थे। इसमें उनका दाएं हाथ में लकवा मार गया। इसके कुछ महीने बाद ही ईरान के राष्ट्रपति की हत्या हो गई। तब अयातुल्ला खोमैनी ने खामनेई की सक्रिय राजनीति में एंट्री कराई। वह भी ईरान के तीसरे राष्ट्रपति के तौर पर।
1989 में जब खोमैनी कैंसर का इलाज करा रहे थे, तब उनका स्वास्थ्य लगातार खराब हो रहा था। इसी दौरान खोमैनी ने खामनेई को अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी घोषित कर दिया।

### अयातुल्ला अली खामनेई- पहली पीढ़ी के आखिरी क्रांतिकारी नेता

1988-89 के दौरान 40 साल के बेंजामिन नेतन्याहू संयुक्त राष्ट्र में इजराइल के राजदूत के तौर पर अपनी भूमिका समाप्त कर रहे थे। ठीक उसी दौरान 50 साल के अयातुल्ला अली खामनेई ईरान के सर्वोच्च नेता का पद अयातुल्ला रुहोल्ला खोमैनी से हासिल करने की तैयारी कर रहे थे। यानी जब नेतन्याहू की राजनीति में एंट्री होने वाली थी, तब तक खामनेई ईरान के नेता के तौर पर लंबा-चौड़ा अनुभव जुटा चुके थे। ईरान के राष्ट्रपति (1981 से 1989 तक) रहने के बाद खामनेई जब सर्वोच्च नेता बने तबसे यह पद उन्हीं के पास है। इस पद के साथ खामनेई न सिर्फ देश के धार्मिक नेता बने, बल्कि सबसे ताकतवर राजनीतिक प्रमुख भी।

### सकारात्मक नहीं राजनीतिक भविष्य

सैन फ्रांसिस्को स्टेट यूनिवर्सिटी में यहूदी स्टडीज के प्रोफेसर एरन काप्लान के मुताबिक, नेतन्याहू का ईरान के खिलाफ ताजा अभियान उनके राजनीतिक जीवन का आखिरी कदम भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि नेतन्याहू का राजनीतिक भविष्य सकारात्मक नहीं दिख रहा। उन्होंने इजराइल में जो गठबंधन बनाया था, वह भी टूटता दिख रहा है। अधिकतर सर्वे दिखा रहे हैं कि वे अगला चुनाव जीत नहीं पाएंगे। ऐसा लगता है कि नेतन्याहू को ये पता है कि उनके पास ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने का आखिरी मौका है, इसलिए वे अपने अभियान को पूरा करने की कोशिश में हैं।

### नेतन्याहू- करियर के अंतिम संघर्ष की तरफ?

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने देश का सबसे लंबे समय तक नेतृत्व करने वाले नेता बन चुके हैं। हालांकि, उनका सेना से राजनीति तक का सफर इतना भी आसान नहीं रहा है। इस सफर के दौरान नेतन्याहू ने भले ही करीब 17 साल सत्ता में रहते हुए बिताए हों, लेकिन उन्हें 8 साल विपक्ष में भी बैठना पड़ा है। नेतन्याहू की राजनीतिक समझ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने यूएन के बाद इजराइल की घरेलू राजनीति में जगह बनाई और जल्द ही संसद पहुंच गए। वे 1993 में ही दक्षिणपंथी लिकुड पार्टी के प्रमुख बने। 1996 में नेतन्याहू पहली बार इजराइल के प्रधानमंत्री बने। उन्होंने यह चुनाव महज 1 फीसदी ज्यादा वोट मिलने के बाद जीता था। यह वही दौर था, जब नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु ताकत बनने को लेकर चिंता जताना शुरू किया था। नेतन्याहू 1996 से अब तक पांच बार इजराइलके पीएम बन चुके हैं। उनका हालिया शपथग्रहण 2022 में हुआ था। तबसे वे लगातार इजराइल का नेतृत्व कर रहे हैं। इसी दौरान फलस्तीन के गाजा, लेबनान, यमन और ईरान पर इजराइल ने सीधे हमले बोले हैं।

### क्यों हैं क्रांतिकारियों में आखिरी नेता?

खामनेई के लेखों और किताबों का अध्ययन कर चुके लेखक करीम सज्जादपुर ने उन्हें ईरान के पहली पीढ़ी के क्रांतिकारियों का आखिरी बचा नेता करार दिया है। करीम के मुताबिक, खामनेई इस मामले में स्पष्ट हैं कि जब कभी पश्चिमी देश, खासकर अमेरिका और इजराइली आप पर दबाव बनाने की कोशिश करें तो आपको झुकना नहीं है, क्योंकि अगर आप झुकेंगे तो इससे आपकी कमजोरी दिखेगी और आप खुद ज्यादा दबाव को न्योता देंगे। दूसरी तरफ खामनेई इजराइली सरकार की नीतियों के खिलाफ खासे मुखर रहे हैं। उन्होंने फलस्तीन के गाजा से लेकर, लेबनान, यमन और खुद ईरान के खिलाफ उसके हमले की निंदा की है। खामनेई ने यह भी कहा है कि इजराइल के इन हमलों का बदला लिया जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### दूसरे और चौथे शनिवार को भी काम करेगा सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली, जेएनएन।** केंद्र सरकार ने एक बड़ा प्रशासनिक फैसला लेते हुए सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री और कार्यालयों के लिए दूसरी और चौथी शनिवार की छुट्टियां रद्द कर दी हैं। यह आदेश 14 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। राष्ट्रपति की मंजूरी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद यह बदलाव संविधान के अनुच्छेद 145 के तहत किया गया है। इसके तहत 2013 के आदेश की कक्षा 2 में संशोधन किया गया है, जिससे अब शनिवार को कोर्ट कार्यालय सामान्य रूप से कार्य करेंगे, जब तक भविष्य में कोई नया आदेश न आए। इस निर्णय को कार्य संस्कृति में सुधार और दैनिक कार्यों में उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। कोर्ट कर्मचारियों के कार्य दिवसों में यह बड़ा बदलाव न्यायिक व्यवस्था में दक्षता लाने की कोशिश का हिस्सा है।

### सीएम ने नवचयनित पर्यवेक्षकों को दी बधाई

**जागरण, भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पर्यवेक्षक पद के लिए नव चयनित 650 प्रतिभागियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार मध्यप्रदेश को देश का नंबर वन राज्य बनाने के लिए कृतसंकल्पित है। राज्य सरकार कर्मचारियों, किसानों, गरीबों, युवाओं, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। सीएम यादव ने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर सदैव अग्रसर रखने में प्रदेश के सभी कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 11 हजार 400 पदों पर कर्मचारियों का चयन किया गया है। इनमें से 4000 पदों पर पात्र अभ्यर्थियों के चयन के बाद उनकी पदस्थापना की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। शेष 7400 पदों के लिए यह प्रक्रिया अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसके साथ ही मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग से चयनित 3756 पदों पर भी पोस्टिंग की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार विभिन्न रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया कर शासकीय कार्यालयों में क्षमता एवं दक्षता बढ़ाने की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। प्रदेश के कर्मचारियों और अधिकारियों का निजी जीवन भी सुगम और आनंदमय बने, इसके लिए उन्हें विभिन्न प्रकार के लंबित वेतन भत्तों सहित क्रमोन्नति एवं पदोन्नति का लाभ पहुंचाने के लिए भी प्रयास किए गए हैं। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचने में कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

### मामा ने 4 साल के भांजे का किया अपहरण

**क्राइम रिपोर्टर, भोपाल।** कमलानगर क्षेत्र में एक दूर के मामा ने चार साल के भांजे का अपहरण कर लिया। उसे शक है कि उसकी दीदी और जीजा ने दस दिन पहले किसी युवक के साथ उसकी पत्नी को भगवा दिया था। पत्नी को वापस पाने उसने रात तीन बजे दीदी के घर में घुसकर भांजे का अपहरण कर लिया। आरोपी ने फोन के जरिए दंपति को आफर दिया है, एक हाथ से मेरी पत्नी वापस दो, दूसरे हाथ से बेटा वापस लो। दंपति की शिकायत पर कमलानगर थाने में केस दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी निरूपा पांडे के अनुसार 37 वर्षीय किरण रजक पुराने शबरी नगर में परिवार के साथ रहती हैं। गोलू रजक दूर के रिश्ते का भाई है। करीब दस दिन पहले गोलू की पत्नी घर से गुम हो गई थी। गोलू को शंका है कि पत्नी किसी युवक के साथ भागी है और रिश्ते में लगने वाली दीदी किरण व जीजा मल्लू ने सहायता की है। उन्हें दोनों की लोकेशन भी पता है, लेकिन वे छुपा रहे हैं। शुक्रवार रात तीन बजे गोलू किरण के घर पहुंचा। खटखटाने पर किरण के बड़े बेटे चिराग ने दरवाजा खोला। तब गोलू ने चुपचाप नींद में सो रहे चार वर्षीय विहानको गोद में उठाया और भाग निकला। इस दौरान किरण और उसका पति मल्लू दूसरे कमरे में सो रहे थे।

# शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए वरदान है योगः सीएम

## अटल पथ पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ किया योगाभ्यास

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के अटल पथ पर राज्य स्तरीय योग संगम में सामूहिक योगाभ्यास कर कार्यक्रम को संबोधित किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का विशाखापट्टनम से सजीव प्रसारण किया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम से प्रसारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए अटल पथ पर बड़ी संख्या में उपस्थित विद्यार्थियों और जनसामान्य ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में योग किया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, सांसद वीडी शर्मा तथा भोपाल सांसद आलोक शर्मा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत वसुधैव कुटुंबकम की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारे लिए विश्व एक परिवार है और विश्व योग दिवस का अवसर दुनिया को भारत के मूलदर्शन और योगशैली से परिचय कराने का दिन है। योगाभ्यास करने से मन शांत होता है, शांति से संतोष आता है और जब मन में संतोष हो तो मनुष्य अहिंसा की तरफ बढ़ता है। योग, शारीरिक बल और मानसिक शांति बढ़ाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आष्टांग योग दर्शन के रचयिता महर्षि पतंजलि को प्रणाम कर, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य के लिए मानवता को योग का वरदान देने के लिए उनका आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 21 जून का दिन खगोलीय गणना की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है। आज के दिन भगवान सूर्यनारायण उत्तरायण की यात्रा पूरी कर दक्षिणायन में प्रवेश करते हैं।

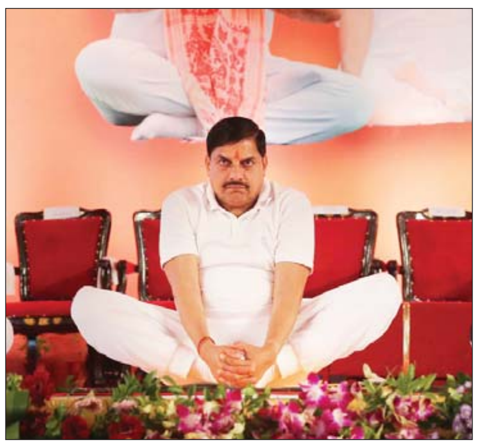

### विभिन्न धर्मों और संस्कृति के बीच सामंजस्य का माध्यम है योग दिवस

केंद्रीय राज्यमंत्री जनजातीय कार्य दुर्गादास उइके ने कहा कि योग दिवस विभिन्न धर्मों और संस्कृति के बीच सामंजस्य का माध्यम बन चुका है। योग ने वसुधैव कुटुंबकम की भावना से दुनिया को एक परिवार के रूप में विकसित किया है। योग हमें भागदौड़ भरी जिंदगी में कुछ समय के लिए अपने अंदर झांकने का अवसर देता है। योग से चित्त यानी मन को निरोगी रखा जा सकता है। गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा है कि मनुष्य के लिए कर्मों की कुशलता ही योग है। सांसद वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनिया को सुखी बनाने के लिए योग करने का संदेश दिया था। विश्व योग दिवस के 10 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। आज हम 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रहे हैं। भोपाल में हुए कार्यक्रम में विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, भोपाल महापौर मालती राय, मुख्य सचिव अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित जनप्रतिनिधि एवं योग प्रेमी उपस्थिति थे। प्रदेश के सभी जिलों में योग दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

### पुरातत्व ज्ञान सृष्टि की मूल्यवान वस्तुओं से भी महत्वपूर्ण

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि डोंगला अब नगरी के रूप में विकसित हो रही है। उज्जैन काल की नगरी है और प्राचीन काल में समय गणना का प्रमुख केंद्र रहा है, यह काल गणना के केंद्र में पुनः स्थापित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के प्राचीन ज्ञान विज्ञान के वाहक योग के माध्यम से संपूर्ण विश्व में भारतीय संस्कृति की पताका लहरा दी है। प्रधानमंत्री के विजन अनुसार आज की दुनिया युद्ध की नहीं अपितु अहिंसा और भगवान बुद्ध की दुनिया है। हमारी सनातन संस्कृति ताकत के प्रकटीकरण की जगह शिक्षा और विज्ञान से दुनिया के कल्याण की बात करती है। हजारों सालों से हमारे ऋषि मुनियों ने ध्यान से ज्ञान संकलित कर ज्ञान से विश्व कल्याण के कार्य किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को डोंगला स्थित वराहमिहिर खगोलीय वेधशाला में विद्यार्थियों से संवाद के दौरान यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संपूर्ण विश्व के कोने-कोने में योग किया जा रहा है।

# किसानों के नाम पर संगठन बनाकर हड़पी तीन करोड़ 77 लाख की इक्विटी ग्रांट, होगी वसूली

## फर्जीवाड़ाः केंद्र सरकार ने पांच साल पहले शुरू की महत्वाकांक्षी योजना एमपी में घोटाले का केंद्र बनी

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** किसानों की पैदावार बढ़ाने, उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने और आमदनी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने पांच साल पहले जिस महत्वाकांक्षी योजना को शुरू किया था, एमपी में वही घोटाले का केंद्र बन गई। मामला एमपी के 69 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का है, जिन्होंने किसानों के नाम पर संगठन बनाकर केंद्र से मिलने वाली 3 करोड़ 77 लाख 76100 रुपए की ग्रांट हड़प ली। ये सभी संगठन केंद्र सरकार के अधीन आने वाली एजेंसी स्माल फार्मर्स एग्रीबिजनेस कंसेर्टियम (एसएफएसी) के तहत पंजीबद्ध हैं। एसएफएसी ने इन संगठनो को इक्विटी ग्रांट के तौर पर करोड़ों की राशि दी थी। अब इन सभी को नोटिस जारी कर इस रकम को लौटाने के लिए कहा गया है। रकम न लौटाने पर एफपीओ के कर्ताधर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि एमपी में लगभग 650 एफपीओ पंजीकृत हैं। एसएफएसी के 332 के अलावा नाबार्ड, नेशनल कॉ-ऑपरेटिव डेवपलमेंट कॉर्पोरेशन (एनसीडीसी), नाफेड और एसआरएलएम में भी लगभग 320 एफपीओ पंजीकृत हैं। एसएफएसी के तहत रजिस्टर्ड इन एफपीओ के बाद अब बाकी एफपीओ की भी जांच शुरू करने की तैयारी की जा रही है।

### इस तरह हुआ घोटाला

पांच साल पहले देश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एफपीओ के कॉन्सेप्ट को वृहद स्तर पर अपनाया गया। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 फरवरी 2020 को चित्रकूट से इस योजना को हरी झंडी दिखाई। इसके तहत एसएफएसी ने देश में 10 हजार एफपीओ स्थापित करने का टारगेट रखा। इस योजना का नाम टेन के एफपीओ स्कीम रखा गया। इसके तहत प्रदेश में कुल 334 एफपीओ बनाए गए। इन सभी के लिए शर्त थी कि इनमें कम से कम 300 किसान हर संगठन के सदस्य होने चाहिए औरं संगठन को इन किसानों द्वारा जमा की गई रकम के बराबर ही इक्विटी ग्रांट की राशि केंद्र सरकार के एसएफएसी द्वारा दी जाएगी। इस रकम को संगठनों के कामकाज के विस्तार के लिए जारी किया गया था। घोटाले का सिलसिला तब शुरू हुआ जब एफपीओ के नाम पर कुछ लोगों ने फर्जी नाम जोड़कर संगठन तैयार कर लिए और अपने पास से लाखों रुपए जमा कर इसकी जानकारी एसएफएसी को देकर इतनी ही रकम की ग्रांट ले ली। बाद में घोटालेबाजों ने सारी रकम निकाल ली और एफपीओ का काम ठप हो गया। हैरानी की बात ये है कि कई किसानों को भी नहीं मालूम कि उनके नाम पर एफपीओ बनाकर करोड़ों की रकम हड़पी गई है।

### एमपी में इन जिलों में एफपीओ का फर्जीवाड़ा

| जिला का नाम | एफपीओ | रिकवरी नोटिस |
|---|---|---|
| अलीराजपुर | 1 | 515000 |
| अशोकनगर | 2 | 2775000 |
| बालाघाट | 3 | 1708000 |
| बड़वानी | 2 | 701500 |
| भिंड | 1 | 310000 |
| भोपाल | 1 | 320000 |
| छतरपुर | 1 | 600000 |
| छिंदवाड़ा | 4 | 1327000 |
| धार | 4 | 1923000 |
| डिंडोरी | 1 | 470000 |
| गुना | 1 | 320000 |
| ग्वालियर | 1 | 310000 |
| हरदा | 1 | 300000 |
| इंदौर | 1 | 300000 |
| झाबुआ | 2 | 667000 |
| कटनी | 1 | 500000 |
| खरगोन | 4 | 2973000 |
| मंडला | 2 | 920000 |
| मंदसौर | 1 | 600000 |
| नर्मदापुरम | 3 | 910000 |
| नरसिंहपुर | 2 | 2958000 |
| नीमच | 1 | 320000 |
| रायसेन | 1 | 320000 |
| रतलाम | 4 | 1726000 |
| सागर | 5 | 2145000 |
| सीहोर | 2 | 620000 |
| सिवनी | 5 | 1872000 |
| शहडोल | 1 | 1370000 |
| शिवपुरी | 1 | 920000 |
| सीधी | 3 | 1254600 |
| टीकमगढ़ | 2 | 601000 |
| उज्जैन | 3 | 3320000 |
| उमरिया | 1 | 1500000 |
| विदिशा | 1 | 400000 |
| कुल | 69 | 37776100 (रु. में) |

### आरटीआई के जरिए हुआ खुलासा तो जागे अफसर

प्रदेश में केंद्र की एसएफएसी योजना के तहत जब एक आरटीआई कार्यकर्ता शाजी जॉन ने एफपीओ की वर्तमान स्थिति और इनको दी गई वित्तीय मदद की जानकारी मांगी तो इस घोटाले का खुलासा हो गया। एसएफएसी द्वारा आरटीआई के तहत जानकारी दी गई है कि एमपी में 334 में से 69 एफपीओ ऐसे हैं जिन्होंने 3 करोड़ 77 लाख 76100 रुपए की इक्विटी ग्रांट लेने के बाद नियमों का पालन नहीं किया। इसके बाद इन सभी को नोटिस जारी कर इस रकम को लौटाने के लिए कहा गया है। रकम न लौटाने पर एफपीओ के कर्ता-धर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई की तैयारी है। नियम के अनुसार जिस भी एफपीओ को इक्विटी ग्रांट मिली थी, उसे 45 दिन के भीतर इस रकम के शेयर इश्यू करके शेयर सर्टिफिकेट किसानों को जारी करने थे। इसके साथ ही चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) से इक्विटी ग्रांट की कंप्लाइंस रिपोर्ट भी एसएफएसी को भेजनी थी।

### नर्सिंग घोटाले के दोषियों को सजा दिलाने हाइकोर्ट जाएगी एनएसयूआई

**कार्यालय संवाददाता, भोपाल।** मप्र के चर्चित नर्सिंग घोटाले में जिन अधिकारियों व कर्मचारियों पर आरोप हैं। उनकी मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। इस घोटाले के आरोपियों के खिलाफ अब एनएसयूआई ने हाइकोर्ट जाने का फैसला कर लिया है। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने शनिवार को एक पत्रकारवार्ता कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घोटाले के आरोपियों के खिलाफ मप्र सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। जबकि सभी के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य हैं। हमने इस बारे में कई बार आयुक्त चिकित्सा शिक्षा को कई अधिकारियों को शिकायत भेजी है। बावजूद इसके आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अधिकारियों की हठधर्मिता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जिन अधिकारियों पर आरोप हैं उन्हें फिर से नर्सिंग काउंसिल में अटैच कर दिया गया है। रवि परमार ने आरोप लगाया कि गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल की मीनू नायर और राखी पटेल, जो सीधे तौर पर दोषी हैं, उन्हें दंडित करने के बजाय नर्सिंग काउंसिल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। उन्होंने डॉ. जितेंद्र महावर, डॉ. हरिसिंह मकवाना, डॉ. संदीप मर्सकोले, डॉ. वीरेंद्र धुर्वे, रजनी नायर, प्रियदर्शिनी डेहरिया, दीपिका कुंभारे, राजश्री मालवीय (गांधी मेडिकल कॉलेज) और स्टेला पीटर, ईस्टर शीबा एंड्रयूज, आरती तिवारी (नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज, जबलपुर) पर भी कार्रवाई न होने का मुद्दा उठाया। परमार ने कहा कि वे साक्ष्यों के साथ उच्च न्यायालय का रुख करेंगे और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की मांग करेंगे।

# पूर्व सीएस बैंस और बेलवाल के खिलाफ पीई दर्ज

## लोकायुक्त ने की कार्रवाई, सकलेचा ने दो साल पहले की थी शिकायत

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** लोकायुक्त भोपाल ने पूर्व विधायक पारस सकलेचा द्वारा दो साल पहले की गई शिकायत के बाद पूर्व मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस और आजीविका मिशन के पूर्व सीईओ एवं आईएफएस अफसर रहे ललित मोहन बेलवाल के खिलाफ प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। इससे पहले आजीविका मिशन में अवैध तौर पर नौकरियां बांटने के आरोप में बेलवाल के खिलाफ ईओडब्ल्यू भी एफआईआर दर्ज कर चुका है। सकलेचा ने कार्रवाई को लेकर सूचना के अधिकार के तहत लोकायुक्त से जानकारी मांगी थी। जवाब में लोकायुक्त की तरफ से लिखित तौर पर बताया गया कि बैंस और बेलवाल के खिलाफ की गई इस शिकायत के आधार पर पीई क्रमांक 605/ई/2024-25 दर्ज की गई है। गौरतलब है कि लोकायुक्त पुलिस किसी भी मामले की शिकायत पर पीई दर्ज कर छानबीन करती है और शिकायत सही होने पर एफआईआर दर्ज करती है। पारस सकलेचा के अनुसार यह आरटीआई जानकारी उन्हें 17 जून को दी गई है, जिसकी नोटशीट में पीई दर्ज करने का उल्लेख किया गया है। नोटशीट पर लिखा है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सकलेचा ने 28 अगस्त 2023 को लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराते हुए इकबाल सिंह बैंस और बेलवाल के खिलाफ पोषण आहार तथा अन्य योजनाओं में 2018 से 2022 तक 4 साल के दौरान 8 जिलों में 500 करोड़ के भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इसका उल्लेख ऑडिटर जनरल की रिपोर्ट में भी था। सकलेचा ने दस्तावेजों के साथ आरोप लगाया था कि इकबाल सिंह ने पंचायत विभाग में अपने कार्यकाल के दौरान अपने चहेते बेलवाल को वन विभाग से प्रतिनियुक्ति पर लाकर आजीविका मिशन का सीईओ बनाया। आरोप है कि इन दोनों ने पोषण आहार बनाने वाली सातों फैक्ट्रियों का काम एग्रो इंडस्ट्री कॉरपोरेशन से छीनकर आजीविका मिशन को सौंप दिया। इसके बाद दिसंबर 2018 में कमलनाथ सरकार बनने पर सातों फैक्ट्री का संचालन फिर से एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन को मिल गया।

# 2200 करोड़ के लेन-देन की जांच के लिए संचालकों की होगी गिरफ्तारी

## दोनों ठगों को भेजा जेल, कई संदिग्ध बैंक खातों की भी जांच

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** एमपी स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अंतरराच्यीय इन्वेस्टमेंट फ्रॉड गिरोह से जुड़े दोनों शातिर ठगो, मदन मोहन कुमार और दीपक शर्मा को शनिवार को जेल भेज दिया। इन दोनों ने पूछताछ के दौरान एसटीएफ को कंपनियों के बैंक खातों और इंदौर के शिकायतकर्ता ईशान सलूजा द्वारा निवेश किए गए 20 लाख की जानकारी नहीं दी। शुक्रवार को इस गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली एसटीएफ अब अन्य राच्यों में दर्ज एफआईआर और चार्जशीट का विवरण भी खंगाल रही है। एसटीएफ ने गिरोह से जुड़ी कंपनियों के विभिन्न बैंक खातों में जमा 90 करोड़ की राशि फ्रीज करने के बाद अपनी जांच इन खातों से 2200 करोड़ से अधिक के संदिग्ध लेन-देन की जानकारी हासिल करने पर केंद्रित कर दी है। जांच को आगे बढ़ाने के लिए, एसटीएफ अब यॉर्कर्स एफएक्स और यॉर्कर्स कैपिटल नामक इन दोनों कंपनियों के संचालकों को गिरफ्तार करने की तैयारी कर रही है। ये संचालक ही इस गिरोह के असली मास्टरमाइंड बताए जा रहे हैं।

### एक संचालक विदेश में

ये कंपनियां महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश, असम समेत कुल 12 राच्यों में धोखाधड़ी का धंधा चला रही थीं। एसटीएफ की छानबीन के दौरान, कंपनी के संचालक ने खुद लिखकर भेजा है कि उन्होंने आरबीआई से कभी कोई अनुमति नहीं ली। कंपनी के संचालकों को लेकर एसटीएफ की तहकीकात जारी है। एसटीएफ को इस दौरान सूचना मिली है कि एक कंपनी का संचालक फिलहाल दुबई में है। एसटीएफ के अनुसार, शनिवार तक ईशान के अलावा कोई अन्य शिकायतकर्ता सामने नहीं आया है।फिलहाल, एसटीएफ दस्तावेजों की पड़ताल के बाद कंपनियों के फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन से जुड़े अन्य सबूत जुटा रही है। यह भी खुलासा हुआ है कि कंपनियों ने लोगों को निवेश पर 72 फीसदी तक ब्याज (रिटर्न) देने का वादा किया था, जबकि भारत में प्रचलित नियम के अनुसार किसी भी निवेशक को 12.5 प्रतिशत से अधिक ब्याज का वादा नहीं किया जा सकता। एसटीएफ के अनुसार, ये कंपनियां पॉन्ज़ी स्कीम में शामिल हैं और लंबे समय से लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रही थीं। इन कंपनियों के खातों से यह जानकारी भी मिली है कि कुछ निजी खातों में बड़ी रकम ट्रांसफर की गई। जांच में अभिषेक राय नाम के एक व्यक्ति के खाते में 1 करोड़ की रकम भेजने की डिटेल फिलहाल एसटीएफ को मिली है। ऐसे ही अन्य बैंक खातों की भी कुंडली खंगाली जा रही है।

> गिरोह का भंडाफोड कर बड्स एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल दोनों ठगों को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। गिरोह के माटरमाइंड और अन्य सदस्यों की तलाश जारी है।
> ■ **पंकज श्रीवास्तव**, स्पेशल डीजी, एसटीएफ

### बड्स एक्ट के तहत केस दर्ज सीबीआई जांच का प्रावधान

इस मामले में एसटीएफ ने आरोपियों के खिलाफ अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम (बड्स एक्ट) 2019 की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। इस एक्ट का मुख्य उद्देश्य अनियमित जमा योजनाओं पर रोक लगाना और निवेशकों के हितों की रक्षा करना है। यह एक्ट उन योजनाओं पर लागू होता है जो वित्तीय सेवाओं के लिए आरबीआई या किसी अन्य सरकारी नियामक एजेंसी के पास पंजीकृत नहीं हैं। बड्स एक्ट के सख्त प्रावधानों के तहत, आरोपियों को आसानी से जमानत मिलना संभव नहीं होता। इसके अलावा, इस एक्ट के तहत कोई भी जांच एजेंसी केस को केंद्रीय जांच ब्यूरो (ष्ट.द्ब) को भी ट्रांसफर कर सकती है। हालांकि, आला अफसरों का कहना है कि फिलहाल एसटीएफ ही पूरे मामले की छानबीन करेगी।

**तबादला** | ट्रांसफर को लेकर पीएचक्यू में मंथन जारी, डीजीपी तैयार करवा रहे गाइडलाइन

# एक ही जिले में 10 साल से जमे अफसरों को हटाने की तैयारी

**मुख्य संवाददाता, भोपाल।** पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) के आदेश पर प्रदेश के एक ही थाने में जमे 11 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मियों के तबादले के बाद अब उप-निरीक्षक (एसआई) और उससे ऊपर के रैंक के ऐसे अफसरों के तबादले की तैयारी की जा रही है जो एक ही जिले में अपनी 10 साल से जमे हुए हैं। यह कदम पुलिस के कामकाज में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मकसद से डीजीपी कैलाश मकवाणा द्वारा उठाया जा रहा है। आरक्षक से लेकर एसआई तक के निचली रैंक वाले स्टाफ के तबादलों के बाद पीएचक्यू निरीक्षक, डीएसपी और एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारियों को लेकर प्लान बना बना रहा है। सूत्रों का दावा है कि भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा, सतना और कुछ अन्य बड़े शहरों में इस रैंक के कई पुलिस अधिकारी हैं जो 20 साल से भी अधिक समय से एक ही जिले में तैनात हैं। हाल ही में डीजीपी ने आदेश जारी कर कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, एएसआई और एसआई सहित उन सभी पुलिसकर्मियों को थानों और क्राइम ब्रांच से हटाने के निर्देश दिए थे, जिन्होंने एक ही पुलिस स्टेशन या सर्किल में पांच साल पूरे कर लिए थे।

### इस तरह होगी कार्यकाल की गणना

पीएचक्यू की योजना के अनुसार अब इंस्पेक्टर से लेकर एडिशनल एसपी स्तर के अधिकारी के कुल कार्यकाल की गणना की जाएगी। इसके तहत अधिकारी के किसी जिले में पदस्थापना की कुल अवधि को जोड़ा जाएगा। नए मानक के अनुसार अगर कोई अधिकारी प्रमोशन के पहले भी उसी जिले में तैनात रहा है तो इस अवधि को भी जिले के कार्यकाल में जोड़ा जाएगा। यदि अधिकारी की किसी भी रैंक पर जिले में कुल पदस्थापना की अवधि 10 साल से अधिक होगी तो उसका ट्रांसफर दूसरे जिले में कर दिया जाएगा। हालांकि पीएचक्यू को जानकारी भी मिली है कि एक ही जिले में लंबे समय तक नौकरी का ठप्पा हटाने के लिए ये अफसर कई बार पड़ोसी जिले में तबादला करवा लेते हैं और थोड़े समय बाद ही वापस लौट आते हैं। अफसरों की इसी चालाकी को रोकने के लिए इस बार लगातार सेवा अवधि के बजाय कुल सेवा अवधि की गणना की जाएगी।

### सहयोगियों पर हावी होने और भ्रष्टाचार की शिकायतें बढ़ीं

पीएचक्यू की प्रशासन शाखा के स्पेशल डीजी आदर्श कटियार के अनुसार इस विषय पर फिलहाल कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, लेकिन विचार जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि व्यवस्था में सुधार के लिए जल्द ही गाइडलाइन तैयार कर जिलों को इस संबंध में निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। गौरतलब है कि पुलिसकर्मियों के एक ही स्थान पर लंबी पोस्टिंग के कारण सिस्टम में हेरफेर, सहयोगियों पर हावी होने और भ्रष्टाचार जैसी कई शिकायतें लगातार पुलिस के आला अफसरों के पास पहुंचती रही हैं। हालांकि इस प्रकार के नियम बनाकर कई बार जिलों को भेजे गए थे, लेकिन उन्हें पहले कभी सख्ती से लागू नहीं किया गया था। यही वजह है कि इस बार पुलिस विभाग के मुखिया इस बार ऐसी व्यवस्था बनाने पर फोकस कर रहे हैं, जिससे अनचाही शिकायतें की संख्या कम हो जाए।

# आदिवासी बाहुल्य जिले मंडला के शिक्षा विभाग में भी चल रहा ट्रांसफर पोस्टिंग का लम्बा खेल

**जागरण, मंडला ।** आदिवासी बाहुल्य जिला में हर तरफ हरियाली का माहौल बना हुआ जैसे ही मौसम करबट बदल लेता है, पर जिले में प्रशानिक अमला अपना रुख कब बदलेगा या फिर जिले के उच्च पद में अजगर की तरह आसीन अधिकारी कर्मचारी बड़े बड़े घोटाले ग़बन और नियमों की अनदेखी कर अपने जेब के साथ साथ घर भर रहे है और जिस तरह इस जिले में नियम कायदे चल रहें है शायद किसी जिले में चलता हो क्योंकि इस जिले में लूट सको तो लूट लो कि तर्ज में शासकीय कार्यालय में खेल चल रहा है और जिम्मेदार गाँधी जी के तीन बंदरों की तरह बन बैठे है न जहा कुछ दिखाई दे रहा न सुनाई दे और न ही दिखाई दे रहा क्योंकि इनके आगे सब गांधी जी हरि हरि नोटों की हरियाली छा रही है जहाँ पर कुछ न दिखाई पड़ता ओर न ही सुनाई आखिकार कब इस जिले के जिम्मेदार गहरी नींद से जागेंगे और इन्हें कौन जगाएगा,वही जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग में भी अजब गजब खेल चल रहा है और किस कदर नियमों की अनदेखी की जा रही है जहाँ पर वरिष्ठ की जगह कनिष्ठ को बनाया बीईओ, शासन निर्देशों की खुली अवहेलना, मंडला जिले में स्थानांतरण नीति पर उठे सवाल।

मंडला जिले में हाल ही में हुए स्थानांतरण के आदेशों को लेकर शिक्षा विभाग सहित कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। आरोप है कि शासन की स्पष्ट निर्देशों की अनदेखी करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को दरकिनार कर कनिष्ठ शिक्षकों को विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) का प्रभार सौंपा जा रहा है। इससे न सिर्फ प्रशासनिक मर्यादा भंग हो रही है बल्कि कर्मचारियों में असंतोष भी गहराता जा रहा है।दिनांक 17 जून 2025 को सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग मण्डला द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश में प्रभारी मंत्री की अनुमोदन का हवाला देते हुए उच्च माध्यमिक शिक्षकों को बीईओ जैसे उच्च प्रशासनिक पद का अतिरिक्त वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रभार सौंपा गया है। इस निर्णय में मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल के पत्र क्रमांक एक 6-1/2024/एफ/9 दिनांक 29.04.2025 एवं आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग म.प्र. के पत्र क्रमांक स्था/2025/9366 दिनांक 07.05.2025 का उल्लेख किया गया है।

**शासन आदेशों की खुलेआम की जा रही अनदेखी :** विभागीय सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश शासन ने पूर्व में जारी आदेश क्रमांक शिक्षा-स्था.1/884/2020/10954 दिनांक 26.06.2020, सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश दिनांक 04.11.1996 और 14.11.2014 तथा अन्य अधिसूचनाओं के तहत यह स्पष्ट किया था कि किसी भी रिक्त पद का प्रभार वरिष्ठता या समकक्ष अधिकारी को ही सौंपा जाना चाहिए। परंतु मंडला जिले में इस दिशा-निर्देश का खुला उल्लंघन देखने को मिल रहा है, जहां कनिष्ठ अधिकारियों को वरिष्ठ अधिकारियों के ऊपर बैठा दिया गया है।

## प्रशासनिक असंतुलन और कर्मचारियों में असंतोष पर कौन सुनेगा

वही कुछ कर्मचारियों का कहना है कि इससे वरिष्ठ अधिकारियों को अपने कनिष्ठों के अधीन काम करना पड़ रहा है, ये कैसा समय आ गया है जो प्रशासनिक दृष्टिकोण से असंगत है।

विभागीय सूत्रों का कहना है कि प्रभारी मंत्री को केवल तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की जिले में पदस्थापना के अधिकार हैं, द्वितीय श्रेणी के अधिकारी जैसे बीईओ के प्रभार हेतु उनका अनुमोदन नियमों के अनुरूप नहीं है।

## उठी मांग, नियमों के अनुसार हो स्थानांतरण

वही कर्मचारी संगठनों ने जिला प्रशासन से आग्रह किया है कि स्थानांतरण नीति में पारदर्शिता बरती जाए और नियम विरुद्ध पदस्थापनों पर तत्काल रोक लगाई जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो कर्मचारी आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। मंडला जिले में स्थानांतरण नीति 2025 के तहत वरिष्ठता की अनदेखी कर बीईओ पद पर कनिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति ने शासन की नीतियों पर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। यह नियुक्तियां न केवल नियम विरुद्ध मानी जा रही हैं, बल्कि इससे प्रशासनिक ढांचा भी प्रभावित हो रहा है।

## इस संबध में क्या कहते है जिम्मेदार

वरिष्ठ की जगह कनिष्ठ को बीईओ का प्रभार दिया जाना ग़लत है, जिला शिक्षा समिति की बैठक मे यह मामला उठाया जायेगा, अधिकारियों को शासनादेश का पालन किया जाना चाहिए।

**इंजी. कमलेश तेकाम**
**उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति अध्यक्ष**
**जिला पंचायत मण्डला**

# करंट की चपेट में आकर तेंदुए की दर्दनाक मौत

**जागरण, डिंडौरी।** जिले के करंजिया वन परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खन्नात के वनग्राम पकरी सोढ़ा के जंगल में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना में करंट की चपेट में आकर एक नर तेंदुए और एक सियार की मौके पर ही मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जंगल से होकर गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन लाइन तेज आंधी-तूफान के चलते टूटकर जमीन पर गिर गई थी। इसी दौरान तेंदुआ और सियार उसके संपर्क में आ गए, जिससे दोनों की तत्काल मृत्यु हो गई। दोपहर खेत जा रहे ग्रामीणों ने जब यह दृश्य देखा, तो तत्काल ग्रामवासियों को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग और प्रशासन को सूचित किया गया।सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची और शनिवार को विशेषज्ञ वेटनरी डॉक्टरों की टीम द्वारा तेंदुए का पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के उपरांत तेंदुए का विधिवत अंतिम संस्कार वन अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशासन की निगरानी में किया गया। इस मौके पर डीएफओ पुनीत सोनकर, रेंजर मयंक पांडे, तहसीलदार शैलेश गौर, पशु चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम, और वन विभाग का अमला मौजूद रहा। अधिकारियों ने बताया कि घटना का मुख्य कारण तेज आंधी-तूफान के कारण हाईटेंशन लाइन का टूटकर गिरना रहा। वन विभाग ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

**सवालों के घेरे में वन्यजीव सुरक्षा :** इस घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जंगल से गुजरने वाली हाईटेंशन लाइनों की समय-समय पर मॉनिटरिंग और मेंटेनेंस न होना ऐसी घटनाओं को जन्म देता है।

# रीवा के एथलीट अभिनव माझी को देश में प्रथम स्थान

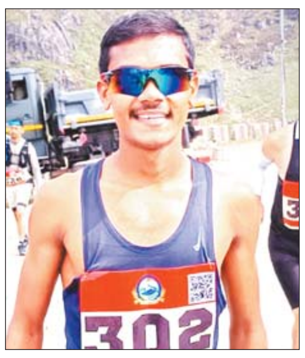

**जागरण, रीवा।** सिक्किम के गंगटोक में 42 किलोमीटर लंबी हाई एटीट्यूड इंटरनेशनल मैराथन में रीवा के 19 वर्षीय अभिनव माझी ने देश में प्रथम स्थान हासिल कर अपना नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रीवा का गौरव बढ़ाया है। अभिनव माझी ने पूरी दुनिया के एथलीटों के बीच ओपन स्पर्धा मे 12 वां स्थान प्राप्त किया है। 42 किलोमीटर लंबी इस मैराथन को बेहद कठिन माना जाता है। अभिनव ने 19 साल की उम्र में सिक्किम के गंगटोक में आयोजित सेलिब्रेशन ऑफ सिक्किम स्टेटहुड हाई एटीट्यूड इंटरनेशनल मैराथन प्रतियोगिता में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय एथलीटों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभी का लोहा मनवाया है। इस प्रतियोगिता का इस साल यह 50 वां यानि स्वर्ण जयंती वर्ष था। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूरी दुनिया से लगभग 400 एथलीट पहुंचे थे। दूसरे स्थान पर इथोपिया रहा। भारतीय एथलीट रीवा के अभिनव माझी ने भारत की ओर से 2 घंटे 54 मिनट का समय निकालकर प्रथम स्थान हासिल किया है।

# ग्राम खैरी प्रतीक्षालय के पास से 12 बोर देशी कट्टा, कारतूस सहित आरोपी गिरफ्तार

**छतरपुर।** छतरपुर जिले में पुलिस द्वारा अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत निरंतर कार्यवाही की जा रही है। विगत दिनों में जिले में अवैध हथियारों की तस्करी, निर्माण एवं उपयोग में लिप्त 350 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिसमें अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्रियों पर छापामार कार्यवाही भी शामिल है। इसी क्रम में रात्रि रोड पेट्रोलिंग के दौरान थाना बमीठा पुलिस ग्राम खैरी प्रतीक्षालय के पास में संदिग्ध व्यक्ति के अवैध हथियार सहित होने की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया, पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक अवैध 12 बोर देशी कट्टा, कारतूस कीमत बरामद किया गया। अवैध हथियार में लिप्त आरोपी रामेश्वर पटेल पिता मोतीलाल पटेल निवासी ग्राम जटा पहाड़ी थाना बमीठा को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध आयुध अधिनियम की धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है। अभियुक्त को न्यायालय पेश किया गया। इस कार्यवाही में एसडीओपी खजुराहो प्रभार श्री नवीन दुबे के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बमीठा निरीक्षक आशुतोष श्रोत्रिय, सहायक उप निरीक्षक अशोक शर्मा, कमलेश द्विवेदी, प्रधान आरक्षक राजेश पाठक, आरक्षक उदयवीर सिंह राज बहादुर, निकेश, भानु, बेटालाल की भूमिका रही।

# योग जीवन का अभिन्न हिस्सा, इसे अपनी दिनचर्या में अपनाएं : राज्यमंत्री श्री अहिरवार

**जागरण, खजुराहो ।** संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा योग को वैश्विक पहचान देते हुए वर्ष 2015 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का एक दशक पूरा हुआ है, इस अवसर पर सभी जिलों में वृहद रूप से सामूहिक योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत सरकार द्वारा इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की निर्धारित थीम एक पृथ्वी एवं एक स्वास्थ्य के लिए योग है।

इस योग संगम में छतरपुर जिले के खजुराहो में मुख्य अथिति वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार की गरिमामई उपस्थिति में पश्चिमी मंदिर समूह में वृहद सामूहिक योगभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, खजुराहो नगर परिषद अध्यक्ष अरुण अवस्थी एवं प्रशासनिक अधिकारियों में एसपी अगम जैन, सीईओ जिला पंचायत तपस्या परिहार, एडीएम मिलिंद नागदेवे, सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, डिप्टी कलेक्टर विशा माधवानी सहित जिले के सभी अधिकारियों ने बढ़चढकर सामूहिक योगाभ्यास किया। इसके साथ ही जिले के एनसीसी ऑफिसर्स, कैडेट्स, स्कूल के शिक्षक एवं छात्र छात्राएं, खजुराहो सीआईएसएफ के जवान, पहल वाटिका योग ग्रुप, के लोग एवं कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक और छोटे बच्चे शामिल हुए एवं आम नागरिकगण ने भी बढ़चढकर सामूहिक योग किया। जो मंदिर परिसर की दिव्यता के बीच उत्साहपूर्वक योग करते नजर आए। कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में आरके बीच से प्रसारित सीधा संबोधन एवं माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश भी लाइव भोपाल में अटल पथ से टेलीकास्ट किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने बड़े ध्यान से सुना। पर्यावरण मंत्री दिलीप अहिरवार ने योग को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि मैं स्वयं प्रतिदिन योग करता हूँ, यह जीवन में संतुलन, अनुशासन और शांति लाता है। और सभी से आग्रह किया कि सभी नागरिकों को योग को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

## योग से मिलती है शारीरिक एवं मानसिक शक्ति : विधायक श्री पटेरिया

विधायक अरविंद पटेरिया ने कहा कि हम हर वर्ष भगवान मतंगेश्वर की उपस्थिति में योग करते हैं। माननीय प्रधानमंत्री जब योग को विश्व मंच पर लाए, जिससे आज यह योग भारत की पहचान है। योग से हमें मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है उन्होंने कहा कि इसे हर दिन की दिनचर्या में शामिल करें, तभी हम स्वस्थ और सशक्त बनेंगे।

# सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर की भर्ती के लिए पंजीयन शिविर 24 जून से

**जागरण, छतरपुर ।** छतरपुर जिला पंचायत सीईओ तपस्या परिहार के निर्देशन में एसआईएस सिक्योरिटी द्वारा जिले के 8 विकासखंडों में सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर हेतु बेरोजगार युवाओं के लिए पंजीयन शिविर का आयोजन किया जाना है, जिसमें उक्त पदों पर पंजीकृत युवाओं को प्रशिक्षण उपरांत संस्था द्वारा स्थाई रोजगार से जोड़ जाएगा।जिले के समस्त विकास खंडों मे एक-एक दिवसीय विकासखंड स्तरीय जनपद पंचायतों में पंजीयन शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसमें 300 सुरक्षा जवान एवं 15 सुपरवाइजर कर्मियों के लिए इच्छुक बेरोजगार युवकों का पंजीयन किया जाना है। सुरक्षा जवान के लिए 10वीं पास, उम्र 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 168 सेमी, वजन 56 से 90 किग्रा, सीना 80 से 85 सेमी एवं फिटनेस सर्टिफिकेट एवं सुपरवाइजर के लिए 12वीं से ऊपर, उम्र 21 से 40 वर्ष, ऊंचाई 170 सेमी से ऊपर, वजन 56 से 90 कि.ग्रा. है। मार्कशीट, 3 फोटो, आधार कार्ड, 350 रुपए पंजीयन शुल्क एवं प्रशिक्षण केंद्र में प्रवेश के दौरान प्रशिक्षण किट (ड्रेस, टाई, बेल्ट, जूता, मोजा आदि) के लिए 10,500 रुपए प्रशिक्षणार्थी को स्वयं जमा करना होगा। पंजीयन कैंप 24 एवं 25 जून को जनपद पंचायत राजनगर, 26 एवं 27 जून को जनपद पंचायत नौगांव, 30 जून एवं 1 जुलाई को जनपद पंचायत लवकुशनगर, 2 जुलाई को जनपद पंचायत गौरिहार, 5 एवं 7 जुलाई को जनपद पंचायत बिजावर, 8 एवं 9 जुलाई को जनपद पंचायत बड़ामलहरा, 10 एवं 11 जुलाई को जनपद पंचायत छतरपुर, 14 जुलाई को जनपद बक्सवाहा, 15 जुलाई को ग्राम पंचायत चंद्रनगर, 16 जुलाई को ग्राम पंचायत घुवारा एवं 17 जुलाई को नगर पंचायत सटई में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा। एवं अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी से संपर्क 9205055417 करें।

# विश्व योग दिवस पर जिला न्यायालय में हुआ योग शिविर का आयोजन

**छतरपुर ।** माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के कर कमलों द्वारा किया गया। उक्त शिविर में योग शिक्षक के रूप में श्रीमती मोहिनी शुक्ला द्वारा योगाभ्यास कराया गया। माननीय न्यायाधीश महोदय द्वारा बताया गया कि योग हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण दिनचर्या है जब हम योग करते हैं तो हमारे मन एवं चित्त हमेशा स्वस्थ्य रहता है। योग शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय श्री रविन्दर सिंह, माननीय प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री राजेश कुमार देवलिया, जिला न्यायाधीश श्री हिमांशु शर्मा, जिला न्यायाधीश श्री निवेश कुमार जायसवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती स्वाती निवेश जायसवाल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री विष्णु प्रसाद सोलंकी, व्यवहार न्यायाधीश, श्री अरविंद गुर्जर, व्यवहार न्यायाधीश श्रीमती रानो बघेल, एवं अन्य न्यायाधीशगण के साथ अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष श्री विनोद दीक्षित देवेन्द्र अनुरागी (राष्टपति) एवं अन्य अधिवक्तागण जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री वीरेन्द्र चढ़ार, सहित न्यायालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखता है खेल : डॉ. रामभूषण

**जागरण, रीवा।** स्थानीय मेडिकल कॉलेज में दो दिवसीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। प्रो. उमा परौहा टेबल टेनिस स्पर्धा का शुभारंभ एपीएस विवि के शारीरिक शिक्षा विभाग के डायरेक्टर डॉ. रामभूषण मिश्रा के मुख्य आतिथ्य व संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरे की अध्यक्षता में हुआ। राष्ट्रीय फुटबाल खिलाड़ी मोहनलाल शुक्ला ने विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। स्वागत उद्बोधन चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. केके परौहा व प्रगति प्रतिवेदन डॉ विनोद तिवारी ने प्रस्तुत किया जबकि संचालन स्पर्धा संयोजक असद खान ने किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए डॉ. रामभूषण मिश्रा ने कहा कि खेल मष्तिष्क को एकाग्र कर शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखता है। वहीं, मोहनलाल शुक्ल ने बच्चों की प्रतिभा को सराहा तथा निरंतर खेल जारी रखने की सलाह दी। स्पर्धा में रीवा, सतना, शहडोल, पन्ना, धनपुरी, दमोह आदि जिलों से आए प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के पहले दिन डॉ. ऋचा सिंह, यशराज गोस्वामी, नंद किशोर नंदा, ऋतिक सिंह, दुर्गेश, शहनबाज खान आदि ने क्वाटर फाइनल में प्रवेश किया तथा अरीशा खान, आयरा खान, रोजी मंसूरी, कशिश मंसूरी ने अग्रिम चक्र में प्रवेश किया। टेबल टेनिस स्पर्धा का समापन तथा पुरस्कार वितरण आज शाम 4 बजे किया जाएगा। इसके मुख्य अतिथि एएसपी आरती सिंह, विशिष्ट अतिथि कार्डियोलाजिस्ट डॉ. व्हीडी त्रिपाठी होंगे।

# पुलिस की तत्परता से चोरी गया पिकअप वाहन मात्र 06 घंटे में किया गया बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**जागरण, डिंडोरी ।** दिनांक 22.06.2025 को फरियादी गगनदास राजपाल, निवासी पुरानी डिंडौरी द्वारा थाना कोतवाली डिंडौरी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनका पिकअप वाहन क्रमांक स्क्क52 व्र 0159, जो कि ड्राइवर द्वारा दिनांक 21.06.25 को शाम 06¬45 बजे सब्जी मंडी के पास रोड किनारे खड़ा कर चाबी ऑफिस में रख दी गई थी, अगली सुबह 08¬15 बजे चोरी हो गया है।इस रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 414/25 धारा 303(2) क्क्हस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर त्वरित विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा एवं एसडीओपी विवेक गौतम के निर्देशन में थाना प्रभारी कोतवाली द्वारा तत्काल एक विशेष टीम गठित की गई।मुखबिरों को सक्रिय करते हुए तकनीकी रूप से विश्लेषण किया गया, जिसमें वाहन को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा ले जाते हुए देखा गया। फुटेज व पूछताछ के आधार पर संदेही की पहचान लालू उर्फ राजपाल मिश्रा, पिता सुखन मिश्रा, उम्र 47 वर्ष, निवासी ग्राम सिमरिया, थाना चुरहट, जिला सीधी (वर्तमान पता ङ्क वार्ड क्र. 13, पुरानी डिंडौरी) के रूप में की गई।

पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकारते हुए बताया कि उसे पैसों की सख्त जरूरत थी, जिसके चलते उसने पिकअप वाहन को चोरी कर प्रमोद गुप्ता के गल्ला गोदाम के पास छिपा दिया था और बेचने की फिराक में था।पुलिस की सतर्कता एवं तत्परता से चोरी गया वाहन बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

# परिवार के दो पक्षों में हुआ विवाद, चले लाठी-डंडे, कुल्हाड़ी

## दो लोग हुए घायल जिला अस्पताल में चल रहा इलाज

**जागरण, छतरपुर ।** जिले के हरपालपुर थाना क्षेत्र के ग्राम लहदरा में सेंगर परिवार में दहेज प्रताडऩा से जुड़ा पुराना विवाद एक बार फिर से सुर्खियों में है। बताया गया है कि सेंगर परिवार की महिला ने अपने पति, बेटों सहित दो अज्ञात लोगों के साथ मिलकर अपने जेठ और चाचा ससुर पर लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला किया है। इस हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें हरपालपुर उप स्वास्थ्य केंद्र से छतरपुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वहां पुलिस ने दोनों पक्षों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

घायल संतोष सिंह ने बताया कि बीते रोज उनकी मां स्वर्गीय केसर देवी की 6वीं पुण्यतिथि के कार्यक्रम के दौरान विवाद शुरू हुआ। उन्होंने बताया कि परिवार का मानवेंद्र और बहू उपासना बार-बार लाइट के तार निकाल रहे थे। जब वह सुधारने गया, तो मानवेंद्र ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। चाचा वीरेंद्र सिंह और पिता शोभा सिंह बचाने आए, लेकिन मानवेंद्र के बेटे अंजुल और प्रांजुल ने उन पर भी हमला कर दिया। संतोष के मुताबिक उपासना ने भी लाठी से उसे मारा, जिससे उसका हाथ फ्रैक्चर हो गया है। वहीं, शोभा सिंह ने बताया कि उपासना ने 2008 में परिवार के सात सदस्य मानवेंद्र, शोभा, केसर देवी, वीरेंद्र, संतोष, बसंत कुमार और वीर सिंह पर दहेज प्रताडऩा और मारपीट का मामला दर्ज कराया था, जिसमें सभी जेल गए थे। छह माह पहले भी उपासना के कहने पर मानवेंद्र ने शोभा और उनके नाती विशाल सिंह को पीटा था, जिसमें विशाल का हाथ टूट गया था और शोभा को गंभीर चोटें आई थीं। इसकी रिपोर्ट भी दर्ज हुई थी।

# मंडला में 33 लाख का स्कैम, अकाउंटेंट ने ऐसे डकारी शिक्षकों की सैलरी

**जागरण, मंडला।** नैनपुर में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में लाखों रुपए के गबन का मामला सामने आया है. कार्यालय में पदस्थ निवर्तमान लेखापाल सुरेश तिवारी ने कोषालय ई भुगतान प्रणाली का गलत इस्तेमाल कर 33 लाख रुपए के घोटाले को अंजाम दिया है. जिसकी जांच आयुक्त कोष एवं लेखा विभाग भोपाल के आदेश पर संयुक्त कोष एवं लेखा जबलपुर के अधिकारियों द्वारा की गई है.

**सातवें वेतनमान के एरियर्स की राशि में हेरफेर :** दरअसल, गबन मामले की जांच कर रहे संयुक्त संचालक वित्त शाखा जबलपुर रोहित कौशल ने बताया कि जांच में यह सिद्ध हुआ है कि अकाउंटेंट सुरेश तिवारी ने साल 2018 से 2022 के बीच 33 लाख की राशि का गबन किया है.卐 उन्होंने बताया कि लेखापाल ने सातवें वेतनमान के एरियर्स की राशि में हेरफेर कर घोटाले को अंजाम दिया हैरोहित कौशल ने बताया कि सुरेश तिवारी ने शिक्षकों के स्थानांतरण के बाद भी वेतन निकालना जारी रखा. एक व्यक्ति के दो-दो बैंक खाते बनाकर अपने ही परिवार के सदस्यों के खाते में राशि का हस्तांतरण किया. साथ ही रिटायर्ड हुए कर्मचारियों के अलावा मृतक कर्मचारियों के परिजनों को मिलने वाली राशि में भी हेरफेर की।

**65 कर्मचारियों की राशि में हुई गड़बड़ी :** जांच के दौरान बीईओ कार्यालय नैनपुर से जुड़े लगभग 65 कर्मियों की राशि में गड़बड़ी करने का मामला सामने आया है. जांच अधिकारियों ने तत्कालीन बीईओ सी एल पटेल की भूमिका को भी संदिग्ध माना है. रोहित कौशल ने बताया कि 卐2018 से 2022 के बीच हुए इस घोटाले में लेखापाल ने अपनी पत्नी, बेटी और खुद के अकाऊंट में गबन की राशि जमा करवाई है. इस सम्पूर्ण मामले की जांच पिछले 3 महीने से संयुक्त कोष एवं लेखा जबलपुर के अधिकारियों की टीम द्वारा नैनपुर बीईओ कार्यालय पहुंचकर की जा रही थी।

## लेखा विभाग ने दिए खाते बंद करने के आदेश

बता दें कि इस गड़बड़ी को कोष एवं लेखा विभाग के कोषालयीन सर्वर आईएफएमआईसी ने सर्वप्रथम पकड़ा था. आयुक्त कोष एवं लेखा विभाग भोपाल ने जिला कोषालय अधिकारी को कुछ खाते बन्द करने के आदेश भी दिए हैं. घोटाला उजागर होने के बाद अकाउंटेंट सुरेश तिवारी को नैनपुर से हटाकर मण्डला कार्यालय में अटैच किया गया है ।

# अवैध कट्टा और कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

**छतरपुर ।** जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे पुलिस अभियान के तहत बमीठा थाना पुलिस ने ग्राम खैरी प्रतीक्षालय के पास एक बड़ी सफलता हासिल की। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध रामेश्वर पटेल को 12 बोर देशी कट्टा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई जिले में अवैध हथियारों की तस्करी और उपयोग पर नकेल कसने की दिशा में एक और कदम है, जहां अब तक 350 से अधिक आरोपियों को पकड़ा जा चुका है।थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय ने बताया कि रात्रि पेट्रोलिंग के दौरान बमीठा पुलिस को सूचना मिली कि खैरी प्रतीक्षालय के पास एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार के साथ मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। संदिग्ध रामेश्वर पटेल, पिता मोतीलाल पटेल, निवासी जटा पहाड़ी, भागने की कोशिश में था, लेकिन पुलिस ने उसे धर दबोचा। तलाशी में उसके पास से एक 12 बोर देशी कट्टा और कारतूस बरामद हुए।

जगदेव इनक्लेव बीड़ा रोड, ढेकहा
निम्न आय (LIG)
और आर्थिक कमजोर वर्ग
(EWS) के भूखंड उपलब्ध हैं।
जगदेव कॉलोनी में
6- no. LIG साइज 75
वर्ग मी. तथा 9- no. EWS
साइज 37.5 वर्ग मी के उपलब्ध है।
पात्र व्यक्ति अपनी पात्रता
प्रमाणपत्रों के साथ 29 जून 2025
के पूर्व तक आवेदन करें।
द्वारा- गुरुदेव सिंह
जगदेव इनक्लेव ढेकहा रीवा म.प्र.

# घर पर वर्षा से आराम फरमाते हैं भौकाल इतना कि खाते में वेतन पहुंचे बेहिसाब

**पन्ना।** शाहनगर विकासखण्ड अन्तर्गत वेतन घोटाले का मामला प्रकाश में आया है जिसमें शासकीय हाईस्कूल मैन्हा में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक बाल्मीक बागरी सन् 2019 से वर्तमान तक जनपद शिक्षा केन्द्र गुनौर में विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है, किन्तु साहेब का भौकाल इतना है कि साहेब ना गुनौर में कार्यरत है और नाहि मैन्हा में, किन्तु महगाई के दौर में वेतन बेधड़क साहेब के खातें में वर्षो से डाली जा रही है। मामले की पडताल करने पर पता चला कि पूर्व प्रभारी प्राचार्य मैन्हा सुशील श्रीवास्तव, सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी शाहनगर कमल सिंह व प्रभारी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी रागिनी तिवारी की चैकड़ी द्वारा आपस में हितलाभ साधते हुए यह खेल रचा गया, आपस में क्या समझौता या लेनदेन था यह अब भी रहस्यमयी बना हुआ है। मामले का खुलासा सूचना के अधिकार 2005 के तहत जानकारी प्राप्त हाने पर हुआ, जिसमें शिकायतकर्ता ने पाया कि संबंधीजन को बगैर उपस्थिति के इन तीनों के द्वारा वेतन हितलाभ घर बैठे अनवरत बेरोकटोक पहुँचाया जा रहा था। जनपद शिक्षा केन्द्र गुनौर बीआरसीसी गणेश शंकर शर्मा ने बताया कि जनपद शिक्षा केन्द्र गुनौर की उपस्थिति पंजी में संबंधीजन के कई सालों से हस्ताक्षर है ही नहीं, बाल्मीक बागरी बगैर सूचना के अनुपस्थित है, और नाहि अभी तक कार्यालय से मुक्त हुए है, वा नाहि मेरे कार्यालय से संबंधीजन की वेतन हेतु उपस्थिति के माहवार कोई भी दस्तावेज शुरूवात से आज वर्तमान तक मैन्हा कार्यालय को जारी किए गए है। बगैर उपस्थिति के कैसे वेतन जारी होती रही है, यह किसी चमत्कार से कम नहीं। वहीं दूसरी ओर संकुल मैन्हा की वर्तमान प्रभारी प्राचार्य सुभाषिनी गुप्ता ने बताया कि उपलब्ध रिकार्ड के अनुसार संबंधीजन मैन्हा में सन् 2019 से उपस्थित नहीं हैं किन्तु पूर्व प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव द्वारा नियमित वेतन भुगतान के बिल लगाकर लिपिक द्वारा डीडीओ विकासखण्ड शाहनगर भेजकर संबंधीजन को वेतन भुगतान की जाती रही है, जो आज भी लगातार जारी है, चूँकि शिकायकर्ता द्वारा उक्त मामला मेरे संज्ञान में लाया गया है, जिस पर वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशन में कार्यवाही की जावेगी तथा कार्यालय में पदस्थ दोनों लिपिकों वा संबंधीजन को कारण बताओं सूचना पत्र भी जारी किए गए है।

उक्त मामले में शिकायतकर्ता द्वारा वरिष्ठ कार्यालयों में शिकायती आवेदन देकर संबंधित दोषियों के विरूद् आहरित वेतन की वसूली वा कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की मॉग की गई है तथा जब तक दोषियों के विरूद्व जॉच जारी रहे उन्हे निलंबित रखा जावे ताकि जॉच निष्पक्ष हो सके।

## इनका कहना है

पूर्व प्राचार्य सुशील श्रीवास्तव मैन्हा द्वारा संबंधीजन को अनवरत वेतन भुगतान की जाती रही है, मामला संज्ञान में आने के बाद वेतन भुगतान आगे नहीं किया जावेगा, वरिष्ठ कार्यालय के निर्देशन में आगें कार्यवाही की जावेगी।

**सुभाषिनी गुप्ता**
**संकुल प्राचार्य**
**शास0 हाई स्कूल मैन्हा, पन्ना**

संबंधीजन प्रतिनियुक्ति पर सन् 2019 से जनपद शिक्षा केन्द्र गुनौर पर कार्यरत है, जिस बावत् उनको वेतन भुगतान की जाती रही है, उपस्थिति की जानकारी लिपिकों को होगी।

**सुशील श्रीवास्तव**
**पूर्व संकुल प्राचार्य शास0हाई स्कूल मैन्हा, पन्ना**

संबंधीजन प्रतिनियुक्ति पर सन् 2019 से जनवरी 2023 तक बीआरसीसी गुनौर में पदस्थ थे, कर्मचारियन उपस्थिति पंजी में जनवरी 2023 के बाद हस्ताक्षर नहीं है, और नाहि उनका कोई रिकार्ड उपलब्ध है। वर्तमान में भी वह इस कार्यालय से कार्यमुक्त नहीं हुए है वा बगैर सूचना के जनवरी 2023 से अनुपस्थित है।

**गणेश शंकर शर्मा**
**बीआरसीसी**
**जनपद शिक्षा केन्द्र, गुनौर**

# जनसुविधाओं पर जिम्मेदारों की अनदेखी

### ग्राम पंचायत ताला में पंचायत के सामने लगा दिखा जुआ फड़

### ग्राम पंचायत पर जुरसिंघा के ग्रामीणों ने लगाए स्वार्थपूर्ति के आरोप

**पवई।** शाहनगर शासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र विकास को लेकर निरंतर प्रयास और योजनाएं संचालित हैं। लेकिन ग्राम पंचायतों में व्याप्त भ्रष्टाचार के चलते आज भी शाहनगर क्षेत्र के ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। भ्रष्ट कार्यशैली को लेकर सुर्खियों में बनी यहां की ग्राम पंचायत ताला अंतर्गत ग्राम जुरसिंघा के लोगों ने बताया की गांव में सड़कों और गलियों के सुधार पर कोई कार्य नहीं किया गया जबकि अनुपयोगी कार्यों पर शासकीय धन का दुरुपयोग किया जा रहा है। भाटिया नामक स्थान पर करीब 20 लाख की राशि का व्यय किया गया है। जबकि वहां का उपयोग बहुत ही कम है।

यहां के ग्राम पंचायत परिसर में ही ताश पत्तों के खेल में सरपंच खुद ग्रामीणों के साथ मनोरंजन करते देखे गए। ग्राम पंचायत के सामने लगा रहता है जुआ फड़ सरपंच भी इसमें देखे गए शामिल। और सरपंच पर स्वार्थसिद्धि तक सीमित रहने के आरोप सामने आए हैं। जुरसिंघा मे 2 बार सी सी स्वीकृत हुई थी. परन्तु विवादित स्थति होने के कारण अन्यत्र जगह पर कार्य कराया गया है।

## आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित

**पन्ना ।** महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पन्ना जिले में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रिक्त 13 पद एवं सहायिका के 328 रिक्त पद पर भर्ती के लिए एमपी ऑनलाइन द्वारा तैयार चयन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विगत 20 जून से आवेदन की प्रक्रिया प्रारंभ है। महिला आवेदकों द्वारा पोर्टल पर आगामी 4 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है, जबकि आवेदन में संशोधन की तिथि 7 जुलाई निर्धारित है। जिला कार्यक्रम अधिकारी अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि परियोजना अजयगढ़ में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के क्रमशः 3 एवं 85, गुनौर में 2 एवं 51, पन्ना ग्रामीण में 3 एवं 73, पवई में 1 एवं 65 तथा शाहनगर में कार्यकर्ता के 4 एवं सहायिका के रिक्त 49 पद पर भर्ती की जाना है, जबकि पन्ना शहरी परियोजना अंतर्गत कार्यकर्ता के एक भी पद रिक्त नहीं हैं, केवल वार्डवार आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त सहायिका के 5 पद पर भर्ती की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता, आयु एवं अन्य नियम निर्देशों की जानकारी के लिए पोर्टल का अवलोकन किया जा सकता है। कार्यालयीन दिवस एवं समय पर कलेक्ट्रेट स्थित जिला कार्यक्रम अधिकारी अथवा परियोजना कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं।

## जिला स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 जून को

**पन्ना ।** गृह विभाग के आपदा प्रबंधन संस्थान के निर्देशानुसार जेंडर संवेदनशीलता एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण विषय पर जिला प्रशासन के समन्वय एवं यूएन वीमेन इंडिया के तत्वाधान में बुधवार, 25 जून को सुबह 10.30 बजे से शाम 4 बजे तक मड़ला के एमपीटी होटल में जिला स्तरीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। जिला कलेक्टर ने एक दिवसीय कार्यक्रम के लिए संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम को नोडल अधिकारी बनाया है, जबकि संबंधित विभागीय अधिकारी एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा भी आवश्यक सहयोग व समन्वय किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि आपदा प्रबंधन की तैयारी एवं प्रतिक्रिया प्रणालियों में जेंडर समानता, सामुदायिक लचीलापन एवं विभागीय समन्वय की प्राथमिकता अनुसार गत दिवस राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ था। इस क्रम में स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं संवेदनशील समुदायों से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

# बोरी रोड पर पलटा ऑटो, बैठी हुई सवारियों को आयी चोट, टला बड़ा हादसा

**पवई।** शाहनगर बोरी रोड पर उस समय एक बड़ा हादसा टल गया, जब तेज रफ्तार में जा रहा एक ऑटो अचानक असंतुलित होकर पलट गया। बताया जा रहा है कि ऑटो में सवार यात्री अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे, तभी मोड़ पर चालक का नियंत्रण ऑटो से हट गया और वाहन पलट गया। हालांकि घटना में किसी की जान को कोई गंभीर नुकसान नहीं हुआ, लेकिन कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ऑटो में क्षमता से अधिक सवारी भरी हुई थी और चालक तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है।

गनीमत रही कि यह हादसा जानलेवा नहीं साबित हुआ, लेकिन एक बार फिर यह घटना लापरवाही से वाहन चलाने के खतरों की ओर इशारा करती है।

## जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आज

पन्ना । कलेक्टर सुरेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार, 23 जून को सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक होगी। कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग जे.पी. सोनकर ने सर्वसंबंधितों से बैठक में जानकारी के साथ उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

## प्रेक्षक से कर सकते हैं संपर्क

पन्ना । राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर परिषद ककरहटी के वार्ड क्रमांक 13 में पार्षद पद के उप निर्वाचन के लिए नियुक्त प्रेक्षक राजा सिंह परिहार पन्ना पहुंच गए हैं। प्रेक्षक श्री परिहार सर्किट हाउस पन्ना में ठहरे हैं। उप चुनाव के संबंध में कोई भी व्यक्ति अथवा दल के प्रतिनिधि सर्किट हाउस में प्रेक्षक से संपर्क कर सकते हैं। प्रेक्षक के मोबाइल नंबर 9406621016 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

## लिफ्ट लगाने वाली कंपनी हुई गायब तो प्रबंधन ने ब्लैक लिस्टेड करने भेजा प्रस्ताव

**जागरण,रीवा।** श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में दो अकादमिक भवन किसी प्रकार बनकर तैयार तो हो गए हैं लेकिन इनसे जुड़ी समस्याएं अभी बरकरार हैं। इसके निर्माण के शुरुआत से ही समस्याएं ऐसी शुरू हुई की वह अब तक खत्म नहीं हो रही हैं। बता दें कि जब इसका निर्माण शुरू हुआ तो भवन को पहले भव्या इंफ्राटेक कंपनी ने बनाया। फिर वह जब काम छोड़कर गायब हुई तो काम मेसर्स एमएसएलआर प्राइवेट लिमिटेड हरियाणा को दिया गया। हालांकि किसी तरह से कंपनी ने खींचतान कर पूरा तो किया, लेकिन बनाया हुआ भवन अब भी समस्याएं लिए खड़ा है। पूर्व की कंपनी भव्या इंफ्राटेक ने ही दोनों भवनों में 8 लिफ्ट लगाने का काम पीडब्ल्यूडी से ही रजिस्टर्ड कंपनी कोन एलीवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया था। कोन एलीवेटर कंपनी ने पूरी लिफ्ट नहीं लगाई और अचानक गायब हो गई। नए अकादमिक भवन क्रमांक 2 में सिर्फ दो ही लिफ्ट लगाई थीं। दो लगाई ही नहीं गई थीं। इसके पहले ही कंपनी भाग खड़ी हुई। इसके अलावा बीच में लिफ्ट में खराबी भी आ गई थी। तब से कंपनी को विभाग और श्याम शाह मेडिकल कॉलेज प्रबंधन दोनों तलाश रहे हैं। कोई भी नहीं पहुंचा। यही वजह है कि कंपनी की लापरवाही को देखते हुए मुख्य अभियंता भवन लोक निर्माण विभाग रीवा ने कोन एलीवेटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ ब्लैक लिस्टेड करने, विभाग से रजिस्ट्रेशन खत्म करने का प्रस्ताव ही भोपाल प्रमुख अभियंता के पास भेज दिया है। कोन कंपनी को जो काम मिला है, उसकी स्वीकृति को भी निरस्त करने की बात कही है। हालांकि भोपाल पत्र पहुंचते ही कोन एलीवेटर कंपनी में हड़कंप मच गया है।

**लिफ्ट तोड़कर बाहर निकाले गए थे छात्र :** श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के नए अकादमिक भवन में दो लिफ्ट कंपनी ने लगा दी थी। इन दोनों लिफ्ट का उपयोग शुरू हो गया था। एक लिफ्ट अचानक चलते हुए बंद हो गई थी। इस लिफ्ट में एमबीबीएस के कुछ छात्र फंस गए थे। जिन्हें लिफ्ट तोड़कर बाहर निकाला गया था। कंपनी का कोई भी इंजीनियर और अधिकारी यहां मौजूद नहीं था जो छात्रों की मदद कर सके।

# दो साल से टूटी पड़ी सड़क पर बहता गंदा पानी, हादसे का इंतजार कर रहा प्रशासन

### पवई के वार्ड क्रमांक 5 में मौत की सड़क

### प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनी सड़क 2 साल में ही जर्जर

### नल-जल योजना की टूटी पाइप लाइन से सड़क पर लगातार जलभराव

### स्कूल, अस्पताल और हाट बाजार जाने वाला मुख्य रास्ता भी यही

**पवई।** संबंधित विभागों की घोर लापरवाही उजागर यह वही सड़क है जो पवई से मुरकुछु होते हुए सलेहा,सतना,और कल्दा होते हुए मैहर को जोड़ती है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत लगभग 22.40 लाख की लागत से बनी इस सड़क की हालत महज़ दो साल में इतनी खराब हो चुकी है कि अब यह लोगों के लिए सुविधा नहीं बल्कि जान का खतरा बन गई है। भयानक स्थिति का जायजा चमरहा नाला के पास गहरी दरारें और कटाव रपटे के दोनों ओर सड़क कट चुकी है। दोनों किनारों पर करीब 7-8 फीट गहरे खतरनाक गड्ढे हैं कोई भी सुरक्षा संकेत या बेरिकेडिंग नहीं लगी है। फूटी हुई नल-जल पाइपलाइन से पानी का रिसाव जल लगातार बहता रहता है जिससे सड़क पर फिसलन बनी रहती है।

रास्ते से गुजरते वाहनो से गंदे पानी के छिट्टे से लोग भीगते हुए निकलते हैं।बच्चों और महिलाओं को खासकर खासी परेशानी होती है। सकरी सड़क, ऊपर से पानी का जमाव एक तरफ गड्ढा, दूसरी तरफ बहता पानी। वाहन चालकों के लिए यह मौत का बुलावा जैसा है। निर्माण एजेंसी और प्रशासन की भूमिका पर सवाल

**साइट पर लगे बोर्ड के अनुसार :**

निर्माण कार्य प्रारंभ 21.09.2020
पूर्णता तिथि 15.03.2022

ठेकेदार के द्वारा गारंटी दी गई 5 वर्षों तक रखरखाव की सवाल उठता है कि फिर मरम्मत क्यों नहीं हुई ? क्या ग्राम पंचायत और क्क्ल्लस्ङ्क विभाग ने कोई निरीक्षण किया ? क्या नल-जल योजना की खराब पाइप लाइन को मरम्मत करने का जिम्मा किसी ने उठाया ? कानूनी पहलू और नियमों का उल्लंघन प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना 5 वर्षों तक रखरखाव की शर्त का उल्लंघन स्थानीय निवासियों की पीड़ा हर दिन बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इस रास्ते से गुजरते हैं। बारिश में पानी भर जाता है, गड्ढे दिखते नहीं और बाइक फिसल जाती है।

**स्थानीय नागरिक, वार्ड 5 :** नल-जल का पानी वहीं से बहता है, शिकायत करने पर कोई कर्मचारी नहीं आता। पास के मकान एवं दुकान संचालकों सहित जनता की मांगें नाले के दोनों तरफ पक्के किनारे बनाए जाएं। फूटे पाइप लाइन की तत्काल मरम्मत हो। गड्ढों को तत्काल भरा जाए और रपटे पर सुरक्षा रेलिंग लगे। दोषी ठेकेदार और विभागीय अधिकारियों पर कार्रवाई हो। सड़क की दुर्दशा जानलेवा स्तर तक पहुँच चुकी है। जनता अब केवल मरम्मत नहीं, बल्कि जवाबदेही और कार्रवाई की मांग कर रही है।

**यह सवाल प्रशासन से :** पांच साल की वारंटी में यह सड़क कैसे जर्जर हुई ?

2. नल-जल की लीक पाइपलाइन को सुधारने में दो साल क्यों लगे ?

3. सड़क पर बेरिकेडिंग, साइनेज क्यों नहीं लगाए गए ?

4. किस अधिकारी ने इस सड़क का अंतिम निरीक्षण किया ?

## हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी में सड़क के डामरीकरण कार्य का हुआ भूमिपूजन

**जागरण, रीवा।** शहर के वार्ड क्रमांक 07 में मनीष भार्गव के घर के बगल से हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी की समस्त सड़क के डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन पार्षद अर्चना शिवदत्त पाण्डेय की उपस्थिति में वरिष्ठ मातृशक्ति मधुरिमा पांडेय के द्वारा किया गया। इस मौके पर पार्षद अर्चना शिवदत्त पाण्डेय ने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से हमारे परिवार को पुनः इस वार्ड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त हुआ है, इसलिये जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि वार्ड के विकास के लिये किसी भी प्रकार की कोई कोर कसर नही छोड़ी जायेगी। इस मौके पर वार्ड के वरिष्ठ नागरिक महेश खंडेलवाल, आशा सिंह भाटिया, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष प्रसाद पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रोफेसर विजय शंकर शुक्ला, बीबीएस चौहान, सुरेन्द्र सिंह, डॉ कलीम खान, लोकनिर्माण विभाग के अनुविभागीय अधिकारी संजीव कालरा, विजय खंडेलवाल, मनोहर मोटवानी, मनोज चड्ढा नगर निगम के उपयंत्री रमेश सिंह एवं संविदाकार संदीप तिवारी मौजूद रहे।

## बायपास में अंडरपास निर्माण के लिए बने कच्चे डायवर्सन मार्ग में भरा कीचड़ और पानी

**जागरण, रीवा।** शहर में बने बायपास सड़क को फोरलेन बनाने का काम आसपास के दर्जनों गांवों के लिए मुसीबत बन गया है। बायपास में अंडरपास निर्माण के लिए जगह-जगह बने कच्चे डायवर्सन मार्ग में कीचड़ और पानी भर गया है, जिससे दर्जनों गांवों का शहर से संपर्क कट गया है। अंडरपास निर्माण के लिए सभी मार्गो को अवरुद्ध कर दिया गया है और बायपास के ऊपर से जो डायवर्सन वाहनों के आवागमन के लिए बनाया है वह मिट्टी डालकर तैयार किया गया है जहां दो दिन से हो रही रुक-रुक बारिश के कारण पूरा मार्ग कीचड़युक्त हो गया है और तमाम पानी भर गया है। कंपनी की मनमानी के कारण न तो कोई वाहन डायवर्सन पार कर पा रहा है और न ही पैदल चलने वाले ही फिसलन होने के कारण बायपास पार कर पा रहे हैं। दिन में तो लोग किसी इधर उधर से बायपास पार कर लेते है लेकिन शाम को अंधेरा होते ही लोगों की मुश्किले बढ़ जाती हैं। गांवों की ओर जाने वाले हर मार्ग में कच्चा डायवर्सन बनाया गया है। डायवर्सन के नाम पर जेसीबी से जमीन को छील कर चिकना रास्ता तैयार किया गया था, जो बारिश शुरू होते ही कीचड़ से भर गया है। इस डायवर्सन से पैदल चलना तक मुश्किल हो रहा है। हैरत की बात यह है कि बायपास फोरलेन निर्माण में कंपनी द्वारा की जा रही मानमानी को देखने वाला कोई नहीं है। लोक निर्माण विभाग राष्ट्रीय राजमार्ग के न तो इंजीनियर दिखाई देते हैं और कोई सक्षम अधिकारी चल रह कार्य का निरीक्षण करते हैं। उल्लेखनीय है कि शहर में बनाये गये 19 किलोमीटर लंबाई के बायपास को फोरलेन बनाने का काम हरियाणा की कंपनी द्वारा किया जा रहा है।

## महामृत्युंजय कॉम्प्लेक्स में अतिक्रमणकारियों पर की गई सख्त कार्यवाही

**जागरण, रीवा।** शहर के बिछिया स्थित जिला अस्पताल के पास महामृत्युंजय कॉम्प्लेक्स परिसर में दुकानों के बाहर एवं सड़क पर अतिक्रमण कर कारोबार करने वाले दुकानदारों पर नगर निगम द्वारा सख्त कार्यवाही की गई। नगर निगम के उपायुक्त एमएस सिद्दीकी के नेतृत्व में राजस्व टीम ने शनिवार को आर के कार बाजार द्वारा पार्किंग एवं सड़क पर गाड़ियाँ खड़ी कर व्यापार किए जाने एवं आवागमन बाधित करने के कारण वाहन जब्त करते हुए चालानी कार्यवाही की गई। इसके साथ ही कॉम्प्लेक्स में शराब दुकान द्वारा खाली बोतलें बाहर फेंकने एवं रास्ते में बोर्ड लगाकर अतिक्रमण करने पर चालानी कार्यवाही की गई। शराब दुकान के बोर्ड को जेसीबी से उखाड़ दिया गया। इसके अलावा शराब दुकान के आसपास के दुकानदारों द्वारा डिस्पोजल, पानी पाउच और चिखना बेचने के कारण पूरे कॉम्प्लेक्स में गंदगी फैल रही थी। इन खाद्य दुकानों पर भी अव्यवस्था फैलाने के चलते चालानी कार्यवाही की गई। गौरतलब है कि नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे द्वारा वार्ड क्रमांक 42 के भ्रमण के दौरान महामृत्युंजय कॉम्प्लेक्स स्थित आर के कार बाजार की दुकान द्वारा सार्वजनिक स्थान पर गाड़ियाँ खड़ी कर अतिक्रमण करने की शिकायत पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। जिस परं कार्यवाही करते हुए कुल 10,000 रु. की चालानी राशि वसूल की गई। इस कार्यवाही में उपायुक्त एम.एस. सिद्दीक़ी, सहायक राजस्व अधिकारी नीलेश चतुर्वेदी, राजस्व निरीक्षक रवि मिश्रा, अतिक्रमण दल एवं राजस्व अमला मौजूद रहा।

# नाइट कॉम्बिंग गश्त में 228 आरोपियों पर सख्त कार्रवाई

## आमजन में सुरक्षा का भरोसा, अपराधियों में भय का माहौल

जागरण, बैढ़न

जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने एवं आपराधिक तत्वों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में बीती रात जिलेभर में औचक नाइट कॉम्बिंग गश्त की गई। जिले में अपराधियों पर नकेल कसते हुए पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत पुलिस उप महानिरीक्षक रीवा क्षेत्र राजेश सिंह चंदेल के निर्देशन में अपराधियों पर नकेल कसते हुए पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन में संगठित और सख्त कार्रवाई की गई। जिले के समस्त अनुभागीय पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी/कर्मचारियों की अलग.अलग टीमें गठित कर नाइट कॉम्बिंग गश्त का संचालन किया गया। नाइट कॉम्बिंग गश्त के दौरान 7 स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी जो लंबे समय से फरार थे। 69 गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। 79 निगरानी बदमाशों एवं 71 गुण्डा बदमाशों की जांच की गई 2 आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर अवैध शराब जब्त की गई। रात में बेवजह घूम रहे संदिग्ध एवं असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई। बैंकों और एटीएम की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस कॉम्बिंग गश्त की योजना कई दिनों से तैयार की जा रही थी। जिले के थानोंए चौकियों एवं पुलिस लाइन के बल के साथ तालमेल बनाकर तकनीकी शाखा की मदद से कट.ऑफ पार्टियां लगाई गईं। रातभर चले इस अभियान में पुलिस टीमों ने संवेदनशील इलाकोंए प्रमुख बाजारोंए बस स्टैंडए रेलवे स्टेशन और हाईवे पर गश्त कर अपराधियों की धरपकड़ की। संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की प्रभावी मौजूदगी रही। गिरफ्तार किए गए स्थाई वारंटी थाना वैढ़न बच्चा उर्फ राजेश कोल पिता बांकेलाल कोल 7 वर्ष से फरार। थाना विंध्यनगर गंगाधर पिता इंद्रजीत चमार 14 वर्ष से फरार। थाना जियवान शिवलाल साहू पिता मानबहोर साहू 9 वर्ष से फरार प्रेमचंद्र कुशवाहा पिता हरकमन कुशवाहा 5 वर्ष से फरार थाना सरई सूरज सागर पिता उदय पाल अगरिया 2 वर्ष से फरार। चौकी निगरी रघुवंश लाल पिता रामलाल विश्वकर्मा 4 वर्ष से फरार् जय करन साहू पिता रामचरण साहू 4 वर्ष से फरार। नाइट कॉम्बिंग अभियान अपराधियों में दहशत एवं आम नागरिकों में विश्वास स्थापित करने का महत्वपूर्ण प्रयास रहा। सिंगरौली पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की कठोर कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी ताकि जिले में शांति सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनी रहे।

# बस्ती में खोला मुर्गी पालन केंद्र, दुर्गंध व गंदगी से बीमार हो रहे ग्रामीण

## एसडीएम से शिकायत नहीं हो रही कार्रवाई

**जागरण चितरंगी।** तहसील के पोड़ी.1 गांव में बस्ती के बीच में ही अनाधिकृत रूप से मुर्गी पालन केंद्र पोल्ट्री फॉर्म खोल दिया गया है। बस्ती बीच खुले इस पोल्ट्री फॉर्म से आने वाली दुर्गंध और गंदगी से ग्रामीणों का जीना दुभर हो गया है। दुर्गंध से परेशान ग्रामीणों ने अगस्त महीने में समस्या की शिकायत चितरंगी एसडीएम से किया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने शिकायत कर केंद्र को हटाने की मांग की थी। शिकायत के बाद एसडीएम ने तहसीलदार को मामले की जांच करते हुए पोड़ी में पोल्ट्री फॉर्म को बस्ती से हटवाने का निर्देश दिया था लेकिन तहसीलदार द्वारा अभी कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने शिकायत में एसडीएम को बताया था कि गांव के शिवप्रसाद पाल पिता तेजबली द्वारा गांव के बीच में ही पोल्ट्री फॉर्म का संचालन किया जा रहा है। फॉर्म संचालन के लिए कोई अनुमति भी नहीं ली गई है।

फाईल फोटो

### दूसरे मानक भी नजरअंदाज

शिकायत के मुताबिक पोल्ट्री फॉर्म में कई दूसरे निर्धारित मानकों को नजरअंदाज किया गया जा रहा है। फॉर्म में न ही समय पर साफ सफाई की जाती है और न ही वहां से निकलने वाली कचरा यानी गंदगी का उचित निस्तारण किया जाता है। फॉर्म से निकलने वाली गंदगी को इधर.उधर फेंक दिया जाता है। इससे बीमारी का खतरा और बढ़ रहा है। शिकायत के पहले ग्रामीणों ने फॉर्म संचालक से व्यक्तिगत रूप से बस्ती के बाहर मुर्गी पालन का निवेदन किया था, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

**मुंह बंदकर रास्ते से आने-जाने को मजबूर :** ग्रामीणों ने शिकायत पर स्थानीय अधिकारियों द्वारा अमल नहीं किए जाने का नतीजा यह है कि वर्तमान में लोग वहां मुंह दबाकर गुजरते हैं। हवा चलने पर पोल्ट्री फॉर्म से उठने वाली दुर्गंध बस्ती तक पहुंचती है। इससे वहां संक्रामक बीमारी का खतरा बना हुआ है। आए दिन कोई न कोई बीमार भी हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द ही बस्ती के बीच से पोल्ट्री फॉर्म नहीं हटाया गया तो वह अधिकारियों के विरूद्ध धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

# शासकीय भूमि में बने तालाब में अवैध निर्माण कार्य नहीं रुक तो उच्च न्यायालय में पिटीशन दायर करेंगे : सुदामा

## जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग शर्मा कॉलोनी शासकीय तालाब के मेढ़ में हो रहे अवैध निर्माण कार्य को रोके जाने दिया ज्ञापन

**जागरण, बैढ़न।** जिला कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभा के जिला अध्यक्ष सुदामा प्रसाद कुशवाहा के द्वारा शर्मा कॉलोनी बैढ़न शासकीय तालाब के मेढ़ में हो रहे अवैध निर्माण कार्य को रोके जाने बाबत दिए ज्ञापन और अपने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि शर्मा कॉलोनी बैढ़न वार्ड क्र. 39 आरजी ग्राम बैढ़न के खसरा नंबर 784 785 शासकीय नगर पालिका निगम सिंगरौली के भूमि में बने तालाब के मेढ़ के बीचो.बीच कुछ असमाजिक तत्व अवैध निर्माण कार्य कर रहे हैं जिसके देखा देखी अन्य लोग भी अवैध निर्माण कार्य निश्चित रूप से करेंगे एवं तालाब की सौंदर्यकरण प्रभावित होगा। अगर समय पर रोक नहीं लगाया जाता है तो शीघ्र ही निर्माण कार्य पूरी हो जाएगी जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी श्री सुदामा प्रसाद कुशवाहा ने पत्र देकर मांग किया है कि शर्मा कॉलोनी बैढ़न वार्ड नंबर 39 शासकीय तालाब के मेढ़ में अवैध निर्माण कार्य करने से रोक लगाया जाए अन्यथा की स्थिति में उच्च न्यायालय जबलपुर में आम जनमानस पिटीशन दायर करने हेतु बाध्य होंगे जिसकी संपूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की होगी सुदामा प्रसाद कुशवाहा ने आरोप लगाया है कि भाजपा के शासनकाल में शासकीय भूमियों पर अवैध रूप से अतिक्रमण हो रहा है जिस पर सरकार सजग नहीं है उक्त अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल सिंह चंदेल जिला उपाध्यक्ष संगीता सिंह डॉक्टर एच एल प्रजापति प्रदेश कांग्रेस कमेटी पिछड़ा वर्ग विभाग के कोऑर्डिनेटर लखनलाल शाह महिला कांग्रेस सुषमा वर्मा हरिश्चंद्र कुशवाहा अनुसूचित जाति के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र साकेत संगठन मंत्री अधिवक्ता उसैद हसन सिद्दीकी जिला उपाध्यक्ष श्रीनाथ सोनी अशोक कुशवाहा लालेराम पाल शिवनारायण कुशवाहा राजकुमारी कोल उपस्थित रहे।

# शासकीय उत्कृष्ट व कन्या विद्यालय में मनाया गया योग दिवस

## उपखण्ड अधिकारी तहसीलदार मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकासखंड शिक्षा अधिकारी उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य ने किया योग

**जागरण, चितरंगी।** जिले के चितरंगी तहसील अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी तहसीलदार मुख्य कार्यपालन अधिकारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी चितरंगी मिश्रीलाल सिंह शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर विद्यालय के प्राचार्य जेजे भारती सांदीपनि मॉडल स्कूल के प्राचार्य अशोक सिंह बघेल सहित अन्य शिक्षकों ने योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान योग प्रशिक्षक लाल कुमार सिंह द्वारा विभिन्न योग आसनों और प्राणायाम कराया गया। छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में भाग लिया। उपखंड अधिकारी सुरेश जादव ने अपने संबोधन में योग के नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक और मानसिक लाभों पर प्रकाश डाला। तहसीलदार ऋषि नारायण सिंह ने योग द्वारा अनेक बीमारियों से बचने के उपाय बताए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी मानसिंह शैयाम ने योग से निरोग रहने के गुर बताएं। विकासखंड शिक्षा अधिकारी मिश्रीलाल सिंह ने सभी विद्यालयों में नियमित रूप से योग किए जाने पर बल दिया। उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य जेजे भारती ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को योग के महत्व से अवगत कराना है। शासकीय कन्या प्राचार्य बालेश्वर तिवारी ने योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल किए जाने पर जोर दिया। सांदीपनि मॉडल स्कूल के प्राचार्य अशोक सिंह ने कहा कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण हैए बल्कि यह मानसिक शांति और एकाग्रता को भी बढ़ावा देता है। वरिष्ठ शिक्षक बब्बू सिंह ने कहा कि कि योग से छात्रों का सर्वांगीण विकास संभव है। योग शिक्षक कामता प्रसाद तिवारी ने छात्रों और शिक्षकों को योग के प्रति जागरूक किया। विधायक प्रतिनिधि प्रभात कुमार सिंह ने योग के लाभों को समझने में मदद की। भाजपा जिला मंत्री प्रवेन्द्र धर द्विवेदी ने योग से निरोग रहने के फायदे बताए। वरिष्ठ शिक्षक दयाशंकर मिश्र ने कहा कि विद्यालय भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा ताकि छात्रों का शारीरिक और मानसिक विकास हो सके। वरिष्ठ शिक्षक उर्मिलेश पांडेय ने योग के विभिन्न आसनों के माध्यम से रोगों से निजात पाने के उपाय बताए। इस अवसर पर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के केंद्राध्यक्ष धनपत प्रसाद प्रजापति पारस लाल सिंह संतोष प्रजापति संसार सिंह सौरभ श्रीवास्तव लालकुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

# कोरावल विकास मंच द्वारा बेलहवा नदी में पीपा पुल का निर्माण कार्य कराके रास्ता किया चालू

**जागरण, चितरंगी।** बेलहवा नदी मे आने जाने का रास्ता न होने के कारण हो रही अशुबिधा को देखते हुए कोरावाल विकास मंच के अध्यक्ष डा रामशंकर बैस द्वारा कुलकवार एवं बगदरा के बीच बेलहवा नदी मे गाँव के लोगों के साथ मिल कर देसी जुगाड़ से पीपा पुल बनवाया और रास्ता संचालित कर आम जन मानश को राहत कि सांस दी ताकि बरसात मे कोई भी परेशानी न हो उन सभी को जो इस पार से उस पार आसानी से पहुंच सके लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि मंत्री विधायक उपखण्ड अधिकारी तहसीलदार सरपंच जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्य सब है लेकिन इन जनप्रतिनिधि और प्रशासन के लोगो को नहीं दिखाई देता कि इस नदी पर एक छोटी सी पुल का ही निर्माण कार्य करा दे ताकि लोगो बरसात के मौसम मे अपने घरों तक आसानी से पहुंच सके क्या प्रशासन और यंहा के जनप्रतिनिधि कुम्भकर्णरीय से जागेंगे या नहीं यह अपने आप मे बहुत बड़ा सवाल बना हुआ है।

# डीएवी पब्लिक स्कूल सूर्य विहार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संपन्न

**जागरण, बैढ़न।** रिलायंस सासन पॉवर परियोजना द्वारा वित्तपोषित डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल सूर्य विहार में 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस विद्यालय के छात्र.छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं तथा समाज के संभ्रांत जनों के साथ विद्यालय के प्राचार्य मृत्युंजय कुमार तिवारी द्वारा दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंत्रोचार तथा योग गीत के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का संदेश तत्पश्चात प्रधानमंत्री का ऑनलाइन संदेश श्रवण कराया गया जो बहुत ही प्रेरणादाई रहा। छात्र-छात्राओं शिक्षकों प्राचार्य एवं कर्मचारी योगासन प्राणायाम में उत्साह पूर्वक भाग लिये। श्याम सुंदर बसोर ने रिलायंस सासन पॉवर परियोजना के सी.एस. आर.टीम की तरफ से योग दिवस में भाग लिया। योगासन का कार्यक्रम संस्कृत शिक्षक संतोष कुमार झा आसन प्राणायाम कराएं जो बहुत ही फलदाई रहा इस अवसर पर विद्यालय परिवार योग को जीवन का अंग बनाने का संकल्प लिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विद्यालय के प्राचार्य श्री तिवारी अपने उद्बोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्म योगी बनने की प्रेरणा देते हुए आशा व्यक्त किए कि हमारा विद्यालय परिवार नियमित योग करते हुए शारीरिक मानसिक आध्यात्मिक एवं चारित्रिक विकास करते हुए समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं शांति पाठ के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम संपन्न हुआ।

# फांसी से लटकता मिला युवक का शव

**जागरण, रीवा।** शहर के अमहिया थाना क्षेत्र अंतर्गत द्वारिका नगर में एक युवक का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटकता मिला। दुकानदार का शंका हुई तो परिजनों को उसने जानकारी दी, जिसके बाद जब परिजन घर पहुंचे तो युवक फांसी के फंदे से लटक रहा था। आशंका है कि तीन से चार दिन पहले युवक ने आत्मघाती कदम उठाकर अपनी जान दे दी। बताया गया कि युवक सिगरेट पीने का आदी था, वह रोजाना सिगरेट पीने जिस दुकान में जाता था, वहां बीते चार दिनों से नहीं पहुंचा, जिससे दुकानदार को चिंता सताई और उसने पता लगाने परिजनों को सूचना दी। जानकारी होने के बाद जब परिजन घर पहुंचे तो देखा कि बंद कमरे के अंदर युवक का शव फांसी के फंदे पर लटक रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची जहां से युवक के शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल भिजवाया गया। परिजनों ने बताया कि मृतक शशांक गुप्ता अपने घर में अकेला रहता था, जबकि उसका दूसरा भाई अपनी मां के साथ अलग मकान लेकर रह रहा था । मृतक के भाई का कहना है कि वह मानसिक रूप से परेशान रहता था, उसके कान में कई तरह की आवाज गूंजा करती थी जिसका इलाज कई स्थानों पर कराया गया, लेकिन सुधार नहीं हुआ। परिजनों ने बताया कि कान की बीमारी के कारण वह कोई काम भी नहीं करता था और घर में ही रहता था। बताया जा रहा है कि मृतक के द्वारा पहले भी आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की जा चुका थी। आशंका है कि मृतक की मौत चार दिन पूर्व ही हो चुकी थी। हालांकि अमहिया पुलिस अब मर्ग कायम कर पूरी की जांच में लगी हुई है।

# वर्षा होने लगी लेकिन नाले की सफाई नहीं

**जागरण देवसर।** 13 वर्ष से फोर लाईन निर्माण एन.एच. 39 का आज भी अधूरा पडा है बडे दुख की बात यह है कि सिहावल विधानसभा के जियावन बहेरा नौढिया आबाद नौढिया बिरान ईटार खोभा देवसर मुख्यालय के बीचो.बीच यह रोड का निर्माण किया गया लेकिन 13 वर्षो मे न हितग्राही को मुआवजा दिया गया न रोड निर्माण नाली निर्माण बिजली निर्माण एवं पुल निर्माण आज भी अधूरा पडा ह इन गावों के मध्य मे देवसर तहसील स्थित है यहा सांसद ने कई बार फोर लाईन का उद्घाटन किया गया लेकिन आज भी अधूरा पडा हुआ है नाली निर्माण सही से न होने के कारण आये दिन वर्षा होने के कारण कई गरीबों का घर गिर जाते है और सडक बीच बने डिवाईडर मे मिटटी नही डाली गई बिजली फिटिंग नही हुआ और फोर लाईन मे लगे हैण्डपम्प भी उखडने लग गये लेकिन आज तक नही लगाये गये वाटर सप्लाई भी तोडा गया लेकिन 13 वर्ष मे व्यवस्था दुरूस्त नही हो पाई तो और कब हो पायेगी।

# खाद्यान्न की हेरा-फेरी मामले में सेल्समैन व परिवहनकर्ता नपे

**जागरण, रीवा।** शासकीय राशन की दुकान पर खाद्यान्न की हेरा-फेरी करने वाले सेल्समैन व परिवहनकर्ता पर अनुविभागीय अधिकारी मनगवां ने कार्रवाई करते हुए उन्हें कार्य से पृथक कर दिया है। मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के तहत परिवहनकर्ता चेतमणि साकेत एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकान रघुराजगढ़ के विक्रेता अनिल साकेत के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत खाद्यान्न की हेरा-फेरी करने के मामले में मनगवां थाना में प्रकरण पंजीबद्ध था। जिला खाद्य एवं आपूर्ति कार्यालय से शासकीय उचित मूल्य दुकान के निलंबन एवं वसूली की कार्यवाही हेतु लेख किया गया था। जिसके बाद शासकीय दुकान रघुराजगढ़ एवं उलहीखुर्द को वितरण कार्यों से पृथक करते हुए शासकीय उचित मूल्य दुकान रघुराजगढ़ के वितरण का दावित्व नागेन्द्र जायसवाल विक्रेता उलहीकला को एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकान उलहीखुर्द के वितरण का दायित्व अमरनाथ सिंह विक्रेता शा.उ.मू.दुकान पलिया-352 को सौंपा गया है। इसके साथ ही परिवहनकर्ता चेतमणि साकेत के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध होने से परिवहन कार्यों से पृथक किया गया है।

# किराना एवं होटल व्यवसाईयों पर नहीं होती कार्यवाही

**जागरण, देवसर।** किराना व होटल व्यवसाईयों की कई दूकानों पर कार्यवाही नही करते खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सेम्पल भी कई दूकानों की राज्य प्रयोग शाला भेजा गया लेकिन एक भी कार्यवाही नही हुआ कई वर्षो से खाद्य अधिकारी भी देवसर मे पदस्थ नही है लोगो को जानकारी भी नही मिल रहा है खाद्य अधिकारी कौन है कहा रहते है जो कि शासकीय आवास होने के बाद भी प्राईवेट आवास मे रहते है सिंगरौली जिले मे स्वच्छ एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग स्थानो पर निरीक्षण अभियान नही चलाया जाताए इसी कारण किराना व्यवसायियों एवं मील वाले जो सरसो के ते की चक्की मनमानी तरीके से चलाते है कई कारखाने बिना लाईसेन्स के फोर लाईन रोड पर लगी भीड जमा करते है जबकि कोई भी कारखाना रोड के किनारे नही लगाये जायेगे फिर भी यहा के व्यापारी फोर लाईन रोड पर ही कारखाने लगा कर बैठ गये है लेकिन अधिकारयों के कान मे जू तक नही रेगते जिला कलेक्टर से मांग् है कि अधिकारियों को निर्देशित कर उचित कार्यवाही किया जाय।

# योग के अभ्यास से हमारा शरीर और मन रहता है स्वस्थ

## जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

**जागरण, बैढ़न।** जयप्रकाश पावर वेन्चर्स लिमिटेड मे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 25 योग दिवस अवसर पर आयोजन वैश्विक थीम एक पृथ्वी-एक स्वास्थ्य के लिए योग के अन्तर्गत बड़े उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। उत्साह के साथ 20 एवं 21 को बच्चों एवं बडों का योग दिवस आयोजित किया गया जिसमें योग गुरू एवं कम्पनी के सेफ्टी ऑफिसर के द्वारा योग के बारे मे विस्तृत जानकारी देते हुए लोगो को योग के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी दी, जिसमे उन्होने बताया कि योग हमारी हजारो बर्ष पुरानी विद्या होने साथ कला और संस्कृत का प्रमुख संगम भी हैं। योग सम्पूर्ण विश्व को भारत कि ओर से एक उपहार है यह स्वस्थ जीवन तथा मन और शरीर के बीच मे सही संतुलन की कुंजी हैं। लोगों को योग कार्यक्रम में ताड़ासन, भुजगांसन, प्रणायाम, अलोम-विलोम आदि मुद्राओं का अभ्यास कराया इसके साथ ही अन्य आसनों का दैनिक जीवन मे महत्व एवं लाभ के बारे बताया। उन्होंनो कहा निरोग कया स्वस्थ जीवन का आशय हैं। अवसर पर यूनिट हेड मेजर जनरल संजय थापा पी.वी.एस.एम. सेवानिवृत ने विश्व योग दिवस पर लोगो को संबोधित करते हुए कहा कि हमे प्रतिदिन योगा अभ्यास करना चाहिए योग के अभ्यास से हमारा शरीर और मन स्वस्थ रहता है और इससे हमे अनुशासन मे रहने कि प्रेरणा मिलती है हमें अपने जीवन में कुछ समय निकल कर योग अवश्य करना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन विनीत अमोला,सहायक प्रबंधक,मानव संसाधन नितेश कुशवाहा अधिकारी पर्यावरण एवं राकेश द्विवेदी ने किया और सभी का आभार व्यक्त किया। उपरोक्त जानकारी नीरज श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक मानव संसाधन एवं जनसम्पर्क ने दी है।

## खेल एक नजर

### पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप के पहले दिन भारत ने चार पदक जीते

**बीजिंग, जेएनएन।** भारत ने पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप के पहले दिन एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य सहित चार पदक जीतकर दमदार प्रदर्शन किया। टूर्नामेंट में 40 से अधिक देशों के शीर्ष पैरा पावरलिफ्टर भाग ले रहे हैं और यह 2026 विश्व चैंपियनशिप और 2028 पैरालंपिक खेलों की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता है। गुलफाम अहमद ने बेहद प्रतिस्पर्धी पुरुषों की एलीट 59 किग्रा श्रेणी में कांस्य पदक के साथ भारत का खाता खोला। पुरुषों की एलीट 72 किग्रा श्रेणी में रामूभाई बंभवा ने अपने पहले प्रयास में 151 किग्रा वजन उठाकर भारत के खाते में एक और कांस्य जोड़ा। अनुभवी भारोत्तोलक जॉबी मैथ्यू ने मास्टर्स श्रेणी में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल भार में स्वर्ण और सर्वश्रेष्ठ भार के लिए रजत जीता। 140 किग्रा की असफल शुरुआत के बाद उन्होंने 145 और 150 किग्रा वजन उठाकर वापसी की।

### भारत ने बेल्जियम को 4-3 से हराकर हार का सिलसिला तोड़ा

**एंटवर्प ( बेल्जियम ), जेएनएन।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में बेल्जियम को 4-3 से पराजित करके अपनी पहली जीत दर्ज की और इस तरह से लगातार सात मैच में हार का सिलसिला खत्म किया। भारत को हालांकि इस मैच में भी संघर्ष करना पड़ा। जब अंतिम हूटर बजने में सिर्फ दो मिनट बचे थे और स्कोर 3-3 से बराबर था तब

भारत ने बेल्जियम के सर्कल के अंदर सेंध लगाई और फिर रेफरल मांगा। फैसला भारत के पक्ष में गया और हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम के आर्थर डी स्लोवर ने आठवें मिनट में उसकी तरफ से पहला गोल किया। भारत ने दूसरे क्वार्टर में अच्छा खेल दिखाया और सुखजीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए गोल से बराबरी हासिल कर ली। बेल्जियम ने निकोलस स्टॉकब्रोक्स के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। सुखजीत सिंह ने 35वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत को फिर से बराबरी दिलाई। अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिला दी। इसके बाद बेल्जियम ने पेनल्टी कार्नर हासिल किया, जिस पर थिब्यू लैबोचेरे ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया।

### हॉकी : भारतीय महिला टीम की यूरोपीय चरण में लगातार छठी हार

**एंटवर्प ( बेल्जियम ), जेएनएन।** भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को बेल्जियम से 0-2 से हार गई, जो एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में उसकी लगातार छठी हार है। दो गोलरहित क्वार्टर के बाद बेल्जियम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके जीत सुनिश्चित की। बेल्जियम ने शनिवार को भी भारतीय टीम को 5-1 से हराया था। एंब्रे बेलेनघी ने 40वें मिनट में बेल्जियम को बढ़त दिलाई, जबकि लिएन हिलेवार्ट ने

इसके तुरंत बाद एक और गोल दागकर बेल्जियम को 2-0 से आगे कर दिया। इस हार के बाद भारत 14 मैच में 10 अंक के साथ तालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर है।

### कमल चावला की एशियाई स्नूकर में शानदार शुरुआत

**कोलंबो, जेएनएन।** मौजूदा आईबीएसएफ विश्व 6-रेड स्नूकर चैंपियन कमल चावला ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए रविवार को एसीबीएस एशियाई 6-रेड स्नूकर चैंपियनशिप के पहले दिन मकाउ चीन के वाइ इप लैम पर 4-1 से एकतरफा जीत दर्ज की। भोपाल के चावला ने ग्रुप-सी मैच के दूसरे फ्रेम में शानदार 66 का स्कोर बनाया। उन्होंने इसके बाद भी

अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लैम को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। भारत के अन्य खिलाड़ियों में राष्ट्रीय चैंपियन पारस गुप्ता ने ग्रुप-डी के मैच में श्रीलंका के मोहम्मद मुबीन को (4-3) से और पुष्पेंद्र सिंह ने ग्रुप-ए में बांग्लादेश के जियाउर रहमान आजाद को 4-1 से पराजित किया।

# बुमराह के पंजे से भारत को छह रन की बढ़त

## पहला टेस्ट, तीसरा दिन : ब्रूक शतक से चूके, इंग्लैंड पहली पारी में 465 पर सिमटी

**जेएनएन, लीड्स**

हैरी ब्रूक (99) एक रन से शतक से चूक गए, जिसके बाद जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट चटकाते हुए इंग्लैंड को पहली पारी में 465 रन पर समेटकर भारत को पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी के आधार पर छह रन की मामूली बढ़त दिलाई। जवाब में खबर लिखे जाने तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में दो विकेट खोकर 90 रन बना लिए। टीम की कुल बढ़त 96 रन की हो गई। भारत को 16 रन के स्कोर पहला झटका पहली पारी के शतकवीर यशस्वी जायसवाल के रूप में लगा। उन्हें ब्राइडन कार्स ने चार रन के निजी स्कोर पर पवेलियन भेजा। इसके बाद साई सुदर्शन 30 रन इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स का शिकार बने। केएल राहुल 47 और कप्तान शुभमन गिल 6 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इससे पहले बुमराह ने जोश टंग (11) को बोल्ड करके इंग्लैंड की पारी का अंत किया, लेकिन इससे पहले निचले क्रम में क्रिस वोक्स (38 रन) ने तेजी से रन जुटाकर मेजबान टीम को भारत के 471 रन के स्कोर के करीब पहुंचाया। इंग्लैंड के निचले क्रम ने भारत की मजबूत बढ़त हासिल करने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, जिससे अब दोनों टीम की दूसरी पारियां बेहद महत्वपूर्ण हो गई हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दूसरे सत्र में भी आसानी से बाउंड्री बटोरी और 23.4 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 138 रन जुटाए। प्रसिद्ध कृष्णा (128 रन पर तीन विकेट) ने शॉर्ट गेंद पर जेमी स्मिथ (40) और ब्रूक (99 रन) को आउट किया, लेकिन अपनी 20 ओवर की गेंदबाजी में रन गति पर अंकुश लगाने में नाकाम रहे। गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने सिर्फ छह ओवर गेंदबाजी की, जिससे उनके चयन पर सवाल उठने लगे हैं। बुमराह (83 रन पर पांच विकेट) पूरी पारी के दौरान भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 14वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट चटकाए। मैच में अब तक भारत की फील्डिंग उसकी सबसे कमजोर कड़ी रही है। ब्रूक को 82 रन पर बुमराह की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने दूसरा जीवनदान दिया। ब्रूक हालांकि इन मौकों का फायदा उठाकर शतक नहीं बना सके और 88वें ओवर में 99 रन के स्कोर पर प्रसिद्ध की गेंद पर शार्दुल को कैच दे बैठे। भारत ने 80 ओवर के बाद नई गेंद ली थी, लेकिन टीम इसका अच्छा इस्तेमाल नहीं कर पाई। टेस्ट शतक (भारत के खिलाफ 2018 में) जड़ चुके वोक्स ने सत्र के अंत में प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर मिड विकेट और थर्ड मैन पर छक्के मारे। उन्हें बुमराह ने बोल्ड किया, जबकि मोहम्मद सिराज (122 रन पर दो विकेट) ने ब्राइडन कार्स (22) की पारी का अंत किया। इससे पहले इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 209 रन से की और सुबह के सत्र में 28 ओवर में 118 रन जोड़े। भारत ने सुबह के सत्र में कल के शतकवीर ओली पोप (106 रन) और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (20) के विकेट चटकाए।

**12** बार एक पारी में पांच विकेट लेकर बुमराह ने कपिल देव के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कपिल देव ने भी विदेशी धरती पर टेस्ट में 12 बार ही 5 विकेट लेने का कारनामा किया था। कपिल देव ने विदेश में 66 टेस्ट मैच खेले, जबकि बुमराह का विदेश में यह 34वां टेस्ट है। इशांत शर्मा ने विदेश में 63 टेस्ट में 9 तो जहीर खान ने 54 टेस्ट में 8 बार 5 विकेट चटकाए हैं। इरफान पठान ने सिर्फ 15 मैचों में 7 बार यह कमाल किया है।

**14** बार बुमराह ने टेस्ट मैच की पारी में 5 विकेट लेने का कारनामा किया। इसमें 12 बार उन्होंने घर से बाहर यह कमाल किया है। 2018 में बुमराह ने दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट डेब्यू किया था। वह इंग्लैंड के अलावा दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया में भी पारी में 5 विकेट चटकाए हैं।

### स्कोर बोर्ड

**भारत पहली पारी : 472**
**इंग्लैंड पहली पारी : 465/10 (100.4 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| क्रॉली का. नायर बो. बुमराह | 4 | 6 | 1 | 0 |
| बेन डकेट बो. बुमराह | 62 | 94 | 9 | 0 |
| ऑली पोप का. पंत बो. कृष्णा | 106 | 137 | 14 | 0 |
| रूट का. नायर बो. बुमराह | 28 | 58 | 2 | 0 |
| ब्रूक का. शार्दुल बो. कृष्णा | 99 | 112 | 11 | 2 |
| स्टोक्स का. पंत बो. सिराज | 20 | 52 | 3 | 0 |
| स्मिथ का. सुदर्शन बो. कृष्णा | 40 | 52 | 5 | 1 |
| क्रिस वोक्स बो. बुमराह | 38 | 55 | 3 | 2 |
| ब्राइडन कार्स बो. सिराज | 22 | 23 | 4 | 0 |
| जॉश टंग बो. बुमराह | 11 | 18 | 2 | 0 |
| शोएब बशीर नाबाद | 1 | 4 | 0 | 0 |

**अतिरिक्त** : 34, **कुल** : 100.4 ओवर में 465 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन** : 1-4, 2-126, 3-206, 4-225, 5-276, 6-349, 7-398, 8-453, 9-460, 10-465, **गेंदबाजी** : बुमराह 24.4-5-83-5, सिराज 27-0-122-2, कृष्णा 20-0-128-3, जडेजा 23-4-68-0, शार्दुल 6-0-38-0.

**भारत दूसरी पारी : 90/2 (23.5 ओवर)**

| | रन | गेंद | 4 | 6 |
|---|---|---|---|---|
| जायसवाल का. स्मिथ बो. कार्स | 4 | 11 | 1 | 0 |
| केएल राहुल खेल रहे हैं | 47 | 75 | 7 | 0 |
| सुदर्शन का. क्रॉली बो. स्टोक्स | 30 | 48 | 4 | 0 |
| शुभमन गिल खेल रहे हैं | 6 | 10 | 1 | 0 |

**अतिरिक्त** : 3, **कुल** : 23.5 ओवर में दो विकेट पर 90 रन, **विकेट पतन** : 1-16, 2-82, **गेंदबाजी** : क्रिस वोक्स 6-2-18-0, ब्राइडन कार्स 5-0-27-1, जोश टंग 5-0-15-0, शोएब बशीर 2.5-1-11-0, बेन स्टोक्स 5-1-18-1.

### लॉरेंस के सम्मान में काली पट्टी बांधी

भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस के सम्मान में काली पट्टियां बांधी। लॉरेंस का रविवार को 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लॉरेंस ने 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए पांच टेस्ट (18 विकेट) और एक वनडे (चार विकेट) खेला। लॉरेंस को सिड उपनाम से जाना जाता था। लॉरेंस इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे।

## विंबलडन 2023 के बाद मार्केटा वोंद्रोसोवा ने जीता पहला खिताब

### बर्लिन ओपन के फाइनल में चीन की वांग झिन्यू को हराया

**बर्लिन, जेएनएन।** छठी वरीयता प्राप्त चेक खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा ने रविवार को बर्लिन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में चीन की वांग झिन्यू को 7-6, 4-6, 6-2 से हराकर दो साल बाद पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता। 25 साल की वोंद्रोसोवा ने 2023 में विंबलडन ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। यह दोनों खिलाड़ी अपने-अपने खिताबी सुखे को खत्म करने के इरादे से उतरी थी। ऑल इंग्लैंड क्लब में दो साल पहले अपनी जीत के बाद से चोट से जूझ रही वोंद्रोसोवा अपने बाएं कंधे पर टेप से बंधी चोट के कारण 24 महीने की अवधि को निश्चित रूप से समाप्त करना चाहती थीं। वहीं दुनिया की 49वें नंबर की खिलाड़ी अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल में खेल रही थीं। वोंद्रोसोवा ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त बेलारुस की आर्यना सबालेंका को 6-2,6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था।

## बहामास को हराकर कनाडा दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई

### लगातार पांच जीत के साथ इस टूर्नामेंट में पहुंचने वाली 13वीं टीम बनी

**दुबई, जेएनएन।** कनाडा 2026 टी-20 विश्व कप में क्वालिफाई करने वाली 20 में से 13वीं टीम बन गई है। भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 टी-20 विश्व कप के लिए कनाडा ने अमेरिका क्षेत्रीय क्वालिफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर यह उपलब्धि हासिल की है। चार टीमों के इस टूर्नामेंट में यह कनाडा की लगातार पांचवीं जीत थी। इस टूर्नामेंट में बरमूडा और कैमन आईलैंड ने भी भाग लिया था, जहां कनाडा ने तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। यह टी-20 विश्व कप में कनाडा की दूसरी बार एंट्री है। उन्होंने वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुए 2024 टी-20 विश्व कप में भी क्वालिफाई किया था। अपने घर में खेल रही कनाडा इस टूर्नामेंट में पसंदीदा थी। उन्होंने अपने मैच 110 रन, 59 रन, दस विकेट, 42 रन और सात विकेट से जीते। अपनी

ताजा जीत में उन्होंने 19.5 ओवर में बहामास को 57 रन पर ढेर कर दिया। कलीम सना ने छह रन देकर तीन विकेट लिए। अंश पटेल ने अपने कोटे के चार ओवरों में सात रन देकर दो विकेट लिए और शिवम शर्मा ने 2.5 ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। कनाडा के बल्लेबाजों ने 5.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें दिलप्रीत बाजवा ने 14 गेंद में 36 रन बनाए।

#### यह टीम क्वालिफाई

अन्य क्वालिफाई टीमों में मेजबान भारत और श्रीलंका, के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज शामिल है। सात और टीमें, दो यूरोप क्वालिफायर, दो अफ्रीका क्वालिफायर और तीन एशिया-ईएपी से आएंगी। अमेरिका पहले से क्वालिफाई होने की वजह से इस टूर्नामेंट में नहीं खेला।

### भारत-किर्गिस्तान के बीच दोस्ताना मैच गोलरहित ड्रॉ

**नई दिल्ली, जेएनएन।** भारत की अंडर 23 फुटबॉल टीम ने ताजिकिस्तान के हिसोर में दूसरे दोस्ताना अंतरराष्ट्रीय मैच में किर्गिस्तान के साथ गोलरहित ड्रॉ खेला। इस साल के आखिर में होने वाले एएफसी अंडर-23 एशियाई कप क्वालीफायर और 2026 एशियाई खेलों की तैयारी के लिए भारतीय टीम दो मैत्री मैच खेलने ताजिकिस्तान गई है। पहले मैच में उसे मेजबान टीम ने 3-2 से हराया। मुख्य कोच नौशाद मूसा ने पिछले मैच की प्रारंभिक एकादश में आठ बदलाव किए। सिर्फ डिफेंडर परमवीर, बिकास युंनाम और अभिषेक सिंह टेकचाम ही अपनी जगह बरकरार रख सके।

## काउंटी मैच खेलेंगे जोफ्रा आर्चर, भारत के खिलाफ खेल सकते हैं दूसरा टेस्टः रिपोर्ट

**लंदन, जेएनएन।** चोटों से प्रभावित तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भारत के खिलाफ दो जुलाई से शुरू हो रहा दूसरा टेस्ट खेल सकते हैं, क्योंकि वह डरहम में ससेक्स के लिए काउंटी चैम्पियनशिप मैच खेलने जा रहे हैं। भारत के खिलाफ एंडरसन-तेंदुलकर सीरीज के पहले टेस्ट में आर्चर और मार्क वुड के बिना इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर दिखाई दिया। स्काय स्पोर्ट्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, आर्चर ससेक्स के लिए लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करेंगे, हालांकि उनका नाम काउंटी चैम्पियनशिप के इस मैच की टीम में नहीं

था। अगर वह मैच खेल पाते हैं, तो भारत के खिलाफ एडबस्टन में दूसरे टेस्ट की टीम में हो सकते हैं। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की है कि वह इस काउंटी मैच के लिए ससेक्स टीम में होंगे। आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले आर्चर चोटों के कारण चार साल से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेले हैं। आर्चर ने 2021 से इंग्लैंड के लिए सिर्फ सफेद गेंद के प्रारूप में खेला है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि आर्चर लाल गेंद के क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं।

## भारतीय महिला टीम की नजरें एशियाई कप क्वालिफायर्स में नई शुरुआत पर

**चियांग माइ ( थाईलैंड ), जेएनएन।** कोरोना महामारी के कारण पिछले एएफसी महिला एशियाई कप में अभियान पटरी से उतरने के तीन साल बाद भारतीय टीम सोमवार से शुरू हो रहे क्वालिफायर्स में नए सिरे से शुरुआत करने उतरेगी, जिसमें पहला मुकाबला मंगोलिया से होना है। एएफसी महिला एशियाई कप अगले साल आस्ट्रेलिया में खेला जाएगा। पिछले कुछ दशक में इस टूर्नामेंट में किस्मत ने भारत का साथ नहीं दिया है। भारतीय टीम ने आखिरी बार 2003 में एएफसी महिला एशियाई कप में जगह बनाई थी। इसके बाद जब 2022 में भारत की मेजबानी में टूर्नामेंट हुआ, तो टीम में कोरोना संक्रमण फैल गया और पहले मैच से पूर्व ही भारत को नाम वापिस लेना पड़ा। भारत एशियाई महिला चैम्पियनशिप में तीन बार पोडियम पर रह चुका है।

# राजनीति में रूचि नहीं, लेकिन भारत का कोच बनने से ऐतराज नहीं : गांगुली

## हर साल राजनीति में प्रवेश करने का अवसर मिलता है, लेकिन मुझे पसंद नहीं जुलाई में 53 साल के हो जाएंगे पूर्व भारतीय कप्तान

**जेएनएन, कोलकाता**

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने राजनीति में प्रवेश से इनकार किया, लेकिन कहा कि भारतीय टीम का कोच बनने से उन्हें ऐतराज नहीं है। जुलाई में 53 साल के होने जा रहे गांगुली 2018-19 और 2022-24 के बीच दिल्ली कैपिटल्स के टीम निदेशक रहे। क्या वह भारतीय टीम का कोच बनना चाहेंगे, यह पूछने पर उन्होंने पॉडकास्ट इंटरव्यू में कहा कि मैंने इसके बारे में सोचा नहीं, क्योंकि मैं अलग-अलग भूमिकाओं में रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैंने 2013 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना छोड़ा और फिर बीसीसीआई अध्यक्ष बन गया। उनसे जब कहा गया कि वह भारत का कोच बनकर और भी योगदान दे सकते थे, तो गांगुली ने कहा, देखते हैं कि आगे क्या होता है। मैं 50 (53) साल का ही हूं। देखते हैं कि क्या होता है। मुझे इससे ऐतराज नहीं है। यह तो तय है कि वह राजनीति में नहीं उतरने वाले।

### चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से लय में गंभीर

गांगुली ने मौजूदा कोच गौतम गंभीर की तारीफ करते हुए कहा कि दुबई में चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से उन्होंने लय पकड़ ली है। उन्होंने कहा, शुरुआत धीमी रही जब ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से हारे, लेकिन चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद उन्होंने लय पकड़ ली। इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज बहुत महत्वपूर्ण होगी। गांगुली ने कहा कि मैंने उन्हें रणनीतिकार की भूमिका में करीब से नहीं देखा है, लेकिन उसका जुनून देखा है। वह सीधी बात करता है और चीजों को साफ देखता है। वह अपने विचार खुलकर रखता है। टीम के बारे में, खिलाड़ियों, लोगों और सबके बारे में। बाहर से आप कह सकते हैं कि वह काफी पारदर्शी इंसान है।

### मेरी राजनीति में कोई दिलचस्पी नहीं

यह पूछने पर कि पश्चिम बंगाल में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले क्या वह किसी राजनीतिक दल से जुड़ेंगे, उन्होंने मुस्कुराकर कहा, मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। अगर उन्हें प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाए जाने की पेशकश की जाए तो? इस पर भी उन्होंने कहा कि मेरी कोई रूचि नहीं है। गांगुली से पूछा गया कि अगर उन्हें मौका मिले, तो वह किस पार्टी से जुड़ना चाहेंगे, बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने कभी इस बारे में नहीं सोचा है। उन्होंने कहा, यह उतना आसान नहीं है, जितना आप सोचते हैं। मुझे हर साल राजनीति में प्रवेश करने का अवसर मिलता है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह मेरे बस की बात है।

#### जल्द रिलीज होगी बायोपिक

गांगुली ने खुलासा किया कि 2026 के अंत तक उनकी बायोपिक रिलीज हो जाएगी और राजकुमार राव इसके नायक होंगे। उन्होंने कहा, इसकी शूटिंग जनवरी में शुरू होगी। प्री-प्रोडक्शन, स्क्रिप्ट तैयार करने और कहानी लेखन में काफी समय लगता है। शूटिंग में ज्यादा समय नहीं लगता।

### विराट-रोहित का 2027 वनडे विश्व कप तक बने रहना आसान नहीं

गांगुली ने कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए 2027 तक फिट रहकर भारत की वनडे विश्व कप टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। अगले वनडे विश्व कप तक कोहली 38 और रोहित 40 साल के हो जाएंगे।

उस समय तक भारत को नौ द्विपक्षीय सीरीज में 27 वनडे खेलने हैं यानी साल में बमुश्किल 15 मैच। उन्होंने कहा कि हम सभी को समझना होगा कि हर किसी की तरह एक दिन खेल उनसे दूर हो जाएगा और वह खेल से दूर हो जाएंगे। युवराज सिंह के बारे में उन्होंने कहा कि वह विशेष खिलाड़ी था, जो सफेद गेंद के प्रारूप में चमका, लेकिन उसे पारंपरिक प्रारूप में अपना हुनर दिखाने के मौके नहीं मिले। वह राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, गांगुली और वीवीएस लक्ष्मण के बीच फंस गया लेकिन वह खास खिलाड़ी रहा है।

## महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण आज

**सतना।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एलके तिवारी ने बताया कि वर्ष 2023 में आयोजित समूह-5 की परीक्षा में चयनित एवं उच्च न्यायालय में याचिका दायर से संबंधित महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षा में चयनित अभ्यर्थी 23 जून तक प्रातः 11 बजे से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सतना में उपस्थित होकर अपने दस्तावेजों का सत्यापन करा सकते हैं।

## विकासखण्ड स्तरीय रोजगार मेला आज अमरपाटन में

**सतना।** शासकीय आईटीआई एवं रोजगार कार्यालय सतना द्वारा 26 जून 2025 तक सतना एवं मैहर जिले में स्थित समस्त आईटीआई में एसआईएस सिक्योरिटी सर्विस का एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 23 जून को शासकीय आईटीआई अमरपाटन, 24 जून को जनपद पंचायत मैहर, 25 जून को जनपद पंचायत रामनगर एवं 26 जून 2025 को जिला रोजगार कार्यालय सतना में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

# दिव्यांग भांजे की हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार

### सिटी कोतवाली पुलिस ने मझगवां के जंगल से दबोचा

**जागरण, सतना**

दिव्यांग भांजे की लाठियो से पीट कर हत्या करने वाले आरोपी मामा को सिटी कोतवाली टीआई रावेन्द्र द्विवेदी ने मझगवां के जंगल से गिरफ्तार किया है। आरोपी घटना के बाद से फरार था। यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश एएसपी डॉ शिवेश सिंह , सीएसपी देवेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन मे की गई है।

### ये था मामला

पुलिस ने बताया कि फरियादिया स्वेता बेलदार पति रामबहोर बेलदार उम्र 40 साल निवासी कुम्हरान मोहल्ला वार्ड क्र 7 जवाहर नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रामबहोर बेलदार दाहिने पैसे विकलांग था उसकी सास कलावति अपने भाइ रामलाल के घर में रहती है। पति व ससुर नीलकंठ बेलदार भी साथ रहते है। मामला ससुर रामलाल बेलदार 19 जून की सुबह से ही लडाई झगला कर रहा था। और कहा रहा था कि घर खाली कर दो नही तो जान से खत्म कर दूगा। इससे डरे हुये रामबहोर व सास कलावति ससुर नीलकंठ बेलदार बडे मामा ससुर गोकुल के घर चले गये रात तकरीबन साढे 11 बजे रामबहोर को बुरी बुरी गालियॉ देने लगा और कहा कि घर खाली करने के लिए कहा था अभी तक खाली क्यो नही किया उसने हाथ में लिये डंडे से रामबहोर बेलदार को जान से मारने की नियत से मारपीट कर दी जिससे उसके बाये हाथ की कोहनी एवं बाये तरफ की पसली में गंभीर चोट आई इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां पर 20 जून की रात तकरीबन साढे 3 बजे उसकी मौत हो गई पुलिस ने हत्या का अपराध दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी इधर आरोपी रामलाल बेदलदार उर्फ बीटोला पिता स्व. शोभा बेलदार उम्र 35 साल निवासी जवाहर नगर को जैसे ही पता चला की उसके भांजे रामबहोर की मौत हो गई। वह घर से भाग निकला पुलिस को 22 जून को पता लगा की वह मझगवां के जंगल में है और भागने की फिराक में है उसे घेराबंदी कर पकड लिया गया। आरोपी की निशान देही पर घटना में प्रयोग किया गया डंडा जप्त किया गया है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया है।

# शराब के नशे में ड्यूटी कर रहे एएसआई ने ट्रक चालक से किया गली-गलौच

### टीआई को कहा अपशब्द, वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियों पर संज्ञान लेकर किया लाइन अटैच

**जागरण, सतना।** शराब के नशे में धुत एएसआई द्वारा जहां ट्रक चालक के साथ गाली गलौच की जा रही थी वहीं उन्होने टीआई को भी अपशब्द कहते सुने जा रहे है। जैसे ही यह वीडियों सोशल मीडियॉ में रविवार की सुबह वायरल हुआ तो पुलिस के आलाधिरियों ने इस पर संज्ञान लेते हुये संबंधित एएसआई को लाइन अटैच कर दिया है। बताया जाता है कि एएसआई गणेश रावत की ड्यिूटी माधव गढ प्वाइंट पर लगी थी हुई थी। इसी दौरान उन्होने भारी वाहनो को रोका तभी एक ट्रक चालक से गली गलौच भी करने का वीडियो वायरल हो गया। दरअसल एएसआई कोलगवां थाने में पदस्थ है। और उनकी डियूटी माधवगढ में लगी थी लेकिन आन ड्यूटी एएसआई ने शराब के नशे में जो कारनामा किया निश्चित तौर पर उससे पुलिस की साख पर बट्टा लग रहा है। इस बात को बेहद गंभीरता से लेते हुये संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही कर लाइन अटैच कर दिया गया है। शनिवार शाम की इस घटना में एएसआई रावत ट्रकों और भारी वाहनों को रोककर कथित तौर पर अवैध वसूली कर रहे थे। एक ट्रक चालक ने जब अपनी गाड़ी रोकने का कारण पूछा तो एएसआई भड़क गए। उन्होंने ट्रक चालक को गालियां दीं। साथ ही अपने थाने के टीआई को भी अपशब्द कहे। वायरल वीडियो में एएसआई रावत वर्दी में नशे की हालत में झूमते दिख रहे हैं। उनकी जुबान लड़खड़ा रही है।

### इनका कहना है

वीडियो वायरल होने के बाद संबंधित एएसआई गणेश रावत को लाइन अटैच कर यिदा गया है। मामले की जांच के लिए सीएसपी देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान को जिम्मेदारी सौपी गई है। जांच रिपोर्ट आते ही आगे की वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

**डॉ शिवेश सिंह एएसपी सतना**

# विंध्य की बेटी ने जयपुर में फिर जीता गोल्ड

**सतना।** सतना जिले के रामपुर बघेलान वार्ड क्र- 2 निवासी एएसआई बिनोद त्रिपाठी की बेटी गीतांजलि त्रिपाठी ने 14 से 19 जून 2025 तक जयपुर की पूर्णिमा यूनिवर्सिटी में आयोजित 34 वें नेशनल गेम्स बुशु स्पर्धा में एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतकर विन्ध्य का नाम रोशन किया है। गीतांजलि त्रिपाठी दिल्ली में सशस्त्र सीमा बल में नौकरी कर रही है। इसके पहले भी ये जार्जिया सहित अन्य देशों में गोल्ड मेडल जीत चुकी है।

# 102 लीटर अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

### रामनगर पुलिस ने कार्यवाही कर आरोपी को दबोचा

**जागरण, सतना।** नशे के व्यापारियों पर एसपी मैहर सुधीर अग्रवाल द्वारा कार्यवाहीकिये जाने के निर्देश बाद रामनगर टीआई विजय सिंह परस्ते ने 102 लीटर अवैध शराब जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। कार्यवाही में 65 हजार रूपये से अधिक कीमत की शराब जप्त की गई है यह कार्यवाही एसपी सुधीर अग्रवाल के निर्देश एएसपी डॉ चंचल नागर , एवं एसडीओपी ख्याति मिश्रा के मार्गदर्शन में टीआई रामनगर द्वारा की गई है।

### ये है विवरण

पुलिस ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम पिपरी कोठार में शिवराज सिंह बघेल के घर में बिक्री के लिए अवैध शराब रखी हुई है। पुलिस ने सूचना मिलते ही शिवराज सिंह बघेल निवासी सेमरिया गढियॉ के घर को घेर लिया और दरवाजे खुलवाकर जैसे ही तलाशी ली तो कमरे में 11 कार्टून देशी व अंग्रेजी शराब पाई गई आरोपी शिवराज सिंह बघेल पिता स्व. धर्मराज सिंह बघेल उम्र 50 साल निवासी ग्राम सेमरिया गडिया टोला थाना रामनगर के कब्जे से 102 लीटर शराब जप्त कर धारा 34-2 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया है इस कार्यवाही में रामनगर टीआई विजय सिंह परसते एएसपी समरजीत कोल सहित अन्य की सराहीय भूमिका रही।

### आखिर क्या कर रहा आबकारी महकमा

रामनगर टीआई द्वारा की गई इस बडी कार्यवाही के बाद एक बात तो तय हो गई है कि क्षेत्र में जमकर तस्करी की जा रही है। मगर अब सवाल यह उठता है कि अवैध शराब बिक्री रोकने का जिम्मा सम्हालने वाले आबकारी विभाग के अधिकारी आखिरकार क्या कर रहे है। क्या उन्हे इस तरह की जानकारी नही मिलती या उनकी जानकारी में ही इस तरह की तस्करी को अंजाम दिया जा रहा है। मामला चाहे जो भी हो लेकिन क्षेत्र में आबकारी विभाग को लेकर तरह तरह की चर्चाए की जा रही है।

# राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

**जागरण, सतना।** नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है। उसके लिये प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिये गए।

# मुह बांधकर अवैध हथियार लिये घूमने वाले को पुलिस ने पकड़ा

### सोशल मीडिया में वायरल हुई थी फोटो

**जागरण, सतना।** मुह बांध कर अवैध हथियार लेकर घूमने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल उसका एक फोटो सोशल मीडियॉ में वायरल हुआ था पुलिस ने कार्यवाही करते हुये प्रकाश कुशवाहा निवासी खम्हा थाना कोठी को पुलिस ने पकड लिया है। बताया जाता है कि संदेही को अभी रक्षा में लेकर पूछताछ की गई जिसमें उसने जुर्म स्वीकार करते हुये फोटो में प्रदर्शित हथियार प्रशांत उर्फ अंकित सिंह से लेना व उसी का वास कर देना बताया। साथ ही एक नग कट्टा व कारतूस पास में रखे था जिसे आरोपी प्रकाश कुशवाहा के कब्जे से पुलिस ने जप्त किया है। वह मोबाइल भी पुलिस ने जप्त कर लिया है। जिससे यह फोटो सोशल मीडियॉ में अपलोड किया गया था। आरोपी प्रकाश कुशवाहा के विरूद्ध पुलिस ने 25-27 आर्म्स एक्ट का अपराध दर्ज किया है फरार आरोपी प्रशान्त उर्फ अंकित की तलाश पुलिस कर रही है। आरोपी के कब्जे से 12 हजार रूपये का एक देशी कट्टा , 3 सौ रूपये की एक जिंदा कारतूस और 10 हजार रूपये कीमत का मोबाईल फोन जप्त किया गया है यह कार्यवाही एसपी आशुतोष गुप्ता के निर्देश , एएसपी विक्रम सिंह एवं एसडीओपी चित्रकूट के मार्गदर्शन में कोठी थाना प्रभारी गिरजा शंकर बाजपेयी द्वारा की गई है।

# डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस 23 जून को

**सतना।** भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय प्रदेश नेतृत्व के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय जनसंघ के विचारक कश्मीर आंदोलन के महाजनक डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का बलिदान दिवस 23 जून को भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में जिले के सभी 26 मंडलों के 1376 बूथ पर मनाएगी सभी कार्यकर्ता उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए विचार संगोष्ठी के माध्यम से उनके जीवन पर प्रकाश पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के 'जिला संयोजक जिला महामंत्री ऋषभ सिंह' ने बताया की 23 जून को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के बलिदान दिवस पर पार्टी के वरिष्ठ नेता अपने.अपने बूथ पर जाएंगेए जिसमे 'विधानसभा सतना कुशाभाऊ ठाकरे मंडल बूथ नंबर 128 वार्ड नंबर 10 में सुबह 11.30 बजे सांसद गणेश सिंह विधानसभा रामपुर बघेलान रामपुर मंडल के बूथ नंबर 89 में दोपहर 12ए30 बजे विधायक विक्रम सिंह विक्की, नागौद विधानसभा में भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पाण्डेय जी भरहुत मंडल के बूथ नंबर 207 में दोपहर 12.00 बजेए चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार जी बिरसिंहपुर मंडल के बूथ नंबर 256 में शाम 4.00 बजे विचार संगोष्ठी' में कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करेंगे।

| Post | Subject | Qualification |
|---|---|---|
| P.G.T. | Hindi | PG+ B.Ed |
| P.R.T. | Hindi & English | UG+D.Ed |

Interested candidates can submit their CV at the school office till 23.06.2025 between 08 AM to 01 PM.
Near Toll Plaza, Bypass Road Ratahara, Rewa 9425999434

# मंदाकिनी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

**सतना।** चित्रकूट में रविवार को मंदाकिनी नदी में स्फटिक शिला घाट पर नहाने गए एक बुजुर्ग की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान यूपी के कर्बी जिले के बंदरकोल निवासी 55 वर्षीय फूलचंद यादव के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फूलचंद स्फटिक शिला घाट पर नहाने उतरे थे। बारिश के कारण मंदाकिनी का जलस्तर बढ़ा हुआ था। तैरना न आने के कारण वे पानी के तेज बहाव में बह गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक स्फटिक शिला के पास आरोग्यधाम हेलीपैड की बाउंड्री के सामने से शव को बाहर निकाला गया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उरहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता**। आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
**कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा-** 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com